खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । रविवार, 25 मई, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-7 । अंक-143

गुलजार हाउस अग्निकांड से उजागर हुई सरकार की नाकामी

ये सिर्फ हादसा नहीं, 'कम्प्लीट सिस्टम फेल्योर' है

सियासतदानों, और कितनी जानें आग में झोंकोगे!

हैदराबाद का गुलजार हाउस अग्निकांड किसी भी लोकतांत्रिक नैतिक और संवेदनशील सरकार के अलमबरदारों के चुल्लू भर पानी में डूब मरने के लिए काफी था। लेकिन यहां न लोकतंत्र है, न नैतिकता और संवेदनशीलता। साहसी मांओं ने अपने निरीह बच्चों को अपनी गोद में समेट कर हृदयहीन सरकार और नाकारा व्यवस्था के खिलाफ जौहर कर लिया। फिर भी सरकार को शर्म नहीं आई, यही तो यहां की असलियत है। जब सरकार गुलजार हाउस अग्निकांड में झुलस कर मरने वाले आठ बच्चों और महिलाओं समेत 17 लोगों की मौत पर पांच-पांच लाख रुपए का मुआवजा तय कर रही थी तो केवल तेलंगाना क्या, पूरा देश शर्मिंदगी से भर गया था। लोगों के मुंह से बेसाख्ता निकला... छिः... इस छिः से सियासतदानों पर कोई फर्क नहीं पड़ता। नेता जानता है कि कुछ दिनों की बात है, लोग पहले की तरह फिर भूल जाएंगे, चुनाव का वक्त आने पर फिर उन्हें बेवकूफ बनाया जाएगा और वोट लेकर राजयोग भोगा जाएगा। आम जनता तो दुख भोगने के लिए है ही। यह दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की सबसे बड़ी विडंबना है।

आठ बच्चों समेत 17 लोगों की मौत पर पूरा हैदराबाद, पूरा तेलंगाना और पूरा देश दुखी है। शोक सभाएं चल रही हैं। लोग अपनी वेदनाएं अभिव्यक्त कर रहे हैं। लेकिन सत्ता अलमबरदारों और नौकरशाहों पर इस सामाजिक दुख का कोई असर नहीं। अगर दुख होता तो तेलंगाना स्टेट डिजास्टर रेस्पॉन्स एंड फायर सर्विसेज के शीर्ष अधिकारी से लेकर सारे जिम्मेदार लोगों और नगर पालिका के संबद्ध अधिकारियों एवं कर्मचारियों पर मासूम लोगों की जान लेने का आपराधिक मुकदमा दर्ज हो गया होता, अब तक वे निलंबित हो गए होते और सख्त कानूनी कार्रवाई का सामना कर रहे होते। लेकिन ऐसा कुछ भी नहीं हुआ। उल्टा, डिजास्टर रेस्पॉन्स एंड फायर सर्विसेज का शीर्ष अधिकारी नेताओं की तरह भाषण देता फिर रहा है और मीडिया को बेवकूफ बना रहा है। उसे अब तक गिरफ्तार हो जाना चाहिए था, लेकिन वह सरकार की तरफ से सफाइयां पेश कर रहा है। गुलजार हाउस में लगी आग बुझाने के लिए आई फायर ब्रिगेड की गाड़ियों में पानी नहीं था। पानी का कोई वैकल्पिक इंतजाम भी नहीं था। एंबुलेंस में ऑक्सीजन नहीं था। फायर ब्रिगेड की गाड़ियां कम भेजी गई थीं। ऐसे हादसों से निपटने के लिए शहर में सड़कों और नुक्कड़ों पर पानी के स्रोत (फायर हाइड्रेंट) फिट रखे जाते हैं। फायर ब्रिगेड की गाड़ियों को पानी कैसे मिले? ऐसे सवालों का हल पहले से तलाश कर रखा जाता है ताकि आपात स्थिति में व्यवस्था दुरुस्त रह सके। लेकिन नगर पालिका का ध्यान तो केवल पैसे बटोरने पर रहता है। गुलजार अग्निकांड ने पूरी व्यवस्था के चेहरे पर पड़ी नकाब भी फूंक डाली। गुलजार हाउस अग्निकांड सिर्फ एक दुर्घटना नहीं बल्कि घोर और अक्षम्य प्रशासनिक लापरवाही का उदाहरण है। इससे

शुभ-लाभ संवेदना

रेवंत रेड्डी सरकार को झूठ परोसने और सुंदरियां बटोरने से फुर्सत नहीं

बुरी तरह फेल हुआ तेलंगाना स्टेट डिजास्टर रेस्पॉन्स एंड फायर सर्विस

बड़ा और दर्दनाक उदाहरण क्या हो सकता है? जब हर एक सेकंड किसी की जान ले रहा हो और डिजास्टर रेस्पॉन्स शून्य हो तो सियासतदानों को डूब मरना चाहिए कि नहीं? सरकार की प्राथमिकता करोड़ों-अरबों रुपए खर्च कर तमाशा और सौंदर्य प्रतियोगिता आयोजित करने की हो तो मासूम बच्चे और महिलाएं ऐसे ही आग में झुलस कर मरेंगी ही। जब हैदराबाद राजधानी की बुनियादी आपातकालीन व्यवस्था इतनी लचर और सड़ियल है तो आप प्रदेश के अन्य जिलों की बदहाली का अंदाजा लगा सकते हैं। सरकार की बेशर्मी गुलजार हाउस अग्निकांड में त्रासद मौत का शिकार हुए मासूमों की मौत का अपमान है। इसे आम नागरिकों को याद रखना चाहिए और इसका लोकतांत्रिक प्रतिकार करना चाहिए।

हैदराबाद के गुलजार हाउस अग्निकांड ने शहर के अग्निशमन विभाग की तैयारियों और क्षमता का पर्दाफाश कर दिया है। जबकि हैदराबाद में आग लगने की दुर्घटनाएं आम होती जा रही हैं। हर रोज आग लगने की चार-पांच घटनाएं दर्ज हो रही हैं। खास तौर पर गुलजार हाउस अग्निकांड ने पर्याप्त सुरक्षा उपाय करने में लापरवाही करने वाले जीएचएमसी, ईवीडीएम, हाइड्रा, अग्निशमन विभाग और पुलिस प्रशासन को नंगा कर दिया है। आग से प्रभावित होने वाली इमारतों सहित पुरानी इमारतों में उचित अग्नि सुरक्षा उपायों जैसे कि स्प्रिंकलर सिस्टम, फायर अलार्म और भागने के रास्ते का सख्ती से समाधान इन विभागों की जिम्मेदारी है। लेकिन इनकी आदत है, हादसे के पहले इंतजाम देखते नहीं, घूस लेकर एनओसी जारी करते हैं या नाकारेपन में एनओसी का ध्यान भी नहीं देते और हादसा होने के बाद जांच बिठा देते हैं। गुलजार हाउस अग्निकांड में भी यही हुआ। सरकार ने उच्च स्तरीय जांच गठित कर दी। जांच समिति अब जांच करेगी और सारे कारणों की लीपापोती कर, गुलजार हाउस में रहने वाले लोगों को जिम्मेदार ठहरा देगी। आप देखते जाएं, यही होने वाला है। इस अग्निकांड के बाद क्या जांचा जाएगा? अग्निकांड न हो इसके लिए पहले जो बातें जांचनी चाहिए थीं, वह क्यों नहीं जांची गईं और उसका उपाय क्यों नहीं किया गया? इन सवालों का जवाब आम नागरिकों को कभी नहीं मिलता।

फायर ब्रिगेड ने गुलजार हाउस में लगी आग बुझाने के लिए 11 फायर टेंडर तैनात किए थे। यह फायर ब्रिगेड महकमे का आधिकारिक बयान है। पानी खर्च होने पर कितने फायर टेंडर मौके से हटे और कितने नए फायर टेंडर पानी के साथ घटनास्थल पर पहुंचे, इस सवाल का जवाब तेलंगाना राज्य आपदा प्रतिक्रिया और अग्निशमन सेवा (तेलंगाना स्टेट डिजास्टर रेस्पॉन्स एंड फायर सर्विसेज) के महानिदेशक वाई. नागी रेड्डी के पास नहीं है। जबकि नागी रेड्डी ही रेवंत रेड्डी के प्रवक्ता बने सरकार की तरफ से सफाइयां पेश कर रहे हैं। नागी रेड्डी संकरी गली और इमारत के संकरे प्रवेश द्वार, पहली मंजिल तक जाने वाली संकरी सीढ़ी को अग्निशमन सेवा में बाधा पहुंचाने का तर्क देते हैं। लेकिन नागी रेड्डी यह नहीं बताते कि इतनी खतरनाक स्थितियां थीं तो उनके विभाग ने गुलजार हाउस को एनओसी कैसे जारी कर दी थी। और अगर एनओसी नहीं दी थी तो क्यों? और इसके लिए कौन जिम्मेदार है? आग बुझाने में लगे अधिकांश फायरमैन के पास मास्क क्यों नहीं था?

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पूरे प्रदेश के मुखिया है। लेकिन वे अपनी राजधानी हैदराबाद का ही ख्याल नहीं रख पाते। उनके पहले के मुख्यमंत्री भी ऐसे ही नाकारा रहे हैं। अगर वे आम लोगों के सरोकार के प्रति संजीदा होते तो बिल्डिंग कोड का सख्ती से पालन हुआ होता, घनी आबादी वाले क्षेत्रों में अग्निशमन सेवाओं की कारगर पहुंच का उपाय हुआ होता और अग्नि सुरक्षा के सारे जरूरी इंतजामात प्राथमिकता से हुए होते। लेकिन ऐसा नहीं हुआ, न हो रहा है और न होता हुआ दिख रहा है...

नीति आयोग की बैठक में बोले पीएम मोदी

विकसित भारत के लिए हमें विकास की गति बढ़ानी होगी

सभी राज्यों को टीम की तरह चलना होगा

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए देश की आर्थिक वृद्धि और विभिन्न क्षेत्रों में विकास की दर को तेज करने तथा केंद्र और राज्यों के बीच तालमेल बढ़ाने की जरूरत पर बल दिया है।

श्री मोदी ने राजधानी में नीति आयोग की संचालन परिषद की 10वीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि विकसित भारत अब देश के हर नागरिक की आकांक्षा बन गया है। उन्होंने कहा, हमें विकास की गति बढ़ानी होगी। अगर केंद्र और सभी राज्य एक साथ आएं और टीम इंडिया की तरह मिलकर काम करें, तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है।

उन्होंने कहा कि विकसित भारत अब हर नगरिक का लक्ष्य बन गया है। प्रधानमंत्री ने कहा, जब प्रत्येक राज्य विकसित होगा, तो ही भारत विकसित होगा। यह देश के 140 करोड़ नागरिकों की आकांक्षा है।

श्री मोदी ने अर्थव्यवस्था में महिलाओं की भूमिका बढ़ाये जाने पर बल देते हुए कहा, हमें कार्यबल में महिलाओं को शामिल करने की दिशा में काम करना चाहिए। हमें ऐसे कानून, नीतियां बनानी चाहिए, जिससे उन्हें कार्यबल में सम्मानपूर्वक शामिल ▶10 पर

विपक्षी मुख्यमंत्रियों संग पीएम की चाय पर चर्चा

हंसी ठहाके भी खूब लगे... नीति आयोग बैठक में मोदी की अलग रणनीति

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज दिल्ली में नीति आयोग की बैठक के दौरान तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, झारखंड के

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और अन्य मुख्यमंत्रियों के साथ बातचीत की। ▶10 पर

नेशनल हेराल्ड मामला : ईडी ने किया बड़ा दावा

सिर्फ 50 लाख में अर्जित कर ली 2,000 करोड़ की संपत्ति

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)। नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस की सोनिया गांधी और राहुल गांधी से जुड़े एक और बड़े खुलासे में प्रवर्तन निदेशालय ने दावा किया है कि पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को दोनों वरिष्ठ नेताओं से जुड़ी एक कंपनी को भारी रकम दान करने के लिए कहा गया था। केंद्रीय एजेंसी ने अपने आरोपपत्र में आरोप लगाया है कि यंग इंडियन लिमिटेड को कई कांग्रेस नेताओं से लाखों की रकम मिली है। वित्तीय अनियमितताओं को छिपाने के लिए कंपनी की अब जांच की जा रही है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अपने आरोपपत्र में आरोप लगाया है कि राहुल गांधी और सोनिया गांधी दान के बहाने यंग इंडियन लिमिटेड को हस्तांतरित धन के प्रत्यक्ष लाभार्थी थे। मात्र 50 लाख रुपए में 2,000 करोड़ रुपए की संपत्ति अर्जित की।

ईडी का दावा है कि यंग इंडियन लिमिटेड ने नेशनल हेराल्ड अखबार के प्रकाशक एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड से 2,000 करोड़ रुपये की संपत्ति

राहुल गांधी और सोनिया गांधी धन के प्रत्यक्ष लाभार्थी थे : ईडी

केवल 50 लाख रुपये में हासिल की। इस लेन-देन ने संभावित हेराफेरी और मनी लॉन्ड्रिंग को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा की हैं। इन विवादास्पद लेन-देन का एक बड़ा हिस्सा कथित तौर पर तेलंगाना से आया था। तत्कालीन विधायक और वर्तमान मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के कथित निर्देशों पर काम करते हुए, चार कांग्रेस नेताओं ने 2022 में यंग इंडियन को 80 लाख रुपये से अधिक का दान दिया। कांग्रेस के नेता जिन्होंने दान दिया। दानदाताओं में 2019 के लोकसभा चुनाव में उम्मीदवार गली अनिल कुमार ने जून 2022 में 20 लाख रुपये का योगदान दिया है। ▶10 पर

मुश्किल में आए राहुल, कोर्ट ने जारी किया गैर जमानती वारंट

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता और लोक सभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की परेशानियां बढ़ गई है। राहुल गांधी कानूनी समस्या को लेकर फिर से सुर्खियों में आ गए है। राहुल गांधी को झारखंड के चाईबासा स्थित एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट ने गैर जमानती वारंट जारी किया है। अब राहुल गांधी को 26 जून 2025 को अदालत में पेश होना होगा।

अदालत ने राहुल गांधी के वकील की ओर से दाखिल की गई पेशी से छूट की याचिका को खारिज कर दिया है। अदालत ने सख्त रुख अपनाया है। बता दें कि जिस मामले में राहुल गांधी को अदालत में पेश होने के लिए कहा गया है वो वर्ष 2018 का मामला है। राहुल गांधी ने वर्ष 2018 में एक राजनीतिक भाषण दिया था। इस भाषण में राहुल गांधी ने 28 मार्च 2018 को भाजपा के खिलाफ तीखे शब्द कहे थे। इस भाषण के खिलाफ भाजपा नेता प्रताप कटियार ने चाईबासा सीजेएम कोर्ट में राहुल गांधी के खिलाफ मानहानी का मुकदमा दायर किया था। इसके बाद इस मामले को झारखंड हाईकोर्ट के निर्देश पर 20 फरवरी को रांची स्थित एमपी ▶10 पर

कनिमोझी ने रूस में पाकिस्तान को किया बेनकाब

भारत के पास जवाब देने के अलावा कोई विकल्प नहीं था...

मास्को, 24 मई (एजेंसियां)। आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक लड़ाई में भारत की निरंतर प्रतिबद्धता के हिस्से के रूप में, डीएमके की कनिमोझी करुणानिधि के नेतृत्व में एक सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल ने रूसी संघ में कई उच्च-स्तरीय बैठकें कीं। प्रतिनिधिमंडल ने रूसी संसद के दोनों सदनों के सदस्यों और प्रमुख थिंक टैंकों के साथ बातचीत की। उन्होंने कहा कि भारत के पास जवाब देने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। लेकिन जब भारत ने जवाब दिया, तो हमने जिम्मेदारी से

जवाब दिया। हमने सुनिश्चित किया कि कोई भी नागरिक प्रभावित न हो, सैन्य ठिकानों को कोई नुकसान न पहुंचे। डीएमके नेता ने कहा कि हमने केवल उन प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया जहां आतंकवादियों को पनाह दी गई और प्रशिक्षित किया गया। उन्होंने जवाबी कार्रवाई जारी रखी, गुरुद्वारों, मंदिरों, आवासीय क्षेत्रों को निशाना बनाया जहां भारतीय नागरिक रहते थे, और यहां तक कि हमारे सैन्य ठिकानों को भी। उन्होंने आगे कहा कि पंडित जवाहर लाल नेहरू से लेकर अटल बिहारी वाजपेयी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तक, ▶10 पर

अगर आतंकवाद पागल कुत्ता है, तो पाकिस्तान इसका जंगली संचालक : अभिषेक बनर्जी

टोक्यो, 24 मई (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी ने गुरुवार को टोक्यो में अपने जोशीले भाषण में कहा कि भारत पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के डर के आगे घुटने नहीं टेकेगा। जापान में भारतीय समुदाय के साथ सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल की बातचीत के दौरान, टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी ने कहा कि हम यहां यह संदेश और सच्चाई साझा करने के लिए आए हैं कि भारत झुकने से इनकार करता है। हम डर के आगे नहीं झुकेंगे। मैं एक राजनीतिक दल से संबंधित हूं जो विपक्ष में है। ▶10 पर

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने वन बिग, ब्यूटीफुल बिल एक्ट पारित, भारत पैसा भेजने पर लगेगा 3.5 प्रतिशत टैक्स

वॉशिंगटन, 24 मई (एजेंसियां) ।

अमेरिका में कमाए पैसों को भारत भेजने पर 3.5 प्रतिशत टैक्स लगेगा। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने 'वन बिग, ब्यूटीफुल बिल एक्ट' पारित कर दिया है। इस बिल में विदेशी कामगारों द्वारा अमेरिका में कमाए गए पैसों को अपने देश भेजने पर टैक्स लगाने का प्रावधान है। इसके परिणामस्वरूप अमेरिका में रहने वाले भारतीय समुदाय पर प्रतिवर्ष 1.6 बिलियन डॉलर(8,750 करोड़) का अतिरिक्त कर लगाया जाएगा। पूरे 1,116 पन्नों के इस कानून में सीमा सुरक्षा, टैक्स और खर्च को लेकर ट्रंप की नीतियों की झलक मिलती है। यह बिल ट्रंप के 2017 के टैक्स कट्स को आगे बढ़ाने का प्रयास है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की इस नई पॉलिसी का सबसे बड़ा प्रभाव भारत पर पड़ सकता है, क्योंकि भारतीय प्रवासी अमेरिका से सबसे अधिक रेमिटेंस भेजते हैं। रेमिटेंस यानी, प्रवासियों द्वारा अपने देश भेजा गया धन।

भारतीय प्रवासियों को सालाना 1.6 बिलियन डॉलर का झटका!

भारतीय प्रवासी अमेरिका से भेजते हैं सबसे ज्यादा पैसे

सीनेट की मंजूरी के बाद 1 जनवरी 2026 से ये लागू हो जाएगा।

रेमिटेंस टैक्स में की गई इतनी कटौती – इस बिल में अमेरिका में रहकर काम कर रहे लाखों की संख्या में उन विदेशी कामगारों को राहत दी गई है, देश के बाहर पैसा भेजते हैं। बिल के फाइनल वर्जन में रेमिटेंस टैक्स को 5 परसेंट से घटाकर 3.5 परसेंट कर दिया गया है। यह 1 जनवरी, 2026 से प्रभावी होगा। रेमिटेंस टैक्स का मतलब होता है किसी देश से दूसरे देश में पैसे भेजने पर लगाया जाने वाला टैक्स। इसका असर अमेरिका में बड़ी संख्या में रह रहे भारतीय प्रवासियों पर भी पड़ेगा। माइग्रेशन पॉलिसी इंस्टीट्यूट की डेटा के मुताबिक, 2023 तक अमेरिका में रहने वाले अप्रवासी भारतीयों की संख्या 2.9 मिलियन से अधिक थी। इसी के साथ अमेरिका दुनिया में संयुक्त अरब अमीरात के बाद दूसरा सबसे पॉपुलर डेस्टिनेशन बन गया। मैक्सिकन के बाद भारतीय अमेरिका में रहने वाले दूसरे सबसे बड़े विदेशी मूल के समूह का भी प्रतिनिधित्व करते हैं, जो देश के 47.8 मिलियन विदेशी मूल के निवासियों का 6 परसेंट है।

अमेरिकी नागरिकों को मिली छूट – ट्रंप के इस नए बिल के तहत रेमिटेंस टैक्स केवल गैर-अमेरिकी नागरिकों पर लागू होगा। अमेरिकी नागरिकों को इससे छूट दी गई है। प्रभावित होने वालों में ग्रीन कार्ड होल्डर और एम्प्लॉयमेंट वीजा पर रहने वाले लोग शामिल होंगे। यानी कि अमेरिका में रहकर कमाने वाले कोई भारतीय व्यक्ति अगर अपनी कमाई में से 5000 रुपये भी अपने गांव या शहर भेजेगा, तो उसे उस पर टैक्स देना होगा। रेमिटेंस टैक्स में यह कटौती कई हफ्ते तक चली बातचीत के बाद की गई।

हाल के वर्षों में भारत द्वारा प्राप्त धन – विश्व बैंक द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2000 से, 2004, 2005 और 2007 को छोड़कर, भारत प्राप्त धन के मामले में शीर्ष स्थान पर रहा है। अमेरिका सबसे बड़ा योगदानकर्ता बना हुआ है, जो 2023-24 में कुल प्रेषण का 27.7 प्रतिशत हिस्सा होगा. 2016-17 में कुल प्रेषण का 22.9 प्रतिशत और 2020-21 में 23.4 प्रतिशत अमेरिकी प्रेषण था। आरबीआई का अनुमान है कि 2029 में धनप्रेषण बढ़कर लगभग 160 बिलियन डॉलर हो जाएगा। वित्त वर्ष 24 में भारत का आधे से अधिक धन प्रेषण संयुक्त राज्य अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, सिंगापुर, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया सहित उन्नत अर्थव्यवस्थाओं से आया, जो वैश्विक धन प्रेषण परिदृश्य में बदलाव का संकेत देता है।

न्यूज ब्रीफ

ट्रंप ने यूएस स्टील और जापान की निप्पॉन के बीच साझेदारी की घोषणा की

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को यूएस स्टील और जापान स्थित निप्पॉन स्टील के बीच महत्वपूर्ण साझेदारी की घोषणा की। उन्होंने कहा कि फिलहाल यूएस स्टील का मुख्यालय पिट्सबर्ग में ही रहेगा। उन्होंने कहा कि प्रतिष्ठित अमेरिकी स्टील निर्माता जापान की निप्पॉन को खरीदने को तैयार है। राष्ट्रपति ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, मुझे यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि यूएस स्टील अमेरिका में ही रहेगा और इसका मुख्यालय पिट्सबर्ग के महान शहर में रहेगा। यह यूनाइटेड स्टेट्स स्टील और निप्पॉन स्टील के बीच एक नियोजित साझेदारी है। इससे कम से कम 70,000 नौकरियां पैदा होंगी। बताया गया है कि ट्रंप की इस घोषणा के बाद यूएस स्टील के शेयरों में 21 फीसद का उछाल आया है और आफ्टरमार्केट ट्रेडिंग में लगातार इजाफा हो रहा है। राष्ट्रपति ने कहा कि वह 30 मई को पिट्सबर्ग में यूएस स्टील के मुख्यालय का दौरा करेंगे। उधर, इस पर व्हाइट हाउस ने तुरंत कोई और स्पष्टीकरण नहीं दिया और ना ही यह स्पष्ट किया कि नई व्यवस्था के तहत यूएस स्टील पर स्वामित्व किसका होगा। यूएस स्टील ने ट्रंप की प्रशंसा की है। यूएस स्टील ने कहा कि वह साहसी नेता और सफल व्यवसायी हैं। वह जानते हैं कि अमेरिका, अमेरिकी श्रमिकों और अमेरिकी विनिर्माण के लिए सबसे अच्छा सौदा कैसे प्राप्त किया जा सकता है। यह साझेदारी अमेरिका के लिए गेम चेंजर साबित होगी।

अमेरिकी खुफिया रिपोर्ट में दावा उत्तर कोरिया की रणनीतिक स्थिति हुई काफी मजबूत

वाशिंगटन,24 मई । उत्तर कोरिया इस समय पिछले कई दशकों की तुलना में अपनी सबसे मजबूत स्थिति में है। इसकी वजह यह है कि उत्तर कोरिया लगातार उन्नत हथियार बना रहा है, जो उत्तर-पूर्व एशिया और अमेरिका की मुख्य भूमि में अमेरिकी सेना और उसके सहयोगी देशों के लिए खतरा बन सकते हैं। अमेरिका के रक्षा विभाग की खुफिया एजेंसी (डीआईए) ने शुक्रवार को एक रिपोर्ट पेश की। इस रिपोर्ट का नाम है 2025 वर्ल्डवाइड थ्रेट असेसमेंट यानी 2025 वैश्विक खतरे का आकलन। इसमें उत्तर कोरिया, चीन, रूस, ईरान और अन्य देशों या संगठनों से उत्पन्न होने वाले सुरक्षा खतरों के बारे में जानकारी दी गई है।यह रिपोर्ट ऐसे समय में आई है जब उत्तर कोरिया के बढ़ते परमाणु और मिसाइल खतरों को लेकर चिंता बढ़ रही है। साथ ही, पिछले साल जून में रूस और उत्तर कोरिया के बीच हुई व्यापक रणनीतिक साझेदारी संधि के बाद दोनों देशों के बीच बढ़ते सैन्य रिश्तों को लेकर भी चिंता जताई गई है।डीआईए ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन को अब अपने शासन की सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान को लेकर पहले से ज्यादा भरोसा हो गया है।रिपोर्ट में कहा गया है कि उत्तर कोरिया इस समय पिछले कई दशकों में अपनी सबसे मजबूत स्थिति में है। उसके पास अब ऐसे हथियार और सैन्य ताकत है जो पूर्वोत्तर एशिया में अमेरिकी सेना और उसके सहयोगी देशों के लिए खतरा बन सकती है।

कनाडा में विदेशी छात्रों का पढ़ाई करना मुश्किल हुआ

ओटावा। कनाडा ने इंटरनेशनल स्टूडेंट को दिए जाने वाले स्टडी परमिट की संख्या में कटौती की है। पिछले

साल की समान अवधि के मुकाबले 2025 की पहली तिमाही में भारतीय स्टूडेंट को दिए गए परमिट में 31त्न की गिरावट आई है। इमिग्रेशन, रिफ्यूजीज एंड सिटिजनशिप कनाडा के आंकड़ों के मुताबिक जनवरी-मार्च 2025 के बीच सिर्फ 30,640 स्टूडेंट को स्टडी परमिट दिया गया। जबकि 2024 में इसी अवधि के दौरान यह संख्या 44,295 थी। सरकार कम परमिट जारी कर रही, भारतीय छात्रों की संख्या में 31 प्रतिशत गिरावट जनवरी 2025 में, कनाडा की आबादी 4 करोड़ 15 लाख थी, जिसमें अस्थायी निवासियों की संख्या 3 करोड़ 2 लाख थी। यह लगभग 7.25 प्रतिशत है। कनाडा सरकार इसे 2028 तक 5 प्रतिशत से कम पर ले जाना चाहती है। यही वजह है कि आईआरसीसी ने 2025 के लिए स्टडी परमिट की लिमिट 437,000 कर दी है, जो 2024 के मुकाबले 10 प्रतिशत कम है। यह सीमा 2026 तक लागू रहेगी। इंटरनेशनल स्टूडेंट 40 प्रतिशत तक कम हुए कनाडा ने साल 2023 से ही इंटरनेशनल स्टूडेंट की संख्या को कम करने के लिए कोशिश शुरू कर दी थी। कनाडा ने 2023 में कुल 6.81 लाख स्टडी परमिट जारी किए, जिनमें से 2.78 लाख भारतीय छात्रों के लिए थे। 2024 में कुल परमिट की संख्या घटकर 5.16 लाख हो गई।

रूस ने यूक्रेन में मचाई तबाही, राजधानी कीव में त्राहिमाम-त्राहिमाम

कीव,24 मई (एजेंसियां) ।

रूस ने शुक्रवार देररात यूक्रेन की राजधानी कीव और आसपास के हिस्सों में भारी तबाही मचाई। रूस ने बड़ी संख्या में ड्रोन और मिसाइलें दागकर पिछले दिनों मॉस्को में किए गए हमलों का माकूल जवाब दिया। इस हमले में पूरी राजधानी चपेट में आ गई। कीव में कई जगह विस्फोट के बाद आग लग गई। त्राहिमाम-त्राहिमाम मच गया। जब जान पर बन आई तो सैकड़ों लोगों ने भागकर भूमिगत मेट्रो स्टेशनों में शरण ली।

रूस का हवाई हमला सुबह होने के बाद थमा। बताया गया है कि रूस का हमला दोनों देशों के कैदियों की अदला-बदली शुरू करने के कुछ घंटों बाद हुआ। पिछले सप्ताह इस्तांबुल में हुई बैठक में दोनों पक्षों ने कैदियों की अदला-बदली पर सहमति व्यक्त की थी। पहले चरण में सैकड़ों सैनिकों और नागरिकों की अदला-बदली की गई। कीव सैन्य प्रशासन के कार्यवाहक प्रमुख तैमूर तकाचेंको ने टेलीग्राम पर लिखा है कि आज सुबह कीव के कम से कम चार शहरी जिलों में इंटरसेप्ट की गई मिसाइलों और ड्रोन का मलबा गिरा है। छह लोग रक्तरंजित मिले हैं।कीव के सोलोमियांस्की जिले में दो जगह आग लग गई। हमले से पहले, मेयर विटाली क्लिट्स्को ने कीव निवासियों को चेतावनी दी थी कि 20 से अधिक रूसी ड्रोन कीव की ओर बढ़ रहे हैं। उन्होंने सुबह कहा कि ड्रोन का मलबा कीव के ओबोलोन जिले में एक शॉपिंग मॉल और एक आवासीय इमारत पर गिरा। कैदियों की अदला-बदली पर यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा कि पहले चरण में 390 यूक्रेनियों को घर वापस लाया गया। सप्ताहांत में और लोगों की रिहाई की उम्मीद है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसे यूक्रेन से भी इतनी ही संख्या में कैदी मिले हैं। एक यूक्रेनी अधिकारी के अनुसार, यह अदला-बदली उत्तरी यूक्रेन में बेलारूस की सीमा पर हुई। रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि रिहा किए गए रूसियों को उपचार के लिए बेलारूस ले जाया गया।

उल्लेखनीय है कि रूस और यूक्रेन के युद्ध में अब तक दसियों हजार सैनिक मारे गए हैं। 16 मई की इस्तांबुल में बैठक के बाद तुर्किये के विदेशमंत्री हकन फिदान ने दोनों पक्ष प्रथम चरण की अदला-बदली के बाद फिर से मिलने के लिए सैद्धांतिक रूप से सहमत हो गए हैं। लेकिन क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने शुक्रवार को कहा कि लड़ाई समाप्त करने के लिए अगले दौर की वार्ता के स्थल पर अभी तक कोई समझौता नहीं हुआ है, क्योंकि कूटनीतिक प्रयास जारी हैं। इस बीच, रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसने 20 मई से 23 मई के बीच युद्ध के मैदान से दूर 788 यूक्रेनी ड्रोन को मार गिराया है।

पहलगाम हमला के बाद ऑपरेशन सिंदूर को लेकर जर्मनी ने भारत का खुलकर समर्थन किया

बर्लिन,24 मई (एजेंसियां) ।

पहलगाम हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर को लेकर जर्मनी ने कहा है कि किसी भी देश को आतंकवाद के खिलाफ खुद का बचाव करने का पूरा अधिकार है। विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में जर्मन विदेश मंत्री जोहान वेडफुल ने कहा कि हम सभी 22 अप्रैल को भारत पर हुए क्रूर आतंकवादी हमले से स्तब्ध हैं। हम नागरिकों पर हुए इस हमले की कड़ी निंदा करते हैं। हमारी गहरी संवेदना सभी पीड़ितों और उनके परिवारों के साथ है। जर्मन विदेश मंत्री ने कहा कि सैन्य हमलों के बाद दोनों देशों के बीच युद्धविराम लागू है, हम इसकी सराहना करते हैं। उन्होंने कहा कि ये महत्वपूर्ण है कि यह युद्धविराम लागू रहे और द्विपक्षीय समाधान खोजने के लिए बातचीत हो सके। वहीं विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करेगा और परमाणु ब्लैकमेल के आगे कभी नहीं झुकेगा। जर्मनी के विदेश मंत्री जोहान वेडफुल के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में जयशंकर ने यह भी कहा कि भारत पाकिस्तान के साथ पूरी तरह से द्विपक्षीय तरीके से निपटेगा और इस संबंध में किसी को कोई भ्रम नहीं होना चाहिए। विदेश मंत्री जयशंकर वर्तमान में तीन देशों की यूरोप यात्रा के तहत जर्मनी में हैं। उन्होंने कहा, मैं पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत की प्रतिक्रिया के तुरंत बाद बर्लिन आया था। मैं आपको वह बताना चाहता हूं जो मैंने उस संदर्भ में वेडफुल को बताया था। उन्होंने यह भी कहा कि भारत जर्मनी की इस समझ को महत्व देता है कि हर देश को आतंकवाद के खिलाफ खुद का बचाव करने का अधिकार है। उन्होंने साथ ही कहा कि जर्मनी हमारे लिए वास्तव में एक महत्वपूर्ण साझेदार है। हाल के वर्षों में हमारे सहयोग ने कई आयाम हासिल किए हैं और तेजी से आगे बढ़ा है। हम यूरोपीय संघ के साथ भारत के व्यापक संबंधों को आकार देने में जर्मनी की अमूल्य भूमिका को अत्यधिक महत्व देते हैं।

एयरपोर्ट पर यूक्रेन का ड्रोन अटैक

रूस की राजधानी मॉस्को गए भारतीय प्रतिनिधिमंडल का विमान गुरुवार को काफी देर तक आसमान में चक्कर काटता रहा। दरअसल मॉस्को के आसमान में यूक्रेन के ड्रोन मौजूद थे। इस डेलिगशन का नेतृत्व डीएमके सांसद कनिमोझी कर रह थी। रूसी अधिकारियों के मुताबिक, रूसी एयर डिफेंस फोर्स ने रातभर में 105 ड्रोन मार गिराए, जिनमें से 26 मॉस्को की तरफ उड़ रहे थे। मॉस्को के मेयर सर्गेई सोबयानिन ने टेलीग्राम पर बताया कि गिरते मलबे के कारण कुछ जगहों पर नुकसान हुआ है, लेकिन किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

आईएमएफ ने राहत पैकेज देकर पाकिस्तान का किया बचाव कहा- सभी शर्तें की पूरी

वॉशिंगटन, 24 मई (एजेंसियां) ।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने पाकिस्तान को दिए गए बेलआउट पैकेज का बचाव किया है। भारत की आपत्ति के बावजूद आईएमएफ ने पाकिस्तान को एक अरब डॉलर की नई किश्त जारी की थी। आईएमएफ ने कहा कि पाकिस्तान ने इस किश्त को प्राप्त करने के लिए सभी जरुरत लक्ष्यों को पूरा किया है।

भारत ने इस बेलआउट को लेकर चिंता जताई थी, जिसमें उसने कहा था कि पाकिस्तान इस तरह के कर्ज का इस्तेमाल आतंकवाद को बढ़ावा देने के लिए कर सकता है। भारत ने आईएमएफ से आग्रह किया था कि वह पाकिस्तान को 2.1 अरब डॉलर के राहत पैकेज पर पुनर्विचार करे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी इस सहायता को आतंक को परोक्ष रूप से वित्तपोषण करार दिया था। पाकिस्तान को यह राशि आईएमएफ के विस्तारित निधि सुविधा कार्यक्रम के तहत दो किस्तों में जारी की गई है। दोनों के बीच पिछले साल 7 अरब डॉलर का समझौता हुआ था।

आईएमएफ ने कहा कि उसका बोर्ड इस बात से संतुष्ट है कि पाकिस्तान ने फंडिंग के लिए तय सभी शर्तों को पूरा किया है। कुछ सुधारों में प्रगति भी हुई है और इसी आधार पर कार्यक्रम को मंजूरी दी गई। आईएमएफ की फंडिंग केवल भुगतान संतुलन की समस्याओं को हल करने के लिए है। पाकिस्तान को दी गई सभी ईएफएफ राशि सीधे केंद्रीय बैंक के भंडार में जाती है। इन फंडों का इस्तेमाल सरकारी बजट के लिए नहीं किया जाता। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि ईएफएफ के पहले रिव्यू के लिए मार्च 2025 में स्टाफ स्तर पर पाकिस्तान और आईएमएफ के बीच समझौता हुआ था, जिसे 9 मई को आईएमएफ के कार्यकारी बोर्ड ने मंजूरी दी। इसके बाद पाकिस्तान को यह किश्त जारी की गई।

आईएमएफ ने पाकिस्तान के लिए अपने बेलआउट प्रोग्राम की अगली किश्त के लिए 11 नई शर्तें जोड़ी हैं, जिससे कुल शर्तों की संख्या 50 हो गई है। इनमें 17.6 ट्रिलियन रुपए के नए बजट को संसद से पारित कराना, बिजली बिलों पर कर्ज सेवा अधिभार बढ़ाना, और तीन साल से अधिक पुराने इस्तेमालशुदा वाहनों के आयात पर से प्रतिबंध हटाना शामिल है। एक अन्य शर्त के मुताबिक पाकिस्तान सरकार को 2027 के बाद की वित्तीय रणनीति का विस्तृत खाका तैयार कर उसे प्रकाशित करना होगा। साथ ही, कैप्टिव पावर लेवी ऑर्डिनेंस को स्थायी कानून में बदलने के लिए इस महीने के अंत तक संसद से विधेयक पारित कराना होगा।

भारत ने आईएमएफ की कार्यकारी बोर्ड की बैठक में मतदान से परहेज किया था, जहां पाकिस्तान के लिए 1 बिलियन डॉलर की किश्त को मंजूरी दी गई थी। भारत ने पाकिस्तान के आईएमएफ ऋणों के दुरुपयोग के इतिहास और बार-बार बेलआउट पर निर्भरता पर सवाल उठाए थे।

हार्वर्ड विश्वविद्यालय को संघीय अदालत से अस्थायी राहत

वॉशिंगटन, 24 मई (एजेंसियां) ।

हार्वर्ड विश्वविद्यालय के विदेशी विद्यार्थियों के सपने को टूटने से फिलहाल अमेरिका की संघीय अदालत ने बचा लिया। संघीय अदालत ने शुक्रवार को ट्रंप प्रशासन के हार्वर्ड विश्वविद्यालय की अंतरराष्ट्रीय छात्रों को दाखिला देने की पात्रता को रद्द करने के गुरुवार के फैसले पर अस्थायी रोक लगा दी। हार्वर्ड विश्वविद्यालय ने ट्रंप प्रशासन के फैसले के खिलाफ संघीय अदालत का दरवाजा खटखटाया। हार्वर्ड ने कहा यह कदम प्रथम संशोधन, उचित प्रक्रिया खंड और प्रशासनिक प्रक्रिया अधिनियम का स्पष्ट उल्लंघन है।

यूएस जिला न्यायाधीश एलिसन डी. बरोज ने हार्वर्ड विश्वविद्यालय को राहत देते हुए ट्रंप प्रशासन के फैसले पर अस्थायी रोक लगाते हुए अगली सुनवाई मंगलवार सुबह निर्धारित की। हार्वर्ड विश्वविद्यालय के अध्यक्ष एलन गार्बर ने शुक्रवार दोपहर विश्वविद्यालय के विद्यार्थी

निकाय को भेजे गए पत्र में संघीय न्यायाधीश के आदेश को हमारे अंतरराष्ट्रीय छात्रों और विद्वानों के अधिकारों और अवसरों की रक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण कदम कहा।

सर्वेक्षण में अधिकांश अमेरिकियों (66 प्रतिशत) ने इस टकराव में हार्वर्ड का पक्ष लिया। 32 प्रतिशत लोगों ने ट्रंप प्रशासन का पक्ष लिया। यह सर्वेक्षण हार्वर्ड विश्विद्यालय को अंतरराष्ट्रीय छात्रों को प्रवेश देने से रोकने के प्रशासन के कदम से पहले किया गया। सनद रहे कुछ समय से चल रहे टकराव के बाद ट्रंप प्रशासन ने गुरुवार को हार्वर्ड विश्वविद्यालय की अंतरराष्ट्रीय छात्रों को दाखिला देने की पात्रता को रद्द कर दिया था। सीएनएन चैनल की खबर में कहा गया था कि हार्वर्ड विश्वविद्यालय को ट्रंप प्रशासन की नीतिगत मांगों के आगे झुकने से इनकार करने की कड़ी सजा मिली है। अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग ने कहा था, हार्वर्ड अब विदेशी छात्रों को दाखिला नहीं दे सकता है और मौजूदा विदेशी छात्रों को स्थानांतरित होना होगा या अपनी कानूनी स्थिति खोनी होगी।

व्हाइट हाउस ने ट्रंप प्रशासन के फैसले का बचाव करते हुए कहा था ,विदेशी छात्रों का नामांकन एक विशेषाधिकार है। वह अधिकार नहीं है। साथ ही हार्वर्ड अपनी महानता खो चुका है। परिसर अमेरिका विरोधी, यहूदी विरोधी और आतंकवाद समर्थक आंदोलनकारियों का अड्डा बन गया है।

व्हाइट हाउस की प्रवक्ता अबीगैल जैक्सन ने बयान में कहा, हार्वर्ड देश के छात्रों पर नकारात्मक प्रभाव डालने वाली गतिविधियों को बंद नहीं करा पाया है। अब उसे इस ढिलाई की कीमत तो चुकानी ही होगी।

हार्वर्ड विश्वविद्यालय ने ट्रंप प्रशासन की तीखी आलोचना की थी। विश्वविद्यालय के प्रवक्ता जेसन न्यूटन ने फैसले को गैरकानूनी बताया था। उन्होंने बयान में कहा था कि विश्वविद्यालय 140 से अधिक देशों से आने वाले छात्रों और विद्वानों की मेजबानी करने के लिए प्रतिबद्ध है। ट्रंप प्रशासन की प्रतिशोधात्मक कार्रवाई हार्वर्ड समुदाय और अमेरिका को गंभीर नुकसान पहुंचा सकती है। उन्होंने कहा कि इस समय विश्वविद्यालय में 9,970 विदेशी छात्र पढ़ रहे हैं। 2024-25 शैक्षणिक वर्ष में 6,793 अंतरराष्ट्रीय छात्रों का नामांकन हुआ है।

ईसी की पहल : अब मतदान केंद्र के बाहर मोबाइल जमा कर सकेंगे वोटर

प्रचार नियमों में भी बड़े बदलाव

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)। मतदान दिवस की गतिविधियों को सुव्यवस्थित करने और मतदाताओं की सुविधा बढ़ाने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) ने मतदाताओं के लिए मोबाइल फोन जमा करने की सुविधा को सुविधाजनक बनाने और मतदान केंद्रों के पास प्रचार मानदंडों को तर्कसंगत बनाने पर केंद्रित दो व्यापक निर्देश जारी किए हैं। ये कदम कानूनी अनिवार्यताओं का पालन करते हुए चुनावी प्रक्रियाओं को आधुनिक बनाने के आयोग के चल रहे प्रयासों का हिस्सा हैं। शहरी और ग्रामीण दोनों जनसांख्यिकी में मोबाइल फोन के व्यापक उपयोग को देखते हुए

और मतदान के दौरान अपने फोन को संभालने में वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं और विकलांग व्यक्तियों (पीडब्ल्यूडी) सहित विभिन्न समूहों द्वारा सामना की जाने वाली कठिनाइयों को देखते हुए - ईसीआई ने निर्देश दिया है कि मतदान केंद्रों के ठीक बाहर मोबाइल जमा करने की सुविधा स्थापित की जाए। नए दिशा-निर्देशों के तहत, मतदाताओं को मतदान केंद्रों के प्रवेश द्वार के पास रखे गए साधारण पिजनहोल बॉक्स या जूट बैग में अपने मोबाइल फोन जमा करने होंगे। महत्वपूर्ण बात यह है कि किसी भी मतदान केंद्र के 100 मीटर के भीतर मोबाइल फोन को बंद कर देना चाहिए और उसे अंदर नहीं ले जाना चाहिए।

हालांकि, रिटर्निंग अधिकारियों को स्थानीय चुनौतियों के मद्देनजर कुछ मतदान केंद्रों को इस नियम से छूट देने का अधिकार दिया गया है। चुनाव आयोग ने दोहराया कि चुनाव संचालन नियम, 1961 के नियम 49एम, जो मतदान की गोपनीयता सुनिश्चित करता है, का सख्ती से पालन किया जाता रहेगा।

चुनाव के दिन रसद बढ़ाने की एक समानांतर पहल में, आयोग ने प्रचार के लिए अनुमेय मानदंडों को भी युक्तिसंगत बनाया है। मतदान केंद्र के प्रवेश द्वार के 100 मीटर के दायरे में अब चुनाव प्रचार पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। यह मतदान स्थल के करीब मतदाताओं पर किसी भी तरह के प्रभाव के खिलाफ एक सख्त रुख को दर्शाता है। अनौपचारिक मतदाता पहचान पर्चियां देने वाले अभियान बूथ अब केवल 100 मीटर की सीमा से आगे ही स्थापित किए जा सकते हैं, जिससे कम दखलंदाजी और अधिक व्यवस्थित मतदान वातावरण सुनिश्चित होगा।

ये उपाय जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 और चुनाव संचालन नियम, 1961 के प्रावधानों के अनुरूप हैं। वे मतदाता सुविधा को चुनावी कानून के सख्त पालन के साथ संतुलित करने के लिए आयोग की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी के साथ नए निर्देश जारी किए गए। आयोग ने भारत के विशाल मतदाताओं के लिए सुविधाओं को लगातार उन्नत करते हुए स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव कराने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

सुरक्षा चिंताओं के चलते भद्रवाह में 37 मोबाइल टावर 27 मई तक निलंबित

जम्मू, 24 मई (ब्यूरो)। जम्मू कश्मीर गृह विभाग ने डोडा जिले के भद्रवाह क्षेत्र में 37 दूरसंचार टावरों पर मोबाइल डेटा सेवाओं को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है। यह बंद 27 मई तक प्रभावी रहेगा। सरकारी आदेश संख्या गृह-12 (टीएसटीएस) 2025 के तहत जारी और प्रमुख सचिव चंद्रकेर भारती द्वारा हस्ताक्षरित यह आदेश जम्मू क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) के पहले के निर्देशों की पुष्टि करता है। ये निर्देश दूरसंचार सेवा नियम, 2024 के अस्थायी निलंबन के तहत जारी किए गए थे, जो अधिकृत अधिकारी को राष्ट्रीय सुरक्षा और सार्वजनिक शांति के लिए संवेदनशील स्थितियों में तत्काल कार्रवाई करने की अनुमति देता है।

गृह विभाग के अनुसार, अस्थायी दूरसंचार बंद से 2-जी, 3-जी, 4-जी, 5-जी और सार्वजनिक वाई-फाई सुविधाओं सहित सभी मोबाइल डेटा सेवाएं प्रभावित होंगी। आदेश में इन सेवाओं का राष्ट्र-विरोधी तत्वों और बदमाशों द्वारा दुरुपयोग किए जाने की संभावना का हवाला दिया गया है, जिससे संभावित रूप से क्षेत्र में सार्वजनिक व्यवस्था बिगड़ सकती है। प्रारंभिक निलंबन 22 मई को रात 8 बजे आईजीपी जम्मू के आदेश संख्या 675 (टीएसटीएस) 2025 के बाद लागू किया गया था। एक सहायक संचार-

पत्र संख्या जेजेड/सीएस/स्नैप-डाउन/2025/678-79- ने संवेदनशील अवधि के दौरान अप्रतिबंधित मोबाइल डेटा एक्सेस से उत्पन्न आसन्न खतरे को रेखांकित किया।

सरकार ने स्पष्ट किया कि स्थिति की तात्कालिकता और गंभीर प्रकृति के कारण इस मामले में सक्षम प्राधिकारी से पूर्व अनुमोदन की आवश्यकता नहीं थी। यह कदम नए दूरसंचार अधिनियम, 2023 के तहत कानूनी प्रावधानों पर आधारित है, जिसे 2024 के निलंबन नियमों के साथ जोड़ा गया है। प्रभावित दूरसंचार सेवा प्रदाताओं (टीएसपी) और इंटरनेट सेवा प्रदाताओं (आईएसपी) को निर्देश दिया गया है कि वे निर्दिष्ट पूरी अवधि के लिए आदेश का अनुपालन सुनिश्चित करें।

सीबीआई की बड़ी कामयाबी

अंगद सिंह चंडोक को अमेरिका से भारत प्रत्यर्पित किया गया

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय जांच ब्यूरो यानी कि सीबीआई ने एक बड़े ऑनलाइन धोखाधड़ी मामले में कुख्यात अपराधी अंगद सिंह चंडोक को अमेरिका से भारत प्रत्यर्पित करने में सफलता हासिल की है। भारतीय नागरिक अंगद सिंह चंडोक पर आरोप है कि उसने शेल कंपनियों का जाल बनाकर ऑनलाइन टेक सपोर्ट घोटाले के जरिए अमेरिकी नागरिकों से लाखों डॉलर की चोरी की। बताया जाता है कि उसने धोखाधड़ी से कमाए गए इन पैसों को शेल कंपनियों के माध्यम से भारत और अन्य देशों में ट्रांसफर किया था। सीबीआई ने चंडोक को भारत लाने में काफी मेहनत की है।

अमेरिकी न्याय विभाग ने मार्च 2022 में जारी एक प्रेस स्टेटमेंट

में बताया था कि चंडोक को अमेरिकी वरिष्ठ नागरिकों के साथ धोखाधड़ी के मामले में दोषी ठहराया गया है। अमेरिकी अदालत ने उसे इस अपराध के लिए 6 साल की सजा सुनाई थी। चंडोक की इस धोखाधड़ी योजना में मुख्य रूप से वरिष्ठ नागरिकों को निशाना बनाया गया, जिन्हें फर्जी टेक सपोर्ट सेवाओं के नाम पर ठगा गया।

सीबीआई ने चंडोक को भारत प्रत्यर्पित करने के लिए अमेरिकी अधिकारियों के साथ मिलकर एक लंबी और जटिल कानूनी प्रक्रिया का पालन किया। कई वर्षों की कानूनी लड़ाई के बाद आखिरकार सीबीआई ने उसे भारत लाने में सफलता प्राप्त की।

अब भारत में चंडोक को अदालत में पेश किया जाएगा, जहां सीबीआई उसकी हिरासत की मांग करेगी ताकि मामले की गहन जांच और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा सके। बता दें कि इस प्रत्यर्पण को सीबीआई के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है, क्योंकि यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर साइबर अपराध और वित्तीय धोखाधड़ी के खिलाफ भारत की मजबूत कार्रवाई को दिखाता है। भारत में साइबर क्राइम के मामले सामने आते रहे हैं और देश की कानून प्रवर्तन एजेंसियां आरोपियों पर लगातार कार्रवाई करती रहती हैं।

विदाई भाषण में न्यायमूर्ति ओका ने उच्चतम न्यायालय पर कई गंभीर सवाल उठाये, बोले

उच्चतम न्यायालय ''प्रधान न्यायाधीश केंद्रित अदालत''

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)। क्या उच्चतम न्यायालय में सभी न्यायाधीशों का आपस में बेहतर समन्वय है? यह सवाल हम इसलिए कर रहे हैं क्योंकि न्यायमूर्ति अभय एस ओका ने शुक्रवार को उच्चतम न्यायालय को ''प्रधान न्यायाधीश केंद्रित अदालत'' बताया और इसकी संरचना में देश के विभिन्न क्षेत्रों से 34 न्यायाधीशों के आने के मद्देनजर इसमें बदलाव की वकालत की है। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में न्यायमूर्ति ओका ने कहा कि उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालयों ने निचली तथा जिला अदालतों की उपेक्षा की है, जो न्यायपालिका की रीढ़ हैं। उन्होंने कहा कि निचली अदालतों में बहुत अधिक मामले लंबित हैं और कुछ मामले तो 30 साल से लंबित हैं। न्यायमूर्ति ओका ने

अपनी विदाई के लिए आयोजित कार्यक्रम में कहा, ''उच्च न्यायालय, उच्चतम न्यायालय की तुलना में अधिक लोकतांत्रिक तरीके से काम करते हैं, क्योंकि वहां पांच न्यायाधीशों की एक प्रशासनिक समिति होती है। प्रशासनिक समिति द्वारा प्रमुख निर्णय लिये जाते हैं। पिछले कुछ वर्षों में मैंने पाया है कि शीर्ष अदालत प्रधान न्यायाधीश केंद्रित न्यायालय है और मुझे लगता है कि हमें इसमें बदलाव करने की जरूरत है।'' न्यायाधीश ने कहा, ''उच्चतम न्यायालय 34 न्यायाधीशों की अदालत है। वे देश के विभिन्न क्षेत्रों से आते हैं। इसलिए प्रधान न्यायाधीश केंद्रित अदालत की छवि को बदलने की जरूरत है।''

हम आपको यह भी बता दें कि इससे पहले शुक्रवार को ही दिन में, न्यायमूर्ति ओका ने कहा था कि उच्चतम न्यायालय एक ऐसी अदालत है, जो संवैधानिक स्वतंत्रता को कायम रख सकती है और यही संविधान निर्माताओं का सपना था। वकीलों, बार नेताओं, प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति एजी मसीह की सराहना पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए न्यायमूर्ति ओका ने कहा, ''मुझे स्वीकार करना होगा कि पिछले एक घंटे और 20 मिनट में जो कुछ कहा गया है, उसे सुनने के बाद मैं निःशब्द हूं और शायद आज मेरे पेशेवर जीवन का पहला और आखिरी दिन है, जब मैंने किसी को बोलने से नहीं रोका, क्योंकि मैं रोक नहीं सकता था। मैंने बार के सदस्यों द्वारा मेरे प्रति इतना प्यार और स्नेह देखा है कि मैं निःशब्द हो गया।''

दिन में, एससीबीए के समारोह के दौरान न्यायमूर्ति ओका ने कहा कि चयनित मामलों को ''सूचीबद्ध करने में मैनुअल हस्तक्षेप कम किया जाना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''लोग शिकायत करते हैं कि कुछ मामले अगले दिन क्यों सूचीबद्ध होते हैं और अन्य मामले काफी दिनों के बाद भी क्यों लंबित रहते हैं। जब तक हम मैनुअल हस्तक्षेप को बहुत कम नहीं कर देते, हम बेहतर लिस्टिंग (सूचीबद्ध) नहीं कर सकते। हमारे पास कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) तकनीक और अन्य सॉफ्टवेयर हैं, जो मामलों को तर्कसंगत तरीके से सूचीबद्ध करने में मदद कर सकते हैं।'' न्यायमूर्ति ओका ने कहा कि अपने दो दशक से अधिक के कॅरियर में उन्होंने कभी भी असहमति वाला फैसला नहीं सुनाया।

उन्होंने कहा, ''अपने पूरे कार्यकाल के दौरान मैंने कभी भी असहमति वाला फैसला नहीं सुनाया। न ही मेरे सहकर्मियों ने असहमति जताई। केवल दो दिन पहले एक अपवाद हुआ।'' न्यायाधीश ने यह भी स्पष्ट किया कि वे सेवानिवृत्ति के तुरंत बाद साक्षात्कार नहीं देंगे और उन्हें प्रेस से बात करने के लिए कुछ समय चाहिए होगा। न्यायमूर्ति ओका ने कहा, ''मैंने यह फैसला किया है

वीरता का प्रमाणपत्र सांसद के पास

पहलगाम हमले पर जांगड़ा का बयान-अगर महिलाएं वीरांगना होतीं, तो 26 लोग न मरते

भिवानी, 24 मई (एजेंसियां)। 22 अप्रैल की वो काली शाम, जब पहलगाम की बायसरन घाटी में टूरिस्टों पर बरसी आतंक की गोलियां... 26 मासूमों की जान गई, देश सदमे में डूबा, और सेना ने पीओके में जाकर इसका जवाब भी दिया। लेकिन अब, घटना के एक महीने बाद, हरियाणा से राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा ने ऐसा बयान दे डाला, जिससे न सिर्फ जख्म हरे हो गए, बल्कि शोक की भावना पर भी सवाल खड़े हो गए। सुहाग खोने वाली महिलाओं में वीरता नहीं थी... इस एक लाइन में सांसद जी ने संवेदना, सम्मान और समझ - तीनों को एक झटके में रौंद डाला। उन्होंने कहा, अगर महिलाओं में वीरांगना जैसा जोश होता, तो इतनी मौतें नहीं होतीं। यानी जो महिलाएं अपने पतियों को खो चुकी हैं, वो शायद और बहादुरी से पेश आतीं, तो

कुछ बच सकता था। ये वो वक्त है जब देश उम्मीद करता है कि नेता मरहम बनें, मगर बयान आग बन गया। किसी की विधवा को साहस की परिभाषा समझाना, क्या सत्ता की संवेदनहीनता का नया चेहरा है?

सांसद जी ने अपने भाषण में ये भी जोड़ा कि अगर यात्री प्रधानमंत्री की 'अग्निवीर योजना' के तहत ट्रेनिंग लेकर आए होते, तो आतंकियों को घेर लेते। यानी टूरिस्ट अब बंदूक के साए में ही घाटी की खूबसूरती निहारें! यह सुझाव जितना हास्यास्पद है, उतना ही असंवेदनशील भी।

क्या अब हर पर्यटक को सेना जैसी ट्रेनिंग दी जाएगी? और जब कोई ट्रेनिंग लेकर भी शहीद हो जाए, तब भी क्या उसकी शहादत को इसी तरह तोला जाएगा?

क्या वीरता केवल हथियार उठाना है? क्या अपने पति, भाई, बेटे को खोकर रोने वाली स्त्रियों की पीड़ा को 'कमजोरी' समझा जाए? क्या आंसू बहाना अब 'कायरता' हो गया? क्या संवेदना पर बयानबाजी का अधिकार सांसदों को संसद देता है? क्या देश की असली ताकत जनता के संयम और सैनिकों की निस्वार्थ शहादत नहीं है?

सरकार ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए पीएफ जमा पर 8.25 प्रतिशत ब्याज दर को दी मंजूरी

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)। केंद्र ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए कर्मचारी भविष्य निधि (पीएफ) जमा पर 8.25 प्रतिशत ब्याज दर को मंजूरी दे दी है। यह ब्याज दर पिछले वित्त वर्ष के समान ही रखी गई है। फरवरी में, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने वित्त वर्ष 2025 के लिए कर्मचारी भविष्य निधि जमा पर ब्याज दर को 8.25 प्रतिशत पर बरकरार रखने की घोषणा की थी। राष्ट्रीय राजधानी में एक बैठक में ईपीएफओ के सेंट्रल बोर्ड ऑफ ट्रस्टी ने यह निर्णय लिया।

वित्त मंत्रालय ने अब वित्त वर्ष 2025 के लिए कर्मचारियों के पीएफ पर 8.25 प्रतिशत ब्याज दर को मंजूरी दे दी है।

विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार, इस सप्ताह श्रम मंत्रालय की ओर से एक अधिसूचना

भी सेवानिवृत्ति निधि निकाय को भेजी गई है।

2024-25 के लिए ईपीएफ पर ब्याज दर ईपीएफओ सदस्यों के खातों में जमा की जाएगी।

ईपीएफओ ने इससे पहले अपने 7 करोड़ सदस्यों के लिए ईपीएफ पर ब्याज दर को 2022-23 में 8.15 प्रतिशत से बढ़ाकर 2023-24 के लिए 8.25 प्रतिशत कर दिया था।

इस बीच, ईपीएफओ ने मार्च में 14.58 लाख नेट मेंबर जोड़े और मार्च 2024 की तुलना में नेट पेरोल एडिशन में 1.15 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की

पीएफ संगठन ने मार्च 2025 में लगभग 7.54 लाख नए ग्राहक नामांकित किए, जो फरवरी की तुलना में 2.03 प्रतिशत की वृद्धि और मार्च 2024 की तुलना में सालाना आधार पर 0.98 प्रतिशत वृद्धि दर्शाता है।

श्रम मंत्रालय के अनुसार, नए ग्राहकों की वृद्धि का श्रेय बढ़ते रोजगार अवसरों, कर्मचारी लाभों के बारे में बढ़ती जागरूकता और ईपीएफओ के सफल आउटरीच कार्यक्रमों को दिया जा सकता है।

आंकड़ों का एक महत्वपूर्ण पहलू 18-25 आयु वर्ग का प्रभुत्व है, क्योंकि 18-25 आयु वर्ग में 4.45 लाख नए ग्राहक जोड़े गए, जो मार्च 2025 में जोड़े गए कुल नए ग्राहकों का 58.94 प्रतिशत है।

इसके अलावा, मार्च में 18-25 आयु वर्ग के लिए नेट पेरोल एडिशन लगभग 6.68 लाख था, जो मार्च 2024 में पिछले वर्ष की तुलना में 6.49 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है।

सीआईएसएफ के जवानों के शहीद होने पर मिलेंगे 1 करोड़

एसबीआई के साथ एमओयू हुआ साइन

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)। सीआईएसएफ बल के सदस्यों के कल्याण को सशक्तबनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) ने केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस वेतन पैकेज (सीएपीएसपी) के तहत सेवारत और सेवानिवृत्त सीआईएसएफ कर्मियों के वेतन खातों के प्रबंधन के लिए भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए. राजधानी दिल्ली में आयोजित इस समझौते को औपचारिक रूप दिया गया। जहां सीआईएसएफ की ओर से रेखा नांबियार, उप महानिरीक्षक/

प्रशासन और सुश्री रंजना सिन्हा, महाप्रबंधक (एनआरआई और एसपी),एसबीआई कॉरपोरेट सेंटर, मुंबई द्वारा तीन वर्षों की अवधि के लिए प्रभावी इस समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते में सीआईएसएफ कर्मियों के लिए कई तरह के बढ़े हुए वित्तीय लाभ शामिल किए गए हैं, जो सीआईएसएफ द्वारा अपने सदस्यों के कल्याण और वित्तीय सुरक्षा के लिए जारी प्रतिबद्धता में एक प्रमुख मील का पत्थर साबित होगा।

समझौते के अनुसार व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा (पीएआई) (सेवारत) के तहत पहले 50 लाख रुपए मिलते थे अब इसे बढ़ाकर 1 करोड़ रुपए कर दिया गया है। इसके अलावा पीएआई (पेंशनर) को 30 लाख के बजाए अब 50 लाख रुपए मिलेंगे। जबकि हवाई दुर्घटना 1 करोड़ रुपए से बढ़कर 1.5 करोड़ (शर्त के साथ) हो गया है. स्थायी पूर्ण विकलांगता कवर 50 लाख रुपए से बढ़कर 1 करोड़ रुपए कर दिया गया है। स्थायी आंशिक विकलांगता कवर को भी 50 लाख से 1 करोड़ रुपए कर दिया गया है।

नेशनल ब्रदर्स डे : करण अर्जुन से लेकर रक्षा बंधन तक भाई-बहन के अटूट रिश्ते को दर्शाती 5 फ़िल्में

नेशनल ब्रदर्स डे भाई-बहनों के बीच अटूट रिश्ते को मनाने का सबसे खास समय है। चाहे वो टीवी का रिमोट हो या मिठाई का बड़ा टुकड़ा, भाई-बहन की नोकझोंक के बावजूद, ये रिश्ता वक्त की सबसे बड़ी कसौटियों पर भी खरा उतरता है। बॉलीवुड ने हमेशा ऐसे किस्से गढ़े हैं जिन्होंने हमें हंसाया, रुलाया और ये यकीन दिलाया कि एक ऐसा भाई होना कितना खास है जो हर हाल में हमारे साथ खड़ा हो। इस मौके पर, पेश हैं पांच ऐसी फिल्में जिनके ऑन-स्क्रीन भाइयों को हम हकीकत में भी पाना चाहते!

करण अर्जुन –भाईचारे के प्यार की कालातीत कहानी जो मौत जैसी सच्चाई को भी मात दे दी। करण अर्जुन एक आइकॉनिक फिल्म थी! शाहरुख खान और सलमान खान की जोड़ी ने पुनर्जन्म लेकर अपने परिवार के सम्मान का बदला लिया। राखी गुलज़ार का वो डायलॉग – मेरे करण अर्जुन आएंगे – आज भी दर्शकों के दिल में गूंजता है। इस फिल्म ने साबित किया कि सच्चे भाईचारे का रिश्ता इतना मजबूत होता है कि उसे मौत भी तोड़ नहीं सकती।

कभी खुशी कभी ग़म – करण जौहर की इस बेहतरीन पारिवारिक ड्रामा में ऋतिक रोशन और शाहरुख खान के बीच भाईयों के रिश्ते को दिखाया गया है, जो दशकों तक अलग रहते हैं, लेकिन उनका रिश्ता कभी नहीं टूटता। घ3ऋ सम्मान, पारिवारिक मूल्यों और ऋतिक रोशन के मामले में, अपने भाई से फिर से मिलने और फिर अपने पूरे परिवार को फिर से मिलाने के लिए उन्होंने जो कुछ भी किया, उस पर आधारित थी। यह फिल्म एक बड़ी सफलता थी और इसे 'टाइमलेस क्लासिक' का दर्जा मिला, क्योंकि यह आज भी कई पीढ़ियों के दर्शकों को पसंद आती है।

रक्षा बंधन – अक्षय कुमार एक ऐसे बड़े भाई की भूमिका में हैं जो अपनी बहनों की खुशी को हर चीज से ऊपर रखता है। छोटे शहर की भावनाओं को बड़े पर्दे पर लाने के लिए मशहूर आनंद एल राय द्वारा निर्देशित, यह फिल्म एक प्यार करने वाले भाई और उसकी बहनों के बीच के रिश्ते के खूबसूरत सार को दर्शाती है। यह फिल्म भाई-बहन के रिश्ते के उस अनकहे प्यार और समर्पण को बयां करती है, जो 'रक्षाबंधन' की असली भावना है – रक्षा, बलिदान और बिना शर्त प्यार।

अग्निपथ – विजय दीनानाथ चौहान के रूप में ऋतिक रोशन के दमदार अभिनय ने एक बड़े भाई की अपने छोटी बहन के प्रति सुरक्षात्मक प्रवृत्ति को उजागर किया, जो मुस्किल में फंस जाती है। फिल्म का भावनात्मक केंद्र इस बात के इर्द-गिर्द घूमता है कि एक भाई अपने परिवार के सम्मान की रक्षा और अपनी बहन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए किस हद तक जा सकता है, जिससे यह बलिदान और सम्मान की एक मनोरंजक कहानी बन जाती है।

ब्रदर्स – अक्षय कुमार और सिद्धार्थ मल्होत्रा की यह फिल्म दो बिछड़े भाइयों की इंटेंस और संवेदनशील कहानी है। चच- की पृष्ठभूमि में बनी इस फिल्म में पारिवारिक त्रासदी और दर्द को दिखाया गया है जिसने दोनों भाइयों को एक-दूसरे से दूर कर देता है, लेकिन अंत में वही दर्द उन्हें फिर से जोड़ता है। यह फिल्म क्षमा, समझ और पुनर्मिलन का भावनात्मक चित्रण को दर्शाता है।

बॉलीवुड ने बार-बार दिखाया है कि भाई-बहन का रिश्ता सबसे मजबूत और टिकाऊ रिश्तों में से एक है। इस नेशनल ब्रदर्स डे पर, ये सिनेमाई रत्न हमें याद दिलाते हैं कि भाई वाकई जीवन के सबसे बड़े वरदानों में से होते हैं।

जैकलीन फर्नांडीज ने कान्स में जेसिका अल्बा से मुलाकात की

अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज ने खांटी फैन होने का प्रमाण अपनी सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दिया है। उन्होंने कान्स फिल्म फेस्टिवल में पसंदीदा कलाकार जेसिका अल्बा के साथ खींची गई तस्वीर साझा की। भारतीय अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर बताया कि जेसिका अल्बा से मिलकर वह बहुत हैरान और खुश हो गईं। उन्होंने जेसिका अल्बा, फ्रांसीसी अभिनेत्री जूलियट बिनोचे और सऊदी अरब के फिल्म निर्माता मोहम्मद अल तुर्की के साथ कई तस्वीरें भी शेयर कीं। उन्होंने कैप्शन में लिखा: अपने सभी पसंदीदा सितारों से मिलना और इतने खास इवेंट का हिस्सा बनना किसी सपने जैसा था। यह सब रेड सी की वजह से मुमकिन हुआ! मुझे सम्मान के साथ दुनिया भर की शानदार महिला कलाकारों से मिलने और फिल्मों के भविष्य पर बात करने का मौका मिला। हम सभी अलग-अलग तरीके से कहानियां सुनाने का एक जैसा जुनून रखते हैं! अभिनेत्री ने कहा कि यह अनुभव उन्हें बहुत प्रेरणा देने वाला लगा।

उन्होंने लिखा, मैं खुद को बहुत प्रेरित महसूस कर रही हूं। अब मैं और आगे बढ़ना और नई चीजें सीखना चाहती हूं। इतनी शानदार और खूबसूरत महिलाओं के साथ मुझे यह मौका देने के लिए रेड सी फिल्म का बहुत धन्यवाद। मैं अब भी हैरान हूं!रेड सी फिल्म फेस्टिवल का मकसद कान्स फिल्म फेस्टिवल के साथ मिलकर अलग-अलग देशों की संस्कृति और रचनात्मक कामों को बढ़ावा देना है। जैकलीन भी इस फेस्टिवल में कई फिल्म निर्माताओं, कहानीकारों और दुनिया भर की मशहूर हस्तियों के साथ रेड कार्पेट पर नजर आएंगी। रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ने हर साल होने वाले 'वुमेन इन सिनेमा' कार्यक्रम के लिए सात खास महिलाओं के नाम घोषित किए हैं। यह कार्यक्रम फिल्म इंडस्ट्री में काम करने वाली महिला फिल्म निर्माताओं, कलाकारों, लेखकों और अन्य प्रोफेशनल्स के योगदान को सम्मान देने के लिए होता है। डेडलाइन डॉट कॉम की रिपोर्ट के मुताबिक, इस समारोह में जिन सात महिलाओं को सम्मानित किया जाएगा, उनमें जाम्बिया और वेल्स की लेखक-निर्देशक रुंगानो न्योनी, दक्षिण एशियाई अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज, मिस्र की अभिनेत्री अमीना खलील, सऊदी अभिनेत्री एल्हम अली, थाई अभिनेत्री एंगफा वराहा, सीरिया की फिल्म निर्माता गया जीजी और सऊदी फिल्म निर्माता व कलाकार सारा तैबा शामिल हैं।जैकलीन इन दिनों 'हाउसफुल 5' को लेकर सुर्खियों में हैं। इस फिल्म को तरुण मनसुखानी ने डायरेक्ट किया है और साजिद नाडियाडवाला ने अपने प्रोडक्शन हाउस नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट के तहत बनाया है। यह फिल्म 6 जून को रिलीज होगी। 'हाउसफुल' फिल्म की पहली फिल्म 2010 में रिलीज़ हुई थी और दूसरी फिल्म 2012 में आई थी।

अभिनेत्री पायल घोष ने तुर्की यात्रा की रद्द, कहा–

पीठ में छुरा घोंपना और पर्यटन एक साथ नहीं चल सकते

अभिनेत्री पायल घोष ने अपनी तुर्की यात्रा को रद्द करने के कारणों का खुलासा किया। उन्होंने कहा कि पीठ में छुरा घोंपना और पर्यटन एक साथ नहीं हो सकते। दरअसल, भारत ने पाकिस्तान में आतंकवादी ठिकानों को नष्ट करने के लिए ऑपरेशन सिंदूर चलाया था। इसके बाद तुर्की और अजरबैजान ने खुलकर पाकिस्तान का समर्थन किया था। इसी वजह से भारतीयों में तुर्की के प्रति नाराजगी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस बयान के संदर्भ में, जिसमें उन्होंने कहा था खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते, पायल ने कहा कि पीठ में छुरा घोंपना और पर्यटन एक साथ नहीं हो सकते। उन्होंने बताया कि उन्हें 30 लाख रुपये का अच्छा ऑफर मिला था, फिर भी उन्होंने तुर्की जाने से साफ इन्कार कर दिया। पायल घोष ने कहा, पैसा देश की इज्जत और गर्व से ऊपर नहीं हो सकता। मैं सबसे पहले एक भारतीय हूं, फिर एक एक्ट्रेस या आर्टिस्ट। जैसे हमारे माननीय प्रधानमंत्री ने कहा था कि खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते, वैसे ही पीठ में छुरा घोंपना और टूरिस्ट विजिट्स और एंटरटेनमेंट एक साथ नहीं हो सकता।पायल घोष ने कहा, अगर तुर्की ने ऐसे अहम वक्त में पाकिस्तान का साथ चुना, तो वे हम भारतीयों से या हमारे टूरिज्म से कमाई की उम्मीद नहीं कर सकते, चाहे वो सेलिब्रिटी के रूप में हो या आम पर्यटक के तौर पर। मैं अपने फैसले को लेकर बिल्कुल स्पष्ट हूं, इसलिए मैंने तुर्की जाने का प्लान रद्द कर दिया। भगवान की कृपा से मुझे जो चाहिए, वह सब मिला है। मैं पैसे के लिए अपने देश को कभी पीछे नहीं रख सकती।

अभिनेता मुकुल देव का निधन

आर... राजकुमार और जय हो जैसी फिल्मों में अपनी दमदार अभिनय के लिए पहचाने जाने वाले अभिनेता मुकुल देव का निधन हो गया है। उनके निधन की खबर से फिल्म और टीवी इंडस्ट्री में शोक की लहर दौड़ गई है। मुकुल देव एक लोकप्रिय और मेहनती कलाकार थे, जिन्होंने अपने करियर में कई फिल्मों और टीवी शोज में काम किया। उन्होंने अपनी प्रतिभा से कई लोगों का दिल जीता था। उन्होंने न केवल मुख्य भूमिकाएं निभाई, बल्कि सहायक भूमिकाओं में भी अपनी छाप छोड़ी। शुक्रवार रात को अभिनेता ने 54 साल की उम्र में अंतिम सांस ली। खबर लिखे जाने तक अभिनेता के निधन के कारणों का पता नहीं चल पाया है। उनकी करीबी दोस्त और एक्ट्रेस दीपशिखा नागपाल ने सोशल मीडिया पर इस खबर की पुष्टि की और इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पुरानी तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, आरआईपी।

उन्हें आखिरी बार हिंदी फिल्म अंत द एंड में देखा गया था। वह अभिनेता राहुल देव के भाई थे। मुकुल देव ने साल 1996 में तनुजा चंद्रा के धारावाहिक मुमकिन के जरिए टीवी इंडस्ट्री में कदम रखा। उस समय महेश भट्ट ने उन्हें देखा और उन्हें साइकोलॉजिकल थ्रिलर दस्तक में सुष्मिता सेन और शरद कपूर के साथ कास्ट किया। उनके काम को लोगों ने काफी सराहा। इसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। वह कई फिल्मों में नजर आए, जिनमें इसकी टोपी उसके सर, मेरे दो अनमोल रतन, किला, वजूद, कोहराम, इत्तेफाक और मुझे मेरी बीवी से बचाओ जैसी फिल्में शामिल हैं।

फिल्मों के साथ-साथ वह टीवी पर काम करते रहे। उन्होंने घरवाली ऊपरवाली, एक टुकड़ा चांद का, कहीं दिया जले कहीं जिया, कुटुंब, 'भाभी', 'कशिश', 'कुमकुम-एक प्यारा सा बंधन और 'शशश.. फिर कोई है' जैसे टीवी शोज का हिस्सा रहे। उन्होंने फियर फैक्टर इंडिया के पहले सीजन को होस्ट भी किया था।

2003 में, मुकुल ने पंजाबी फिल्मों में कदम रखा और फिल्म हवाएं में बब्बू मान और माही गिल के साथ काम किया। उन्होंने कई पंजाबी फिल्में की, जैसे बुर्राह, हीर एंड हीरो, बाज, शरीक, इश्क विच: यू नेवर नो, साका: द मार्टर्स ऑफ ननकाना साहिब, जोरावर, जोरा 10 नंबरिया, डाका, साक और सराभा: क्राई फॉर फ्रीडम।वह दस्तक, किला, वजूद, कोहराम, इत्तेफाक, मुझे मेरी बीवी से बचाओ, यमला पगला दीवाना, सन ऑफ सरदार, आर.. राजकुमार और जय हो जैसी फिल्मों में भी अपनी अभिनय के लिए जाने गए। उन्होंने हिंदी और पंजाबी के अलावा, बंगाली, मलयालम, कन्नड़ और तेलुगु सिनेमा में भी काम किया था। उनके निधन की खबर के बाद से सोशल मीडिया पर उनके साथी और फैंस उन्हें श्रद्धांजलि दे रहे हैं और उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना कर रहे हैं।

एक मॉडल, डांसर और अभिनेत्री हैं आकांक्षा शर्मा, जिन्होंने फिल्म केसरी वीर से बॉलीवुड में रखा कदम

सुनील शेट्टी और विवेक ओबेरॉय की फिल्म केसरी वीर आखिरकार 23 मई को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। यह फिल्म इसलिए खास है, क्योंकि इसके जरिए सूरज पंचोली ने 4 साल बाद बॉलीवुड में वापसी की है।अभिनेत्री आकांक्षा शर्मा भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। उन्होंने इस फिल्म से बॉलीवुड में कदम रखा है। फिल्म में उनकी अदाकारी की तारीफ हो रही है। ऐसे में हर ओर उनकी चर्चा है।आइए जानें आखिर आकांक्षा हैं कौन।आकांक्षा पेशे से एक मॉडल, डांसर और अभिनेत्री हैं।

उन्होंने साल 2020 में आई कन्नड़ फिल्म त्रिविक्रम के जरिए अभिनय की दुनिया में कदम रखा था, जिसमें उनके काम को काफी सराहा गया।अपने शुरुआती दिनों में ही आकांक्षा ने साउथ इंडस्ट्री के बड़े-बड़े कलाकारों के साथ स्क्रीन साझा की है।वह साउथ सुपरस्टार महेश बाबू और बॉलीवुड अभिनेता वरुण धवन के साथ विज्ञापन में भी काम कर चुकी हैं।आकांक्षा को बॉलीवुड में पहचान रैपर बादशाह के सुपरहिट गाने जुगनू से मिली, जिसमें वह बेहतरीन डांस करती दिखीं।इसके अलावा आकांक्षा, टाइगर श्रॉफ के साथ कैसेनोवा और आई एम ए डिस्को डांसर 2.0 जैसे म्यूजिक वीडियो में भी दिखाई दे चुकी हैं।इन दोनों गानों में आकांक्षा और टाइगर की केमिस्ट्री को काफी पसंद किया गया था।बता दें, आकांक्षा सोशल मीडिया पर खूब सक्रिय रहती हैं। उन्हें इंस्टाग्राम पर 10 लाख से ज्यादा लोग फॉलो करते हैं।

टीवी पर जल्द शुरू हो रहा सुपर डांसर सीजन 5

टीवी का पसंदीदा डांस रियलिटी शो सुपर डांसर अपने पांचवें सीजन के साथ लौट रहा है। यह शो बच्चों की डांस प्रतिभा को मंच देता है। अब जब सीजन 5 की तैयारी शुरू हो गई है, तो दर्शकों के बीच उत्सुकता देखने को मिल रही है। इस नए सीजन में 12 बच्चे बतौर कंटेस्टेंट हिस्सा लेंगे। इस शो की जज एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी कुंद्रा, कोरियोग्राफर गीता कपूर और उनके साथ कोरियोग्राफर मर्जी पेस्टनजी होंगे।बता दें कि शिल्पा और गीता पहले भी शो की जज रह चुकी हैं। वहीं, मर्जी इस शो में पहले कई बार गेस्ट के तौर पर शामिल हो चुके हैं, लेकिन इस बार वह शो के नए जज बनकर आएंगे। शो के होस्ट परितोष त्रिपाठी होंगे।शो के बारे में अपनी उत्सुकता साझा करते हुए शिल्पा शेट्टी ने कहा, एक मां का सबसे बड़ा सपना होता है कि उसका बच्चा दुनिया में नाम कमाए।

आज से 3 जून तक रहेगा नौतपा

रोहिणी नक्षत्र में सूर्य के प्रवेश करने से बनता है गर्मी का अनोखा योग

नौतपा तब होता है जब सूर्य रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करता है । यह हर साल आता है और इस दौरान 9 दिनों तक सूर्य देव उग्र रूप में रहते हैं। सूर्य के रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करते ही पृथ्वी का तापमान बढ़ जाता है और भीषण गर्मी का सामना करना पड़ता है। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि सूर्य 25 मई को 3:15 मिनट पर रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करेंगे। इसके बाद नौ दिन का नौतपा रहेगा। इसके साथ ही सूर्य देव 8 जून को 1:04 मिनट तक रोहिणी नक्षत्र में रहेंगे। 8 जून को ही सूर्य देव मृगशिरा नक्षत्र में प्रवेश कर जायेंगे और 15 जून को मिथुन राशि में प्रवेश करेंगे। रोहिणी नक्षत्र में सूर्यदेव के प्रवेश से नौतपा भी प्रारंभ हो जाएंगे। नौतपा से आशय सूर्य का नौ दिनों तक अपने सर्वोच्च ताप में होना है यानि इस दौरान गर्मी अपने चरम पर होती है।

चंद्र देव रोहिणी नक्षत्र के स्वामी हैं, जो शीतलता का कारक हैं, परंतु इस समय वे सूर्य के प्रभाव में आ जाते हैं। जब सूर्य रोहिणी नक्षत्र में 15 दिनों के लिए आता है तो उन पंद्रह दिनों के पहले नौ दिन सर्वाधिक गर्मी वाले होते हैं। इन्हीं शुरुआती नौ दिनों को नौतपा के नाम से जाना जाता है। ज्येष्ठ मास की ग्रीष्म ऋतु में नवतपा को अधिक गर्मी का संकेत माना जाता है। नवतपा शुक्ल पक्ष में आर्द्रा नक्षत्र से 9 नक्षत्रों तक यानी 9 दिनों तक रहता है। यह आवश्यक नहीं है कि नवतपा में अधिक गर्मी हो। आर्द्रा के 10 नक्षत्रों तक, जो सबसे अधिक गर्मी प्राप्त करता है, बाद में सूर्य उस नक्षत्र में 15 दिनों तक रहता है और अच्छी वर्षा होती है। नौतपा की शुरुआत भी रोहिणी नक्षत्र से होगी। नवतपा में तेज हवा के साथ बवंडर और बारिश की संभावना रहती है। नौतपा समय की ग्रह स्थिति तेज हवा, बवंडर और बारिश का संकेत दे रही है। इस बार 25 मई से नौतपा शुरू होंगे और 3 जून तक रहेंगे।

नौतपा कब होगा शुरू

जब सूर्य रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करता है तो ग्रीष्म ऋतु शुरू हो जाती है, जो हर साल 25 मई से 3 जून तक रहती है । इस बार भी सूर्य 25 मई की सुबह 3:15 मिनट पर रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करेगा और 8 जून तक यहीं रहेगा । 8 जून के बाद यह मृगशिरा नक्षत्र में चला जाएगा। सूर्य जितने दिनों तक रोहिणी नक्षत्र में रहता है। पृथ्वी भी उतने ही दिनों तक अत्यधिक गर्मी का अनुभव करती है । ज्योतिष शास्त्र के अनुसार गर्मी का मौसम 9 दिनों तक रहता है। यानी पृथ्वी पर लोगों को 9 दिनों तक अत्यधिक गर्मी का सामना करना पड़ता है ।

प्रभाव

नौतपा के कारण संक्रमण में कमी आयेगी। संक्रमण का असर न्यूनतम होगा। लोगों में अनुकूलता और आरोग्यता भी बढ़ेगी। खगोल विज्ञान के अनुसार इस दौरान धरती पर सूर्य की किरणें सीधी लम्बवत पड़ती हैं। जिस कारण तापमान अधिक बढ़ जाता है। यदि नौतपा के सभी दिन पूरे तपें, तो यह अच्छी बारिश का संकेत होता है।

पौराणिक महत्व

नौतपा का ज्योतिष के साथ-साथ पौराणिक महत्व भी है। ज्योतिष के सूर्य सिद्धांत और श्रीमद् भागवत में नौतपा का वर्णन आता है। कहते हैं जब से ज्योतिष की रचना हुई, तभी से ही नौतपा भी चला आ रहा है। सनातन सस्कृति में सदियों से सूर्य को देवता के रूप में भी पूजा जाता रहा है। नौतपा को लेकर लोक मान्यता है कि नौतपा के सभी दिन पूरे तपें, तो आगे के दिनों में अच्छी बारिश होती है। ज्योतिषों का कहना है कि चंद्रमा जब ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष में आर्द्रा से स्वाति नक्षत्र तक अपनी स्थितियों में हो और इसके साथ ही अधिक गर्मी पड़े, तो वह नौतपा कहलाता है। वहीं अगर सूर्य रोहिणी नक्षत्र में होता है तो उस दौरान बारिश हो जाती है तो इसे रोहिणी नक्षत्र का गलना भी कहा जाता है।

मानसून का गर्भकाल

मान्यता है कि सूर्य की गर्मी और रोहिणी के जल तत्व के कारण यह मानसून का गर्भ आ जाता है और इसी कारण नौतपा को मानसून का गर्भकाल माना जाता है। ऐसे में जब सूर्य रोहिणी नक्षत्र में होता है तो उस समय चंद्रमा नौ नक्षत्रों में भ्रमण करते हैं।

परंपरा

परंरपरा के अनुसार नौतपा के दौरान महिलाएं हाथ पैरों में मेहंदी लगाती हैं। क्योंकि मेहंदी की तासीर ठंडी होने से तेज गर्मी से राहत मिलती है। इन दिनों में पानी खूब पिया जाता है और जल दान भी किया जाता है ताकि पानी की कमी से लोग बीमार न हो। इस तेज गर्मी से बचने के लिए दही, मक्खन और दूध का उपयोग ज्यादा किया जाता है। इसके साथ ही नारियल पानी और ठंडक देने वाली दूसरी और भी चीजें खाई जाती हैं।

क्या करें और क्या न करें

ग्रहों और नक्षत्रों के प्रभाव में नवत्पा 25 मई से शुरू हो रहा है। नौतपा के दिनों में विवाह जैसी मांगलिक यात्रा में विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। ग्रहों की स्थिति को देखते हुए देश के पूर्व, पश्चिम और दक्षिण में प्राकृतिक आपदाएं पैदा हो रही हैं। यह नौतपा 02 जून तक चलेगा। .नौतपा के दौरान सूर्य रोहिणी नक्षत्र में रहता है। इसके फलस्वरूप सूर्य की सीधी किरणें पृथ्वी पर पड़ती हैं, इस दौरान अत्यधिक भीषण गर्मी देखी जा सकती है। सूर्य की मौजूदा स्थिति अशुभ फल दे सकती है। वृष राशि वालों के लिए वर्तमान समय खराब है।

सूर्य की आराधना

रोहिणी नक्षत्र के दौरान सूर्य की आराधना करना विशेष फलदायी होता है। सुबह सूर्योदय के पहले स्नान कर सूर्य को अर्घ दें। जलपात्र में कंकूम डाले और सूर्य को जल चढ़ाए। जल चढ़ाते समय सूर्यदेव का मंत्र ऊं घृणि सूर्याय नमः, या ऊँ सूर्यदेवाय नमः का निरंतर जाप करें।

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

सूर्य रोहिणी नक्षत्र में, गर्मी में कर लीजिए ये काम अगले जन्म में भी सुख और आराम

आज यानी 25 मई से सूर्य रोहिणी नक्षत्र में आ पहुंचे हैं। इस नक्षत्र में सूर्य के आने पर पृथ्वी से सूर्य की दूरी कम हो जाती है जिससे गर्मी बढ़ जाती है। रोहिणी नक्षत्र में सूर्य के प्रवेश से 9 दिनों तक यह स्थिति बनी रहती है। शास्त्रों में कहा गया है कि गर्मी के इन दिनों में अगर आप चाहें तो अपने अगले जन्म और इस जन्म के साथ ही परलोक को भी सुखमय बना सकते हैं। इस समय किए गए कुछ आसान से काम मृत्यु के बाद यममार्ग में सुख प्रदान करते हैं और जीवात्मा आसानी से कष्टकारी यममार्ग को पार कर जाता है।

अगले जन्म में होते हैं धनवान

घर के बाहर पानी का मटका और ग्लास रख दीजिए जिससे प्यासे मुसाफिरों को जल आसानी से मिल जाए। मटकी के अलावा अगर हो सके तो घर के बाहर टब में पानी भरकर रख दीजिए ताकि प्यासे जीव जंतु को जल मिल जाए। पुराणों कथा मिलती है कि जो व्यक्ति गर्मी के दिनों में प्सासे जीवों के लिए जल की व्यवस्था करता है उसे कई पाप यम देवता क्षमा कर देते हैं। जो गाय के लिए जल की व्यवस्था करता है वह स्वर्ग में स्थान पाता है और अगले जन्म में धनवान होता है।

यममार्ग में नहीं जलाते सूर्यदेव

गरुड़ पुराण में बताया गया है कि यममार्ग बहुत ही कष्टकारी है। इस मार्ग एक साथ कई सूर्य चमकते हुए नजर आते हैं। रास्ते तांबे जैसे तपे हुए रहते हैं। जो व्यक्ति गर्मी के दिनों में जरूरतमंदों को जूते चप्पलों का दान करता है उसे यम मार्ग के तपे हुए रास्ते भी शीतल जान पड़ते हैं। नौतपा को दौरान जो 25 मई से आरंभ हुआ है और 2 जून तक रहने वाला है इस बीच इनका दान बहुत ही कल्याणकारी माना गया है।

वंश और सुख की वृद्धि

शास्त्रों में कहा गया है कि फल का दान सुख और धनदायक होता है। ग्रीष्म काल में सभी जीव सूर्य के ताप से कष्ट में रहते हैं फलों का रस सूर्य के ताप से होने वाले कष्ट को कम करता है और सुख देता है। इसलिए ग्रीष्म काल में फलों का दान खास तौर पर रसीले फलों का दान बहुत ही उत्तम माना गया है। इन दिनों फल देने वाले वृक्षों को जल देना और उनकी सेवा करना पितरों की सेवा करना माना गया है। इससे पितृगणों की कृपा प्राप्त होती है जिससे वंश की वृद्धि होती है और सुख प्राप्त होता है।

ऐसे लोग होते हैं छत्रधारी

गर्मी के महीने में छत्र का दान यानी छाते का दान करने के लिए शास्त्रों में कहा गया है। इस मौसम में छाते का दान जरूरतमंदों को दिया जाए तो यह बहुत ही सुखकारी माना गया है।

छाता दान लेना वाला छाता लेकर जितने कदम धरती पर चलता है व्यक्ति का यश उतना ही बढ़ता है। अगले जन्म में व्यक्ति छत्रधारी यानी समाज में वरिष्ठ सम्मानित व्यक्ति होता है।

प्राचीन काल छत्रधारी राजा और सामंत माने जाते थे। मृत्यु के बाद छाता दान करने वाले को यम के दूत सम्मान पूर्वक यममार्ग पर लेकर जाते हैं।

चंदन का दान और लेपन करने का लाभ

ग्रीष्म काल में चंदन का लेपन ताप को दूर करता है। इसलिए इन दिनों में चंदन की लकड़ी का दान करना चाहिए। अगर दान नहीं कर सकते तो नियमित अपने ईष्ट देव को चंदन का लेपन करें। इससे देवता की कृपा प्राप्त होती है जिसे सुख और आनंद में वृद्धि करने वाला माना गया है।

अब 9 दिन पड़ेगी झुलसा देने वाली गर्मी, इस बात की आशंका

नौतपा 25 मई से शुरू हो चुका है। ऐसे में अगले नौ दिन सूर्य और धरती के बीच की दूरी सबसे कम होगी। इस दौरान लोगों को उमस भरी तीखी गर्मी का सामना करना पड़ेगा। उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान के संस्कृत साहित्याचार्य महेन्द्र कुमार पाठक ने बताया कि ज्येष्ठ महीना सोमवार 17 जून तक रहेगा। इस दौरान नौ दिन सबसे ज्यादा तपिश वाले होते हैं। इन्हें नौतपा कहा जाता है। इस साल यह 25 मई से शुरू होगा।

ये दिन कहलाते हैं नौतपा

इस दिन सूर्य रोहिणी नक्षत्र में रात 12:52 में प्रवेश करेगा और 8 जून की रात 12:11 बजे तक रहेगा, लेकिन नौतपा 25 मई से 3 जून तक ही रहेंगे। रोहिणी नक्षत्र की दृष्टि साल में एक बार सूर्य पर पड़ती है। यह नक्षत्र 15 दिन रहता है, लेकिन शुरू के पहले चंद्रमा जिन 9 नक्षत्रों पर रहता है वह दिन नौतपा कहलाते हैं। इस दौरान सूर्य, मंगल, बुध का शनि से समसप्तक योग होने से धरती के तापमान में इजाफा होगा।

तूफान के मिल रहे हैं संकेत

नौतपा के दौरान धरती जितनी ज्यादा तपेगी, आने वाले समय में बारिश के योग उतने ही अच्छे मिलेंगे। यानी शास्त्रों में नौतपा की तपिश से बारिश का अनुमान लगाया जाता है। हालांकि इस दौरान कुछ जगहों पर आंधी, लू और तूफान आने के भी संकेत मिल रहे हैं। नौतपा के बाद अच्छी बारिश होगी, जिससे धरती फिर हरी-भरी हो जाएगी।

इनका दान करना कल्याणकारी

रोहिणी नक्षत्र को वृषभ राशि का मस्तक कहा गया है। इस नक्षत्र में तारों की संख्या पांच है। साथ ही इस दौरान चार ग्रहों का नक्षत्र परिवर्तन भी होगा।

इस दौरान शीतलदायक वस्तुओं का दान कल्याणकारी रहता है। सुबह स्नान-पूजन करने के बाद सत्तू, घड़ा, सुराही, पंखा और छाता आदि का दान करना चाहिए। इसमें आटे से भगवान ब्रह्मा की मूरत बनाकर पूजा की जाती है।

मौसम वैज्ञानिकों ने भी जताए आसार

मौसम वैज्ञानिकों ने भी अगले कुछ दिन भीषण गर्मी के आसार जताए हैं। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक जेपी गुप्ता ने बताया कि अगले दो दिन शहर में लू चलने और तापमान में दो से तीन डिग्री बढ़ोतरी का अनुमान है।

नौतपा में क्यों झुलसता है आसमान? भीषण गर्मी का राज और इसके पीछे छिपा वैज्ञानिक सच

हर साल मई के आखिरी सप्ताह में जब तापमान चरम पर पहुंचता है, तब एक विशेष कालखंड शुरू होता है जिसे नौतपा कहा जाता है। यह वह समय होता है जब सूर्य की तपिश सबसे तीव्र मानी जाती है और ऐसा कहा जाता है कि इन 9 दिनों में मानो आसमान से आग बरसती है। ग्रामीण मान्यताओं से लेकर आधुनिक विज्ञान तक, नौतपा को लेकर कई तरह की धारणाएं हैं। जहां एक ओर लोग इससे बचने के लिए तरह-तरह के उपाय करते हैं, वहीं दूसरी ओर यह भी कहा जाता है कि अगर नौतपा में पर्याप्त गर्मी नहीं पड़ी, तो वर्षा ऋतु प्रभावित हो सकती है, जिससे कृषि पर बड़ा असर पड़ता है।

नौतपा के 9 दिन क्यों पड़ते हैं सबसे गर्म?

नौतपा सूर्य के रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश के साथ शुरू होता है। इस दौरान सूर्य पृथ्वी के बेहद करीब होता है, जिससे इसकी किरणें सीधी और तीव्र होकर जमीन पर गिरती हैं। इससे तापमान तेजी से बढ़ता है। साथ ही, इन दिनों में आर्द्रता बहुत कम होती है, जिससे गर्मी और अधिक झुलसाने वाली महसूस होती है।

विज्ञान कहता है कि पृथ्वी की कक्षा और सूर्य की स्थिति के कारण मई-जून का यह समय उत्तरी गोलार्द्ध में सबसे गर्म होता है। परंपराओं में इसे नौतपा कहा गया है क्योंकि यह आग जैसी गर्मी लाता है।

अगर नौतपा में न पड़ी गर्मी, तो हो सकता है बड़ा नुकसान

कई बार लोग सोचते हैं कि अगर गर्मी कम हो तो अच्छा है, लेकिन कृषि विशेषज्ञ मानते हैं कि नौतपा का गर्म होना मानसून के लिए बेहद जरूरी है। जब जमीन और वातावरण पूरी तरह गर्म हो जाता है, तब बादलों को खिंचाव मिलता है और अच्छी बारिश होती है।

अगर नौतपा ठंडा रहा या बादल छाए रहे, तो यह संकेत हो सकता है कि मानसून कमजोर रहेगा। इससे धान, मक्का, कपास जैसी फसलों पर असर पड़ सकता है और खाद्यान्न उत्पादन में गिरावट आ सकती है। ङ्ग

नौतपा केवल एक मौसमीय घटना नहीं, बल्कि भारतीय कृषि और पारंपरिक ज्ञान का एक अहम हिस्सा है। इसकी गर्मी जितनी कष्टदायक होती है, उतनी ही जरूरी भी है – खासकर एक अच्छे मानसून और फसल उत्पादन के लिए।

नौतपा से बचने के लिए करें ये उपाय नहीं पड़ेंगे बीमार

आज से नौतपा की शुरुआत हो रही है। यह 25 मई से शुरू होकर 3 जून तक चलेगा। इन 9 दिन भीषण गर्मी पड़ने वाली है। ज्येष्ठ महीने में पड़ने वाले इस नौतपा में सूरज अपने प्रचंड रूप में होता है। जिसके चलते डॉक्टर लोगों को सलाह देते हैं कि वो दिन के समय बाहर निकलने से बचे। नौतपा में सूरज की ताप इतनी ज्यादा होती है कि इससे शरीर से झुलसने तक का खतरा रहता है। ऐसे में आपको अपनी सेहत के साथ-साथ अपनी त्वचा का भी ध्यान रखना काफी जरूरी है।

पानी पिएं

गर्मियों में आपको बार-बार पानी पीते रहना चाहिए। पानी शरीर को हाइड्रेटेड रखता है। भीषण गर्मी के प्रकोप से बचने के लिए थोड़ी-थोड़ी देर में पानी पीने की कोशिश करें। अगर आप इन दिनों में ट्रैवल करने वाले हैं, तो आपको अपने पास पानी की बॉटल जरूर रखनी चाहिए।

चेहरे को ठंडे पानी से धोएं

अपने चेहरे को दिन में कई बार सिर्फ ठंडे पानी से धोएं। चेहरे के साथ-साथ हाथ-पैरों को भी धोते रहें। ताकि गर्मी का प्रभाव आपकी त्वचा पर न पड़ सके। ध्यान रखें कि बाहर से आते ही तुरंत ठंडा पानी इस्तेमाल न करें, ये नुकसानदायक हो सकता है। पहले 10 मिनट आराम करें, फिर हाथ-मुंह धोएं।

हेल्दी खाना

आप अपनी डाइट में हेल्दी फल और सब्जियों को शामिल कर सकते हैं। नौतपा के दौरान आपको अपने खान-पान में ऐसी चीजों को ज्यादा से ज्यादा शामिल करने की कोशिश करनी चाहिए जिनके अंदर पानी की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती हो।

कूलिंग मास्क

आप अपनी त्वचा को हाइड्रेट रखने के लिए कूलिंग मास्क का इस्तेमाल कर सकते हैं। फेस मास्क में चंदन, खीरा, एलोवेरा और मुल्तानी मिट्टी जैसे तत्व होने चाहिए, क्योंकि ये ही आपकी त्वचा को ठंडा करने में मदद करेंगे। ये सनबर्न से भी राहत दिलाएंगे।

हाइड्रेटिंग ड्रिंक्स

गर्मी के प्रकोप से बचने के लिए आप नारियल पानी का सेवन कर सकते हैं। इसके अलावा आप ऐसी ड्रिंक्स भी डाइट में शामिल कर सकते हैं। जो कि आपकी बॉडी को हाइड्रेट रखें। हाइड्रेटिंग ड्रिंक्स को अपने डाइट प्लान में शामिल करने की वजह से आप भीषण गर्मी में भी तबीयत खराब होने के खतरे को कम कर सकते हैं।

स्किन केयर

नौतपा में रात के समय स्किन केयर अवश्य करें। ऐसा कहा जाता है कि रात से समय त्वचा खुद को हील करती है। इसलिए दिन भर की थकान को दूर करने के लिए रात में सही स्कन केयर रुटीन फॉलो करें। खासतौर पर यदि सनबर्न हुआ है, तो रात में स्किन केयर करें, ताकि आपको राहत मिल सके।

नौतपा में क्या खाना चाहिए क्या नहीं खाना चाहिए

25 मई से 3 जून तक ना खाएं से 7 चीजें, सेहत पर पड़ सकती हैं भारी बैंगन नौतपा के नौ दिन आयुर्वेद बैंगन ना खाने की सलाह देता है। तेल-मसाले घी और तेल मसाले गर्मी के मौसम में आपका पेट बिगाड़ सकते हैं। दही,अंडा (नॉन-वेज), कॉफी-चाय, शराब-सोडा, ज्यादा सोडियम वाले फूड।

रोबोट हमारे दोस्त

बच्चो, आने वाले समय में हो सकता है हमारे रोजमर्रा के कई काम रोबोट्र्स करते नजर आएं। अब रोबोट्र्स कल्पना की चीज नहीं रहे, वैज्ञानिक इन पर काम कर रहे हैं। अब तो हमारे देश में भी रोबोट्र्स पर काम होने लगा है। रोबोट्र्स द्वारा किए जाने वाले कार्यों के बारे में जानना अपने आप में बहुत रोचक है। तो क्या-क्या कर सकते हैं ये, पढ़ें...

बच्चो, रोबोट्स के बारे में तो आपने सुना ही होगा। टीवी पर आपने इन्हें देखा भी जरूर होगा। वाकई यह बड़े काम की चीज हैं। जब हम कहीं यह पढ़ते हैं कि आने वाले समय में रोबोट्स हमारे घरों में होंगे और कई तरह का काम निपटा रहे होंगे, तो सोचकर हैरानी होती है। निकट भविष्य में हो सकता है ऐसा संभव हो जाए। वैज्ञानिक इन पर काम कर रहे हैं। आखिर रोबोट्स हैं क्या और कैसे काम करते हैं, इस बारे में जानना अपने आम में बहुत ही रोचक है। वैसे देखा जाए, तो रोबोट्स की दुनिया अपने आप में बहुत ही हैरान कर देने वाली है। अब तो वैज्ञानिक ऐसे दावे भी कर रहे हैं कि भविष्य में मानवीय संवेदनाओं वाला रोबोट भी बनाया जा सकेगा। हाल ही में रजनीकांत की फिल्म 'रोबोट' भी आई थी। इसमें भी रोबोट के बारे में बहुत रोचक जानकारी दी गई है। इसमें असल में रोबोट की कहानी को ही पेश किया गया है। तो आइए आज रोबोट्स की दुनिया के बारे में कुछ रोचक जानें-

पिछले दिनों तुर्की की राजधानी इस्तांबुल में रोबोकप-2011 प्रतियोगिता का आयोजन हुआ, जिसमें

दुनियाभर के कई रोबोट्स ने हिस्सा लिया और फुटबॉल के मैदान में अपने जलवे दिखाए। लेकिन ऐसा नहीं है कि सिर्फ विदेशी रोबोट्स ही फुटबॉल खेल सकते हैं। हमारे देश में भी ऐसे रोबोट्स बनाए जाने लगे हैं, जो फुटबॉल खेलने के अलावा आपका भरपूर मनोरंजन भी कर सकते हैं।

सॉकरबोट और आइसोटॉप ऐसे ही रोबोट्स हैं, जिन्हें बनाया है दिवाकर ने। 19 साल के दिवाकर शारदा यूनिवर्सिटी में बीटेक सैकेंड इयर के स्टूडेंट हैं। उनकी कोशिश है चूमनॉयड रोबोट्स को इस काबिल बनाया जाए कि वह मानव द्वारा किए जाने वाले सारे काम कर सके। सॉकरबोट की प्रोग्रामिंग करने में उन्हें 6 महीने से ज्यादा का वक्त लगा। उनके मुताबिक सॉकरबोट ऑर्टिफिशियल सेमी इंटैलिजेंट रोबोट है जिसमें गायरोस्कोप और एसीलेरोमीटर सैंसर लगे हैं।

सॉकरबोट को चलने-फिरने में मदद करने के लिए 18 सर्वो और 250 से 300 स्क्रू लगे हैं। दिलचस्प बात यह है कि ये सर्वो मनुष्यों की मसल्स की तरह काम करते हैं। इन सर्वो में कार्बोनाइट गियर्स होते हैं जो उसे चलने-फिरने में मदद करते हैं। सॉकरबोट बिल्कुल मनुष्य की तरह चल-फिर सकता है। वह बेहतरीन फुटबॉल खेल सकता है, बॉल को किक मार सकता है। इसके अलावा एक फिटनेस फ्रीक की तरह पुशअप्स और यहां तक कि शीर्षासन भी कर सकता है। बाकी रोबोट्स के मुकाबले सॉकरबोट की खूबी है कि वह फुटबॉल खेलने के दौरान गिरने पर बिना किसी की मदद के खुद अपने पैरों पर खड़ा हो सकता है। फुटबॉल खेलने के दौरान रोबोट्स के सामने सबसे बड़ी समस्या आती है मूवमेंट्स की, लेकिन फुटबॉल खेलने के दौरान सॉकरबोट अपने आप घूम सकता है। दिवाकर पिछले साल सितंबर में बैंगलुरु में हुई फीरा यानी फैडरेशन ऑफ इंटरनेशनल रोबोटसॉकर एसोसिएशन वर्ल्ड कप में हिस्सा ले चुके हैं, जिसके लिए उन्होंने खासतौर पर 3 रोबोट्स डिफेंडर, गोलकीपर और अटैकर डैवलप किए थे। सॉकरबोट अगर स्पोर्ट्स और फिटनेस-फ्रीक है तो आइसोटॉप डांसिंग रोबोट है। आइसोटॉप विभिन्न गानों की धुनों पर जबर्दस्त डांस कर सकता है। यहां तक कि आइसोटॉप कमर मटकाते हुए ठुमके भी लगा सकता है। वह दुनिया का पहला अकेला ऐसा रोबोट है, जो भांगडा भी डाल सकता है। इन खूबियों

के चलते उसे खूब वाहवाही मिलती है। आइसोटॉप में 16 सर्वो लगे हैं और उसका माइक्रो-कंट्रोलर 32 सर्वो को कंट्रोल कर सकता है।

दिवाकर का मानना है कि रोबोट बनाने से ज्यादा मुश्किल काम है रोबोट की प्रोग्रामिंग करना। उनके मुताबिक इसकी तुलना इंसान से की जा सकती है। जैसे छोटे बच्चे को पहले छोटे-छोटे शब्दों से प्रैक्टिस कराई जाती है और फिर बड़े-बड़े शब्द सिखाए जाते हैं। वैसे ही रोबोट को भी प्रोग्रामिंग के जरिए चलना, मुड़ना और उठना जैसी गतिविधियां सिखाई जाती हैं। उनका कहना है कि एक मिनट की प्रोग्रामिंग करने में 2 महीने तक का वक्त लग सकता है और एक मिनट की प्रोग्रामिंग 600 पन्नों तक की हो सकती है। आइसोटॉप को सामने लाने में उन्हें 6 माह से ज्यादा का वक्त लगा। आइसोटॉप और सॉकरबोट में गायरोस्कोप सैंसर लगा है, जिससे वे डायनेमिक मोशन जैसे झुकाव और उबड़-खाबड़ वाली सतह पर आसानी से चल सकते हैं।

कविता

जोड़ी गजब बनाई

सोनू-मोनू जुड़वां भाई,
रब ने जोड़ी ख़ूब बनाई।

कौन बड़ा है छोटा कौन?
इस पर सब हो जाते मौन।

चेहरा देखो एक समान,
मुश्किल से होती पहचान।

दोनों बड़े खिलाड़ी हैं,
चढ़ते रो । पहाड़ी हैं।

टीचर जी को करें प्रणाम,
सदा समय पर करते काम।

बच्चे जब गफलत में पड़ते,
सोनू-मोनू तब हंस पड़ते।

व्यर्थ नहीं वे समय गंवाते,
कक्षा में भी अव्वल आते।

अपनी सेहत स्वयं बनाते,
नित्य सवेरे दौड़ लगाते।

मम्मी की आंखों के तारे,
सारे घर के राज दुलारे।

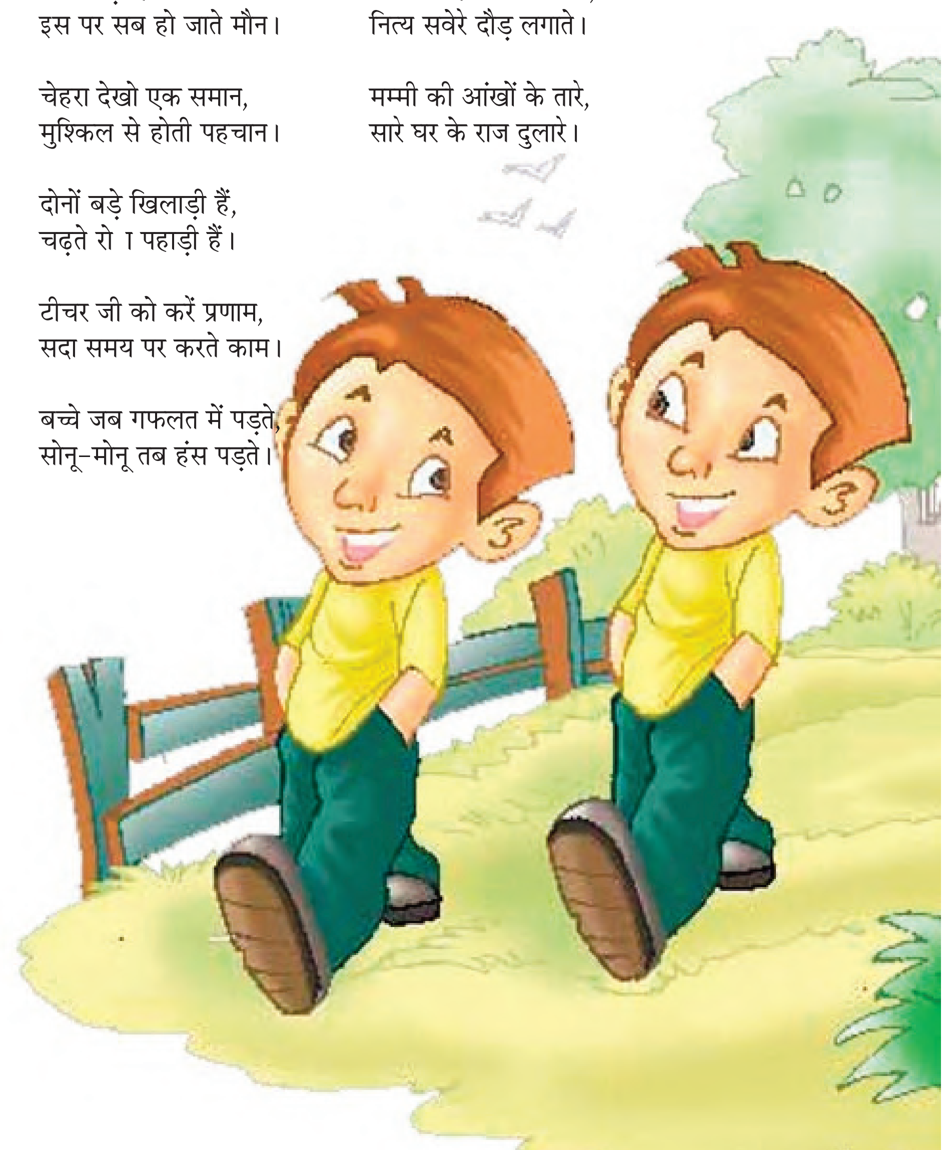

जंगल बुक

दि जंगल बुक 1967 की एक अमरीकी एनिमेटेड फिल्म है, जिसका निर्माण डिजनी एनिमेशन स्टूडियो द्वारा किया गया था। 18 अक्तूबर, 1967 को जारी की गई यह फिल्म वॉल्ट डिजनी की एनिमेटेड क्लासिक्स श्रृंखलाओं की 19वीं एनिमेटेड फिल्म है। यह रुडयार्ड किपलिंग द्वारा लिखित इसी नाम की पुस्तक में वर्णित मोगली नामक जंगली बच्चे की कहानियों से प्रेरित थी। फिल्म में 'द बेयर

नेसेसिटीज (The Bare Necessities) और 'आई वान्ना बी लाइक यू (I Wan'na Be Like You) सहित कई उत्कृष्ट गीत हैं। अधिकांश गीत रिचर्ड एम. शेरमेन और रॉबर्ट बी. शेरमेन द्वारा लिखित थे। वुल्फगैंग रीदरमैन द्वारा निर्देशित यह फिल्म, वॉल्ट डिजनी के अंतर्गत निर्मित होने वाली अंतिम फिल्म थी, जिनका इसके निर्माण के दौरान निधन हो गया था। अपनी पहली रिलीज पर फिल्म ने अमरीका में कुल 73 मिलियन डॉलर तथा फिर से जारी दो संस्करणों पर भी इतनी ही कमाई की। 14 फरवरी, 2003 को ऑस्ट्रेलिया में डिज्नी टून स्टूडियो ने द जंगल बुक 2 के नाम से 1967 क्लासिक की एक उत्तरकथा जारी की, जिसमे मोगली मनुष्यों के उस गांव से, जिसमे वह फिल्म के अंत में लौटता है, अपने जानवर दोस्तों से मिलने के लिए भाग लिया।

रंग भरो

बच्चो, यह मस्त हाथी अपने रंग घर में ही भूल आया है और यहां आकर गुबारों से खेलने लगा है। क्या आप अपने रंगों से इसे सजा सकते हैं। तो ले आइए अपने रंग...

भैंस पर बगुला सवार

दुनिया एकदम नई-नई थी और इसी दुनिया में भैंस और बगुला भी रहा करते थे। एक दिन ऐसे ही किसी बात पर उन दोनों का झगड़ा हो गया। बहस खत्म होने का नाम ही नहीं ले रही थी। तभी भैंस ने कहा, 'बहस को खत्म करने के लिए एक शर्त लगाते हैं।'

'ठीक है, पर शर्त क्या होगी?', बगुले कहा। 'हम दोनों नदी का पानी पिएंगे। ज्यादा पानी पीने वाला विजेता और दूसरा गुलाम होगा।' भैंस ने उत्तर दिया।

'लेकिन पता कैसे चलेगा कि किसने ज्यादा पानी पिया?', बगुले ने सवाल किया। 'जो पानी को छिछला करे दे, उसी ने ज्यादा पानी पिया।', भैंस ने कहा। बगुले ने कहा, 'तुम्हारा पेट इतना बड़ा है, तुम्हारे लिए तो आसान है। फिर भी मैं इसके लिए तैयार हूं।'

यह सुनते ही भैंस ने झट से कहा, 'तो चलो, नदी की ओर।' 'इतनी जल्दबाजी किस बात की? अभी तो हमने निर्णायक भी तय नहीं किए हैं, जो हार-जीत का फैसला करें, कल तक रूको।'

इस बात पर हामी भर कर भैंस वहां से चली गई। बगुला नदी को निहारता रहा। फिर उसने पशु आसैर पंक्षियों को इस मुकाबले के लिए निर्णायक बनाया। अगले दिन निर्णायकों की एक लम्बी कतार लग गई। बदंर प्रतियोगिता शुरू का इशारा किया।

ऐलान होते ही भैंस ने बगुले से कहा, 'तुम शुरू करो, क्योंकि मैंने प्रतियोगिता शुरू की तो तुम्हारे लिए तो कुछ पानी बचेगा ही नहीं।' बगुला बोला, 'उसकी चिंता तुम न करो।' कहते ही वह निर्णायकों की ओर मुड़ा और उनसे कहा, 'माननीय निर्णायकों, हममे में से कौन पहले पानी पिए?'

निर्णायकों ने कहा, 'होड़ का सुझाव भैंस ने दिया था, तो भैंस शुरू करे।'

भैंस ने पानी में मुंह डाला और पानी पीना शुरू किया। जितना पीती, उतना ही पानी और भरने लगता। यह देखकर सभी निर्णायक भी हैरान थे। पानी के इस रहस्य को सिर्फ बगुला ही जानता था। उसे मालूम था कि इस समय ज्वार चढ़ रहा है, जिससे समुद्र का पानी भी नदी में मिल रहा था। अब भैंस लगभग डूब चली थी। अब भैंस करती भी तो क्या? इसलिए पानी से बाहर निकलने आई और बगुले से पानी पीने को कहा।

'ठहरो! मैं पहले जरा अपने पंख ठीक कर लूं।', बगुले ने कहा और अपने पंख संवारता रहा। असल में वह बहाव के पलटने का इंतजार कर रहा था। जैसे ही उसने देखा पानी वापस समुद्र में जा रहा है तो वह तुरंत पानी पीने आया। पानी में चोंच लगाया ही था कि निर्णायकों ने देखा कि पानी कम होता जा रहा है। बगुले ने कुछ देर बाद पानी से अपनी चोंच बाहर निकाली और निर्णायकों से कहा, 'माननीय निर्णायकों, अपना फैसला सुनाएं।' सब ने खुशी में चिल्लाते हुए कहा, 'बगुला जीत गया, भैंस हार गई। अब भैंस को बगुले का गुलाम बनना होगा।'

कहते हैं, इसी प्रतियोगिता के कारण बगुला भैंस की पीठ पर बैठकर सैर करता है। उसकी आंखे अधमुंदी होती हैं और सिर पीछे की ओर होता है। कहते हैं वह अब भी, पानी की उस होड़ के बारे में सोचता रहता है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आपके पास आज अतिरिक्त ऊर्जा है, जो आपको किसी पार्टी या कार्यक्रम का आयोजन करने के लिए प्रेरित करेगी। आप अपने पहनावे और बरताव में नयापन रखें। सेमिनार में हिस्सा लेकर आज आप कई नए विचार पा सकते हैं। वक्त से हर काम को पूरा करना ठीक होता है अगर आप ऐसा करते हैं तो आप अपने लिए भी वक्त निकाल पाते हैं। अगर आप हर काम को कल पर टालते हैं तो अपने लिए आप कभी समय नहीं निकाल पाएंगे। दाम्पत्य जीवन मे नयापन होगा चहरे पर मुस्कुराहट होगी । बच्चों के साथ गौशाला मे जाकर सेवा करें और दान करें।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

शारीरिक तौर पर तंदुरुस्त रहने के लिए शाकाहारी भोजन की आदत अपनाए । अगर आप सूझ–बूझ से काम लें, तो आज अतिरिक्त धन कमा सकते हैं। आज न सिर्फ़ अजनबियों से, बल्कि दोस्तों से सावधान रहने की ज़रूरत भी है। प्यार के नज़रिए से यह दिन बेहद ख़ास रहेगा। किसी साझीदारी वाले व्यवसाय में जाने से बचें – क्योंकि मुमकिन है कि भागीदार आपका फ़ायदा उठाने की कोशिश करें। ज़रूरतमंदों की मदद करने की आपकी ख़ासियत आपको सम्मान दिलाएगी। आज आप महसूस करेंगे कि जीवनसाथी के साथ की एहमियत कितनी हैं ।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आज अगर आप दूसरों की बात मानकर निवेश करेंगे, तो आर्थिक नुक़सान तक़रीबन पक्का है। आज के दिन बिना कुछ ख़ास किए आप आसानी से लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने में क़ामयाब रहेंगे। आज आप कुछ अलग क़िस्म के रोमांस का अनुभव कर सकते हैं। योग्य कर्मियों को पदोन्नति या आर्थिक मुनाफ़ा हो सकता है। आज आपको ढेरों दिलचस्प निमंत्रण मिलेंगे– साथ ही आपको एक आकस्मिक उपहार भी मिल सकता है। यह एहसास आज अपने जीवनसाथी से मिल सकता है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

बहुत ज़्यादा चिंता करना मानसिक शांति को बर्बाद कर सकता है। इससे बचें, क्योंकि ज़रा–सी चिंता और मानसिक तनव भी शरीर पर ख़राब असर डालते हैं। नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज धन की बहुत आवश्यकता पड़ेगी जितना आपने सोचा था, आपका भाई उससे ज़्यादा मददगार साबित होगा। आपका प्रेमी या प्रेमिका आज बहुत गुस्से में नजर आ सकते हैं । अगर वो गुस्से में हैं तो उन्हें शांत करने की कोशिश करें। काम में आपकी दक्षता की आज परीक्षा होगी। आज आप सबसे दूर होकर अपने आप के लिए वक्त निकाल पाएंगे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज परिवार के सदस्यों के साथ कुछ आराम के पल बिताएँ। आज आप अपने किसी वादे को पूरा नहीं कर पाएंगे जिसकी वजह से आपका प्रेमी आपसे नाराज हो जाएगा। आज आप नए विचारों से परिपूर्ण रहेंगे और आप जिन कामों को करने के लिए चुनेंगे, वे आपको उम्मीद से ज़्यादा फ़ायदा देंगे। आध्यात्म की ओर आज आपका झुकाव देखा जा सकता है और आप किसी आध्यात्मिक गुरु से मिलने जा सकते हैं। परिवार के सदस्यों की बातों को नजरअंदाज करना आप को नुकसानदेह साबित हो सकती हैं पहली प्राथमिकता परिवार को देनी चाहिए।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज धन का आगमन आपको कई आर्थिक परेशानियों से दूर कर सकता है। आज के दिन बिना कुछ ख़ास किए आप आसानी से लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने में क़ामयाब रहेंगे। उदास न हों, कभी–कभी विफल होना कोई ख़राब बात नहीं है। वक्त के साथ चलना आपके लिए अच्छा है लेकिन साथ ही आपको यह समझना भी जरुरी है कि जब कभी आपके पास खाली समय हो अपने करीबियों के साथ वक्त बिताएं। आज आपका मन धार्मिक कार्यों में रमेगा जिससे आपको मानसिक शांति का अनुभव होगा।

तुला – र,री,रु,रे,रो,ता,ति,तू,ते

जो लोग लघु उद्योग करते हैं उन्हें आर्थिक लाभ होने की संभावना है। दोस्तों और परिवार के साथ मज़ेदार समय बीतेगा। जो अपने प्रिय के साथ छुट्टियाँ बिता रहे हैं, ये उनकी ज़िन्दगी के सबसे यादगार लम्हों में से होंगे। संतोषजनक परिणाम पाने के लिए काम को योजनाबद्ध तरीक़े से करें, दफ़्तर की परेशानियों को हल करने में आपको मानसिक तनाव का सामना करना पड़ सकता है। आपको और आपके जीवनसाथी को कोई बहुत सुखद ख़बर सुनने को मिल सकती है। जिससे शाम का वक्त बहुत ही खुशनुमा बितेगा आप एकदम रिलैक्स फील करेंगे।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आपकी कोई चल संपत्ति चोरी हो सकती है इसलिए जितना हो सके इनका ध्यान रखें। एक बेहतरीन शाम के लिए रिश्तेदार/दोस्त घर आ सकते हैं। शाम ढलते–ढलते कोई आकस्मिक प्यारभरा झुकाव आपके दिलोदिमाग़ पर छा सकता है। कार्य–क्षेत्र के नज़रिए से आज का दिन आपका है। इसका भरपूर फ़ायदा उठाएँ। दूसरों की राय को ग़ौर से सुनें– अगर आप आज वाक़ई फ़ायदा चाहते हैं तो। आज आपको सच्चे प्यार का एहसास होगा। बच्चों की पढाई पर आप को बहुत महनत करनी पडेगी , अन्यथा बच्चों को भविष्य मे अधिक परिश्रम करना पडेगा ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज किसी करीबी से आपका झगड़ा हो सकता है और बात कोर्ट कचहरी तक जा सकती है। जिसकी वजह से आपका अच्छा खास धन खर्च हो सकता है। कुल मिलाकर फ़ायदेमंद दिन है। लेकिन आप समझते थे जिसपर आप आँखें बंद करके यक़ीन कर सकते हैं, वह आपके भरोसे को तोड़ सकता है। आपकी क़ामयाबी में महिलाएँ अहम किरदार अदा करेंगी, चाहे आप किसी भी क्षेत्र में क्यों न हों। अगर आप ख़रीदारी पर जाएँ तो ज़रूरत से ज़्यादा जेब ढीली करने से बचें। अपने जीवनसाथी से बात करें और कुछ मस्तीभरी योजना बनाएँ।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज आप उचित बचत कर पाने में सक्षम होंगे। आपके पास आज अतिरिक्त ऊर्जा है आप आज प्यार की मनोदशा में होंगे– और आपके लिए काफ़ी मौक़े भी होंगे। भागीदार आपकी योजनाओं और व्यावसायिक ख़यालों के प्रति उत्साही होंगे। दिन उम्दा है, आज के दिन अपने लिए समय निकालें और अपनी कमियों और खुबियों पर गौर फर्माएं। इससे आपके व्यक्तित्व में सकारात्मक परिवर्तन आएंगे। आज आपका वैवाहिक जीवन हँसी–ख़ुशी, प्यार और उल्लास का केन्द्र बन सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपको कमीशन, लाभांश या रोयल्टी के ज़रिए फ़ायदा होगा। आपके जीवनसाथी की सेहत आपको चिंता में डाल सकती है। आज कार्यक्षेत्र में आपकी ऊर्जा घर के किसी मसले को लेकर कम रहेगी। इस राशि के कारोबारियों को आज के दिन अपने साझेदारों पर नजर बनाए रखने की जरुरत है, वो आपको नुक्सान पहुंचा सकते हैं। अपने शरीर को दुरुस्त करने के लिए आज भी आप कई बार सोचेंगे लेकिन बाकी दिनों की तरह भी आज यह प्लान धरा का धरा रह जाएगा। आपका जीवनसाथी आपको प्यार का एहसास देना चाहता है, उसकी मदद करें।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

ख़र्चों में हुई अप्रत्याशित बढ़ोत्तरी आपके मन की शांति को भंग करेगी। आपका मज़ाकिया स्वभाव आपके चारों ओर के वातावरण को ख़ुशनुमा बना देगा। फूल देकर अपने प्यार का इज़हार करें। कार्यक्षेत्र में समझ–बूझ के उठाए गए आपके क़दम फलदायी होंगे। इससे आपको समय पर योजनाएँ पूरी करने में मदद मिलेगी। साथ ही नई परियोजनाएँ शुरू करने के लिए सही समय है। आज आप अपने जीवनसाथी को सरप्राइज दे सकते हैं, अपने सारे कामों को छोड़कर आज आप उनके साथ वक्त बिता सकते हैं।

आज का पंचांग

विक्रम संवत : 2082
मास : ज्येष्ठ ,कृष्ण पक्ष
तिथि : त्रयोदशी सायं 03:54 तक
नक्षत्र : अश्विनी प्रातः 11:13 तक
योग : सौभाग्य प्रातः 11:05 तक
करण : वणिज सायं 03:54 तक
चन्द्रराशि : मेष
सूर्योदय : 05:41 , सूर्यास्त 06:44 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:52 , सूर्यास्त 06:40 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:44 , सूर्यास्त 06:34 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:34 , सूर्यास्त 06:34 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : मासिक शिवरात्रि व्रत , रोहिणी में रवि प्रातः 09:31 से, रोहिणी तपन काल आरंभ , भद्रा सायं 03:52 से रात्रि 02:03 तक, गण्डमूल प्रातः 11:13 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजस्थान ने जल और ऊर्जा सुरक्षा के बिन्दुओं पर केन्द्र सरकार से और अधिक सहयोग का किया अनुरोध

जयपुर, 24 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार को नई दिल्ली के भारतमंडपम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में नीति आयोग की शासी परिषद की दसवीं बैठक में शामिल हुए। मुख्यमंत्री शर्मा ने बैठक में विकसित राजस्थान के संकल्प को पूरा करने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की विस्तार से चर्चा की और प्रदेश में जल और ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए केंद्र सरकार से अधिक सहयोग का भी अनुरोध किया।

बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार विकसित राजस्थान का लक्ष्य हासिल करने के लिए हर पहलू पर तेजी से काम कर रही है। इसी दिशा में आर्थिक समृद्धि, सतत् विकास और समावेशी प्रगति को केन्द्र में रखते हुए नीति आयोग के दिशा–निर्देशों के अनुरूप 'विकसित राजस्थान2047' विजन डॉक्यूमेंट तैयार किया जा रहा है। उन्होंने रामजल सेतु लिंक परियोजना तथा यमुना जल समझौते को मूर्त रूप देने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ये जल परियोजनाएं विकसित राजस्थान के संकल्प को साकार करने में अहम भूमिका निभाएंगी।

शर्मा ने कहा कि विकसित राजस्थान के पथ पर आगे बढ़ने के लिए प्रदेश में निवेश बहुत जरूरी है। इसके लिए हमारी सरकार ने अपने कार्यकाल के पहले ही साल में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्–वेस्टमेंट समिट का सफल आयोजन कर 35 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त किए हैं तथा इन प्रस्तावों में से सवा तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव धरातल पर प्रारम्भ हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने एक जिला एक उत्पाद नीति 2024, एमएसएमई पॉलिसी 2024, निर्यात प्रोत्साहन नीति 2024, एकीकृत क्लस्टर विकास योजना, टेक्सटाइल एवं अपैरल पॉलिसी 2025, लॉजिस्टिक पॉलिसी 2025, डाटा सेंटर पॉलिसी 2025 को तैयार करके राजस्थान में समावेशी विकास और रोजगार के अवसर सृजन करने की दिशा में उत्कृष्ट कार्य किया। उन्होंने कहा कि राजस्थान में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस आधारित इंडस्ट्रीयल पॉलिसी शीघ्र जारी की जाएगी। इस नीति के माध्यम से ग्रीन टेक्नोलॉजी को बढ़ावा देने के लिए रिसर्च और डेवलपमेंट पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। साथ ही, ट्रेडिंग सेक्टर के विकास और संवर्धन के लिए राजस्थान ट्रेड प्रमोशन पॉलिसी लाई जा रही है।

उन्होंने कहा कि राज्य में 15 औद्योगिक क्षेत्र की स्थापना हेतु 2000 करोड रुपए से अधिक के कार्य प्रारंभ किए गए हैं तथा 20 नए औद्योगिक क्षेत्र भूखंड आवंटन हेतु खोले गए हैं जिससे राज्य के औद्योगिक विकास एवं विकास दर को नई ऊंचाइयों पर ले जाया जा सकेगा। शर्मा ने कहा कि राजस्थान अपनी ऐतिहासिक विरासत एवं स्थापत्य समृद्ध संस्कृति, गौरवशाली इतिहास और प्राकृतिक सुंदरता के लिए विश्व विख्यात है। पर्यटन का राजस्थान की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान है इसलिए पर्यटन विकास को गति देने के लिए नवीन पर्यटन नीति शीघ्र जारी की जा रही है। उन्होंने कहा कि राज्य के युवाओं को स्टार्टअप स्थापित करने और रोजगार प्रदाता बनने हेतु प्रोत्साहन देने के लिए अटल इन्टरप्रेन्योरशिप प्रोग्राम प्रारंभ किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में समयबद्ध रूप से भर्ती परीक्षा आयोजित करवाकर 67 हजार से अधिक पदों पर नियुक्तियां प्रदान की गई है तथा 1 लाख 87 हजार पदों हेतु प्रक्रिया विभिन्न चरणों में है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऊर्जा क्षेत्र में प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में हमारी सरकार ने अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में कई अहम कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि अक्षय ऊर्जा क्षमता में 10000 मेगावाट की वृद्धि की गई है तथा राजस्थान सौर ऊर्जा एवं अक्षय ऊर्जा क्षमता में देश में प्रथम स्थान पर है। राज्य में पीएम कुसुम योजना, पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना ,नवीन राजस्थान एकीकृत स्वच्छ ऊर्जा नीति की बेहतर क्रियान्विति के लिए लगातार प्रयास किया जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि सर्कुलर इकोनॉमी के व्यापक प्रचार प्रसार के लिए राजस्थान सर्कुलर इकोनॉमी इंसेंटिव स्कीम 2025 लाई जा रही है जिसके अंतर्गत रिसाइक्लिंग, रीयूज के क्षेत्र में रिसर्च एवं डवलपमेंट के लिए 2 करोड रुपए का अनुदान दिया जाएगा। साथ ही, सर्कुलर इकोनॉमी के क्षेत्र में कार्यरत एमएसएमई, स्टार्टअप को विभिन्न योजनाओं में दिए जा रहे ऋण अनुदान में 0.5 की अतिरिक्त छूट प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य में 15 वर्ष से पुराने वाहनों का उपयोग निषिद्ध करने तथा नई टेक्नोलॉजी के प्रदूषण रहित वाहनों के उपयोग को प्रोत्साहन देने के लिए राजस्थान व्हीकल स्क्रैप पॉलिसी लाई जा रही है।

भजनलाल सरकार के सारे दावे खोखले, जनता बेहाल : गहलोत

जयपुर, 24 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य सरकार की तरफ से निवेश के दावे किए जाने को शनिवार को खोखला बताया। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि मुख्यमंत्री जी यह सब अपने मन से नहीं कह रहे हैं, बल्कि उनसे कहलवाया जा रहा है। वह जो कुछ भी बोल रहे हैं, उसकी सच्चाई से कोई लेना–देना नहीं है।

उन्होंने प्रदेश में लोगों को हो रही पेयजल समस्या का भी जिक्र किया। गहलोत ने कहा कि प्रदेश में लोगों को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। लेकिन, सरकार का दोहरा पैमाना देखिए कि एक तरफ जहां ये लोग सार्वजनिक मंचों पर बड़े–बड़े दावे कर रहे हैं, तो वहीं दूसरी तरफ आम जनता को किस तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। आखिर इसका जिम्मेदार कौन है? उन्होंने मनरेगा श्रमिकों पर कहा कि मौजूदा समय में उन्हें कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। लेकिन, प्रशासन की तरफ से कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। प्रशासन को चाहिए कि श्रमिकों से एक घंटा कम काम कराया जाए। हमारे श्रमिकों के ऊपर काम का अत्यधिक बोझ डाला जा रहा है, जिससे उन्हें कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि एक सोची–समझी साजिश के तहत हमारी पार्टी की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी को निशाना बनाने की कोशिश की जा रही है। उन पर राजनीतिक हमले करके हमारे हौसले को पस्त करने की कोशिश की जा रही है, लेकिन हमारा हौसला पस्त नहीं होगा।

प्रमुख शासन सचिव ने की स्वास्थ्य सुविधाओं एवं कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा

जयपुर, 24 मई (एजेंसियां)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से प्रदेशभर में संचालित विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों को पब्लिक एवं पेशेंट फ्रेण्डली बनाया जाएगा तथा इनकी और अधिक प्रभावी क्रियान्विति सुनिश्चित की जाएगी। लू–तापघात, जांच, दवा एवं उपचार सेवाओं की गुणवत्तापूर्ण उपलब्धता, उपकरणों की क्रियाशीलता पर विभाग का विशेष रूप से फोकस रहेगा। राजधानी से लेकर गांव–ढाणी तक स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी स्तर पर कोई लापरवाही सामने आई तो जिम्मेदारी तय की जाएगी और सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने शनिवार को स्वास्थ्य भवन में आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंस में इस संबंध में विस्तृत दिशा–निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का ध्येय है कि जन–जन को स्वास्थ्य सुविधाओं की प्रदायगी बिना किसी कठिनाई के हो और गुणवत्तापूर्ण सेवाएं मिलीं। इसे ध्यान में रखते हुए ग्रास रूट लेवल तक प्रो–एक्टिव एप्रोच के साथ काम करें। सेवाओं की प्रदायगी में किसी भी स्तर पर कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।प्रमुख शासन सचिव ने कहा कि राज्य स्तरीय अधिकारी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सहित अन्य अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि चिकित्सा संस्थानों में जांच, दवा एवं उपचार सुविधाओं में किसी तरह की कमी नहीं रहे।

विपक्षी विधायकों का अनादर बर्दाश्त नहीं होगा– भूपेंद्र सिंह हुड्डा

चंडीगढ़, 24 मई (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कांग्रेस विधायकों अशोक अरोड़ा और चंद्र प्रकाश के साथ हुए दुर्व्यवहार की कड़े शब्दों में निंदा की है। उन्होंने कहा कि जनता के चुने हुए विपक्षी विधायकों का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कुरुक्षेत्र में पूर्व मंत्री व वरिष्ठ विधायक अशोक अरोड़ा के साथ बीजेपी कार्यकर्ताओं ने जो गुंडागर्दी की, वह सबने देखी। यह किसी एक विधायक पर नहीं बल्कि लोकतंत्र और संवैधानिक मर्यादाओं पर हमला है। नगर परिषद हाउस की बैठक में खुद सरकार ने दिशा निर्देश जारी किए थे कि कोई बाहरी तत्व हिस्सा नहीं लगा। लेकिन हाउस में पार्षदों के अलावा बीजेपी के कई कार्यकर्ता भी बैठे हुए थे।

वो विधायक के साथ दुर्व्यवहार करने की मंशा के साथ ही मीटिंग में पहुंचे थे। कांग्रेस ऐसे लोगों पर कड़ी कार्रवाई की मांग करती है। इन लोगों की जल्द से जल्द पहचान करके दंडात्मक कार्रवाई की जानी चाहिए। हुड्डा ने कहा कि ऐसा ही अमर्यादित व्यवहार ग्रीवेंस मीटिंग में आदमपुर से विधायक चंद्र प्रकाश के साथ। बीजेपी नेताओं ने अमर्यादित व अशोभनीय आचरण करके बैठक की गरिमा को तार–तार कर दिया। मंत्री की मौजूदगी में एक जनप्रतिनिधियों का अनादर करना, लोकतंत्र को ठेस पहुंचाने से कम नहीं है। क्योंकि ग्रीवेंस मीटिंग आमजन की समस्याएं सुनकर उनका निदान करने का मंच है। इसे राजनीतिक अखाड़ा बनाना जनता के हितों से खिलवाड़ करने के समान है।

हरियाणा के सरकारी स्कूलों में फ्रेंच की शुरुआत

चंडीगढ़, 24 मई (एजेंसियां)। अब तक आपने निश्चित रूप से नमस्ते और हैलो दोनों ही सुने होंगे लेकिन कल्पना कीजिए कि कैसा होगा जब हरियाणा के सरकारी स्कूलों के बच्चे अब आपको बोनजोर (हैलो) या कमेंट का वा? (आप कैसे हैं?) कहकर अभिवादन करेंगे? चौंकिए नहीं; यह हकीकत होने जा रही है। हरियाणा सरकार का लक्ष्य अपने स्कूलों में बच्चों को दुनिया की भाषा सिखाना है – फ्रेंच से शुरुआत करना – और सिर्फ किताबों तक ही सीमित नहीं।

जब देश में इतनी सारी भाषाएं हैं, तो फ्रेंच क्यों? दरअसल, आज दुनिया वैश्वीकृत हो चुकी है। इन दिनों सिर्फ अंग्रेजी बोलना ही काफी नहीं है। भाषा की यह समझ भविष्य में उन बच्चों के लिए दरवाजे खोल सकती है जो विदेश में पढ़ना, काम करना या कारोबार करना चाहते हैं। दुनिया की उन भाषाओं में से फ्रेंच कई देशों में बोली और समझी जाती है। और यही वजह है कि हरियाणा प्रशासन अब युवाओं को किताबी ज्ञान के बजाय दुनिया से रूबरू कराना चाहता है।

इसकी शुरुआत राज्य के मॉडल संस्कृति स्कूलों से होगी। नौवीं से बारहवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों को फ्रेंच भाषा की शिक्षा दी जाएगी। इसके लिए हरियाणा सरकार ने फ्रांस सरकार के साथ समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किए हैं। इसका मतलब है कि जमीनी काम भी शुरू हो गया है, यह सिर्फ घो–षणा नहीं है। यह कोर्स सिर्फ भाषा सिखाने से कहीं आगे जाएगा। छात्रों को फ्रांसीसी भोजन, संस्कृति, जीवन शैली, भाषा, कला और सोचने के तरीके के बारे में भी सिखाया जाएगा। यानी जब छात्र बोनजोर कहेंगे, तो उन्हें पता चलेगा कि इसके पीछे क्या भावना है। असली सीख भाषा के साथ–साथ विचारों को जानना है।

इन संस्थानों में फ्रेंच पढ़ाने वाले शिक्षकों को फ्रांस में प्रशिक्षण मिलेगा, जो सबसे दिलचस्प पहलू है। प्रशिक्षक पहले खुद सीखेंगे; फ्रांस से भी! ताकि जब वे वापस लौटें, तो बच्चों को किताबों में लिखी बातों के बजाय अनुभव के आधार पर पढ़ाएं।

फरीदाबाद से एक और बड़ी खबर है: फ्रेंच के अलावा, जापानी, कोरियाई, जर्मन और चीनी भाषाएं भी अगले सत्र से पढ़ाई जाएंगी। इसका मतलब है कि भाषा की बाधा हरियाणा के किसी युवा को आने वाले सालों में टोक्यो, पेरिस या बर्लिन जाने से नहीं रोक पाएगी।

नीति आयोग बैठक : सीएम सैनी ने रखा हरियाणा का रोडमैप

चंडीगढ़, 24 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में शनिवार को नई दिल्ली में नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल की 10वीं बैठक हुई, जिसमें हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सहित अन्य राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने हिस्सा लिया। बैठक में प्रधानमंत्री ने कहा कि हमें विकास की गति बढ़ानी होगी। अगर केंद्र और सभी राज्य एक साथ आएं और टीम इंडिया की तरह मिलकर काम करें, तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है। विकसित भारत हर भारतीय का लक्ष्य है। जब हर राज्य विकसित होगा, तो भारत विकसित होगा। यह 140 करोड़ नागरिकों की आकांक्षा है।

बैठक में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने 'विकसित भारत 2047' की अवध–ारणा में राज्य के सक्रिय योगदान को रेखांकित करते हुए हरियाणा का विजन डॉक्यूमेंट–2047 प्रस्तुत किया, जिसमें वर्ष 2047 तक हरियाणा की अर्थव्यवस्था को एक ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाने और 50 लाख नए रोजगार सृजित करने का लक्ष्य रखा गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री की नीयत, नीति और निर्णय हमेशा राष्ट्रहित में निर्णायक रहे हैं। विकसित भारत का विजन आत्मनिर्भर, समृद्ध, सशक्त, सक्षम, समावेशी और तकनीकी रूप से उन्नत भारत के निर्माण का है। इस विजन को साकार करना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। इसमें हरियाणा राज्य की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए हरियाणा सरकार ने राज्य का विजन डॉक्यूमेंट–2047 तैयार किया है, जो राष्ट्र के विजन डॉक्यूमेंट से सामंजस्य करते हुए बनाया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य विजन डॉक्यूमेंट में वर्ष 2047 तक हरियाणा की अर्थव्यवस्था को एक ट्रिलियन डॉलर की बनाने का हमारा लक्ष्य है। मेरा अनुरोध है कि हरियाणा विजन–2047 को अंतिम रूप दिए जाने के बाद इसे राष्ट्रीय स्तर के विकसित भारत डैशबोर्ड में एकीकृत किया जाए।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में योगदान के लिए छः महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विशेष बल दिया है। इन बिंदुओं का राज्य के इस वित्त वर्ष के बजट में भी समावेश किया गया है। हमने हरियाणा को भविष्य सक्षम बनाने के लिए 'डिपार्टमेंट ऑफ फ्यूचर' नाम से एक नया विभाग बनाया है। यह विभाग आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्वांटम कम्प्यूटिंग और रोबोटिक्स जैसी नवीनतम तकनीकों द्वारा विकास की संभावनाओं की तलाश करेगा। डिपार्टमेंट ऑफ फ्यूचर हरियाणा के विजन–2047 के अनुरूप एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था और समावेशी विकास प्राप्त करने के लिए दीर्घकालिक रणनीतिक पहल, तकनीकी दूरदर्शिता और एकीकृत नीति बनाने के लिए नोडल एजेंसी के रूप में काम करेगा।

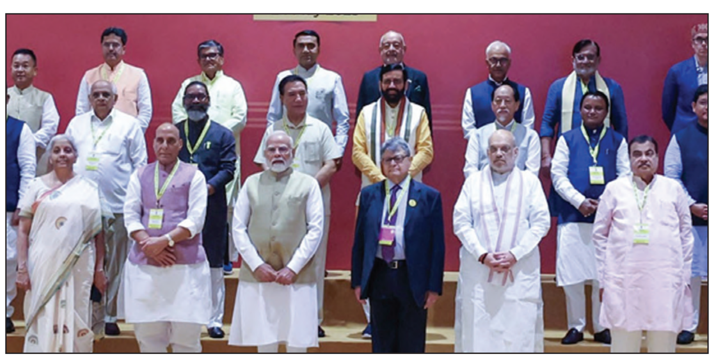

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के लिए हरियाणा ए.आई. मिशन की स्थापना कर रहे हैं। हाल ही में, हरियाणा ने इसके लिए विश्व बैंक से समझौता किया है। युवाओं को स्टार्टअप्स के लिए प्रोत्साहित करने हेतु इंटर्नशिप, मेंटरशिप और सस्ता इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने के लिए 'हरियाणा वेंचर कैपिटल फंड' तेजी से कार्य कर रहा है। इसके अलावा, राज्य सरकार ने निजी निवेशकों को 2 हजार करोड़ रुपये का एक 'फंड ऑफ फंड्स' बनाने के लिए प्रोत्साहित किया है। यह स्टार्टअप्स में निवेश करके हरियाणा को नवाचार व उद्यमिता के प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज अर्थव्यवस्था के तेज विकास में तकनीकी बाधा बड़ी समस्या है और कौशल की शेल्फ लाइफ कम होती जा रही है। इसलिए कौशल पारिस्थितिकी तंत्र को आधुनिक बनाया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने 'इंटिग्रेटिड स्किल हब' विकसित करने का प्रस्ताव भी रखा।

उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार ने गत वर्ष 'मिशन हरियाणा–2047' नामक एक उच्च स्तरीय टास्क फोर्स की शुरुआत की है। इसने राज्य के सकल घरेलू उत्पाद को एक ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाने व 50 लाख नए रोजगार पैदा करने के लिए काम शुरू कर दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा की प्रगति के बारे में साझा करते हुए बताया कि पी.एम. गति शक्ति में हरियाणा ने लगातार तीन वर्षों–2022, 2023 और 2024 के लिए लीड्स सर्वेक्षण में लैंड लॉक्ड राज्यों में 'अचीवर' श्रेणी को लगातार बरकरार रखा है। हमने 100 करोड़ रुपये से अधिक लागत की सभी परियोजनाओं का पी.एम. गति शक्ति के राष्ट्रीय मास्टर प्लान से एकीकरण अनिवार्य कर दिया है। विनियामक बोझ को कम करने के लिए 1,100 से अधिक जटिल अनुपालनों को सरल किया है। इससे प्रदेश में निवेशकों के लिए अनुकूल वातावरण बना है। जल्द ही राज्य सरकार 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस सेल' की स्थापना भी करने जा रही है। हम 37 विभागों में 230 से अधिक अधिनियमों के छोटे–छोटे प्रावधानों से अपराधीकरण को समाप्त करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। इसके लिए, एक राज्य स्तरीय 'जन विश्वास विधेयक' का मसौदा तैयार किया जा रहा है। इसे दिसंबर, 2025 तक अधिसूचित किया जाएगा। इससे विश्वसनीय, पारदर्शी और कुशल शासन प्रणाली सुनिश्चित होगी। मुख्यमंत्री ने विश्वास दिलाया कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने के लिए केंद्र सरकार जो कदम उठाएगी, उस के अनुरूप हरियाणा भी विकसित भारत में अधिकतम योगदान देने के लिए कार्य करेगा।

चार केजीबीवी को मिलेगा राज्यस्तरीय सम्मान

समाधान बन गई बेटियों की कहानियां

580 कहानियों में से चुनी गईं 18 श्रेष्ठ रचनाएं

लखनऊ, 24 मई (एजेंसियां)। जब बेटियों की कहानियां केवल कल्पना नहीं, समाधान का मार्ग बन जाएं, तब वे समाज की चेतना को स्वर देने लगती हैं। उत्तर प्रदेश में जलवायु परिवर्तन विषय पर आयोजित राज्य स्तरीय कहानी प्रतियोगिता के लिए चार केजीबीवी की छात्राओं की कहानियां श्रेष्ठतम के रूप में चयनित हुई हैं। बेटियों की इन रचनाओं में पर्यावरणीय चिंता, समाधान की सोच और रचनात्मक अभिव्यक्ति का अद्भुत समन्वय देखने को मिला है। चयनित विद्यालयों को राज्य स्तर पर शीघ्र ही सम्मानित किया जाएगा, जो न केवल इन बेटियों के लिए प्रेरणा बनेगा, बल्कि शिक्षा और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में एक मिसाल भी स्थापित करेगा। इस राज्यव्यापी कहानी लेखन प्रतियोगिता में 580 से अधिक प्रविष्टियां प्राप्त हुईं। मूल्यांकन के बाद 18 श्रेष्ठ कहानियां चयनित की गईं, जिनमें से चार विद्यालयों को राज्य स्तरीय शीर्ष पुरस्कारों से सम्मानित किया गया।

केजीबीवी मुरादनगर, गाजियाबाद को प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुई। केजीबीवी गौंरा, कानपुर देहात को द्वितीय पुरस्कार, केजीबीवी मुफ्तीगंज, जौनपुर को तृतीय पुरस्कार और केजीबीवी देवा, बाराबंकी को चतुर्थ पुरस्कार प्राप्त हुई। यूपी के कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में आयोजित कहानी लेखन गतिविधि ने बच्चों को पर्यावरण की चुनौतियों को समझने और अपने शब्दों में पिरोने का एक अनूठा अवसर प्रदान किया था। दरअसल, प्रदेश के सभी उच्च प्राथमिक और कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में मीना मंच के ज़रिये किशोरियों में जलवायु परिवर्तन, स्वास्थ्य, पोषण और जीवन कौशल पर जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से 28 सितम्बर 2024 से आयोजित ऑनलाइन जागरूकता सत्रों की श्रृंखला 15 फ़रवरी 2025 को पूरी हुई। इस दौरान डॉ. अनीता भटनागर जैन (सेवानिवृत्त आईएएस) के मार्गदर्शन में हुए हुए विभिन्न संवादों ने छात्राओं को विषयगत शोध, चर्चा और रचनात्मक टास्क के माध्यम से लिखने के लिए प्रेरित किया। कहानियों में बालिकाओं ने पर्यावरणीय समस्या, समाधान और संवेदना के स्वर के साथ अपनी कल्पना, रचनात्मकता और पर्यावरणीय चेतना के रंगों से भविष्य की धरती का चित्र खींचा है।

प्रदेश भर से कुल 580 से अधिक कहानियां प्राप्त हुईं, जिनका विशेषज्ञों के एक पैनल ने मूल्यांकन किया। अंतिम रूप से 18 उत्कृष्ट कहानियां चयनित की गईं, जिन्हें विभिन्न स्कूलों में बच्चों के सामने प्रस्तुत किया गया ताकि वे अपने विचार साझा कर सकें और प्रेरणा ले सकें। इसका उद्देश्य छात्राओं को जलवायु परिवर्तन जैसे गंभीर विषय पर सोचने, रचनात्मक रूप से व्यक्त करने और उनकी लेखन क्षमताओं को बढ़ावा देना था। प्रत्येक केजीबीवी को पर्यावरण के एक विशिष्ट पहलू पर कहानी लिखने का विषय दिया गया, जिनमें जल संरक्षण, बढ़ता तापमान, शहरों में प्रदूषण, सिंगल-यूज़ प्लास्टिक और जानवरों की नज़र से पृथ्वी जैसे विषय शामिल रहे। छात्राओं ने अपनी कहानियों के माध्यम से न केवल पर्यावरणीय समस्याओं को उजागर किया, बल्कि समाधान और आशा के संदेश भी दिए। कहानियों के साथ-साथ बच्चों ने रंगीन चित्र बनाकर अपनी कल्पनाशीलता को और भी जीवंत बनाया। यह प्रयास एक समूह गतिविधि के रूप में हुआ, जिसमें बच्चों ने मिलकर सहयोग किया और सीखने का आनंद लिया।

इन पुरस्कार विजेता छात्राओं को प्रख्यात बाल साहित्यकार एवं पूर्व आईएएस अधिकारी डॉ. अनीता भटनागर जैन की हस्ताक्षरित पुस्तक कुक्करू भेंट की जाएगी, जो बच्चों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता और संवेदनशी-लता बढ़ाने में सहायक मानी जाती है। बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने कहा, पर्यावरण संरक्षण की शिक्षा अब केवल सैद्धांतिक ज्ञान तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। बच्चों की कल्पनाशीलता और रचनात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से उन्हें इस दिशा में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया जाना आवश्यक है। ऐसे आयोजन न केवल उनकी सोच को विस्तार देते हैं, बल्कि उन्हें भविष्य के लिए एक जागरूक और जिम्मेदार नागरिक बनने की दिशा में भी मार्गदर्शन करते हैं।

यूपी की विधि विज्ञान प्रयोगशालाएं अपराधियों को दिला रही सख्त सजा

लखनऊ, 24 मई (एजेंसियां)। योगी सरकार ने जीरो टॉलरेंस नीति के तहत अपराधियों को कानून के शिकंजे में लाने और दोषियों को कठोर सजा दिलाने की दिशा कई बड़े कदम उठाए हैं। इसी के तहत प्रदेश में पिछले आठ वर्षों में अपराधियों को साक्ष्य के जरिये कठोर से कठोर सजा दिलाने के लिए अत्याधुनिक विधि विज्ञान प्रयोगशालाओं को निर्माण किया। इसके जरिये पिछले आठ वर्षों में योगी सरकार ने 75 हजार से अधिक अपराधियों को साक्ष्यों के आधार पर कठोर सजा दिलाई है। वहीं वर्ष 2017 से साक्ष्य के अभाव में दुर्दांत अपराधी और माफिया बरी हो जाते थे, अब अत्याधुनिक विधि विज्ञान प्रयो-गशालाओं से अभियोजन पक्ष को मजबूत आधार मिल रहा है, जिससे अपराधियों को सजा दिलाने में उल्लेखनीय सफलता मिल रही है।

प्रदेश में वर्ष 2017 से पहले केवल 4 विधि विज्ञान प्रयोगशा-लाएं (लखनऊ, वाराणसी, आगरा, गाजियाबाद) थीं, जिससे सीमित जिलों को ही वैज्ञानिक परीक्षण की सुविधा मिल पाती थी।

वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में इस दिशा में तेजी से काम हुआ है। बीते आठ वर्षों में 8 नए जिलों (झांसी, कन्नौज, प्रयागराज, गोरखपुर, बरेली, गोंडा, अलीगढ़ व मुरादाबाद) में प्रयोगशालाएं स्थापित की गईं, जिससे अब इनकी संख्या 12 हो गई है। इसके अलावा अयोध्या, बरेली, बांदा, आजमगढ़, मिर्जापुर और सह-ारनपुर में 6 नई प्रयोगशालाओं की स्थापना दिशा में युद्धस्तर पर काम किया जा रहा है, जो जल्द ही शुरू हो जाएंगी। सीएम योगी के प्रयासों से प्रदेश की विधि विज्ञान प्रयो-गशालाओं के कार्यों में तेजी का सीधा असर अभियोजन पर भी पड़ा है। वर्ष 2022 की तुलना में वर्ष 2023 में प्रयोगशालाओं द्वारा अधिक मामलों का निस्तारण किया गया, जिससे अभियोजन पक्ष को अपराधियों को सजा दिलाने में मजबूती मिली।

योगी सरकार ने जीरो टॉलरेंस नीति के तहत कई नये कीर्तिमान भी स्थापित किये हैं। इसके जरिये प्रदेश ने राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। नेशनल ऑटोमेटेड फिंगर प्रिंट आइडेंटिफिकेशन सिस्टम (नफीस) के तहत अंगुली छाप डाटाबेस को राज्य स्तर पर हाईस्पीड सर्वर से जोड़ा गया है। एनसीआरबी, नई दिल्ली के अनुसार अंगुली छाप एनरोलमेंट में प्रदेश देश में प्रथम स्थान पर है। अब तक 4,14,473 अंगुली छापों का सफलतापूर्वक पंजीकरण किया जा चुका है। यह आंकड़ा दर्शाता है कि किस प्रकार प्रदेश ने अपराधियों के खिलाफ सबूत जुटाने और उनके डिजिटल रिकॉर्ड को एकत्र करने में तकनीकी दक्षता हासिल की है। इससे अभियानों में तेज़ी और अपराध नियंत्रण में स्पष्ट सफलता मिली है। नफीस के संचालन के लिए योगी सरकार ने केंद्र से समन्वय स्थापित कर एक मजबूत नेटवर्क तैयार किया है। प्रदेश स्तर पर स्थापित सर्वर के ज़रिए सभी जिलों से वास्तविक समय में अंगुली छापों का विश्-लेषण संभव हो रहा है। इसके लिए अधिकारियों व तकनीकी स्टाफ को विशेष प्रशिक्षण भी दिया गया है। वहीं, बॉयोलॉजिकल नमूनों के विश्लेषण के लिए नई तकनीकों को अपनाया गया है, जिनमें कानून के प्रावधानों के अनुसार अनुसंधान किया जा रहा है। इससे साक्ष्य की वैधता और विश्वसनीयता में वृद्धि हुई है।

योगी सरकार स्थापित की गई नयी प्रयोगशालाओं में वैज्ञानिकों द्वारा लगातार रिसर्च और परीक्षण किए जा रहे हैं, जिससे न्याय प्रणाली को त्वरित और तथ्यपरक निर्णय लेने में मदद मिल रही है। इसमें हत्या, बलात्कार, चोरी, साइबर क्राइम जैसे मामलों में वैज्ञानिक साक्ष्य अभियोजन के लिए निर्णायक भूमिका निभा रहे हैं।

यूपी में इको टूरिज्म बढ़ाने के लिए शुरू हो रही बफर में सफर योजना

लखनऊ, 24 मई (एजेंसियां)। वन एवं वन्य जीव विभाग उत्तर प्रदेश को इको टूरिज्म के हब के तौर पर विकसित कर रहा है। वन एवं वन्यजीव विभाग के संबंधित अधिकारियों ने बताया कि विभाग प्रदेश के प्राकृतिक सौंदर्य और जैव विविधता को संरक्षित करते हुए बफर में सफर योजना शुरू की जा रही है। जिसके तहत प्रदेश के टाइगर रिजर्वों में नये सफारी रूटों के साथ भीरा और मोहम्मदी जैसे क्षेत्रों में ईको टूरिज्म की नई संभावन-ाओं को विकसित किया जा रहा है। साथ ही स्थानीय लोगों को गाइड, रेस्टोरेंट संचालक के रूप में प्रशिक्षित कर स्थानीय रोजगार को भी बढ़ावा दिया जाएगा। इन प्रयासों का परिणाम है कि यूपी में पिछले वर्षों में इको टूरिज्म के पर्यटकों की संख्या में भी तीव्र वृद्धि हुई है।

प्रदेश के वन एवं वन्य जीव विभाग ने मानसून के दौरान बफर में सफर योजना शुरू करने की घोषणा की है। प्रदेश के टाइगर रिजर्वों के बफर जोन में सफारी के नए रूटों को विकसित किया जा रहा है। इस योजना के तहत दुधवा, पीलीभीत टाइगर रिजर्व, और उत्तर खीरी बफर जोन में नए सफारी रूट विकसित किए जा रहे हैं। इसके तहत सोहागीबरवा, उत्तर खीरी और पीलीभीत में बफर जोन क्षेत्रों के नए मार्गों का चयन किया गया है। इन बफर जोन में पर्यटक बरसात के दिनों में भी सफारी का आनंद ले सकेंगे। साथ ही पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए टाईगर रिजर्वों को अधिक दिन खोलने की भी व्यवस्था की जा रही है। बफर में सफर योजना का सबसे बड़ा लाभ मानव और वन्य जीवों के संघर्ष में कमी लाते हुए पर्यटकों को जंगल के रोमांच अनुभव प्रदान करना है। वन एवं वन्य जीव विभाग प्रदेश में ईको टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए टाइगर रिजर्व और अभ्यारण्यों के अतिरिक्त अन्य नई संभावनाओं को भी विस्तार दे रहा है। इस दिशा में लखीमपुर खीरी के भीर और मोहम्मदी के क्षेत्रों को भी ईको टूरिज्म के स्पाट के तौर पर विकसित किया जा रहा है। दक्षिणी खीरी के गोला, मोहम्मदी रेंज और भीर में टूरिस्ट सर्किट का निर्माण किया गया है। साथ ही इस क्षेत्र में पड़ने वाली सेमराई झील, जो पक्षियों के प्रवास के लिए प्रसिद्ध है, इसको भी सर्किट में पर्यटकों के मनोरंजन के लिए शामिल किया जाएगा। नेपाल सीमा से सटे हुए कर्तनिया घाट के बफर जोन में भी जंगल सफारी की शुरुआत की गई है। इन क्षेत्रों में प्राकृतिक सुंदरता, जैव विविधता के साथ वन्य जीवों की समृद्धि पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बनेगी।

वन एवं वन्य जीव विभाग सीएम योगी के विजन के मुताबिक उत्तर प्रदेश को ईको टूरिज्म का हब बनाने की दिशा में कई और नवीन प्रयास कर रहा है। इस दिशा क्रम में दुधवा पर्यटन परिसर में एक आधुनिक सूचना केंद्र की स्थापना की गई है, जो पर्यटकों को क्षेत्र की जैव विविधता, वन्य जीव, और स्थानीय संस्कृति की जानकारी प्रदान करेगा और लोगों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक भी करेगा। इसके साथ ही स्थानीय लोगों को रोजगार से जोड़ने के लिए नेचर गाइड, कैंटीन कर्मियों, और खानसामों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। यह प्रशिक्षण न केवल उनकी कौशल क्षमता को बढ़ाएगा, बल्कि पर्यटकों को उच्च गुणवत्ता वाली सेवाएं भी सुनिश्चित करेगा। साथ ही स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार और आय के नए अवसर भी प्रदान करेगा। इन प्रयासों के चलते उत्तर प्रदेश जल्द ही देश और दुनिया के नक्शे पर इको टूरिज्म के एक प्रमुख केंद्र के रूप में उभर रहा है।

यूपी में एआई-ड्रोन सीख रहे श्रमिकों के बच्चे

लखनऊ, 24 मई (एजेंसियां)। जो बच्चे कभी स्कूल तक नहीं पहुंच पाते थे, आज वे इसरो के वैज्ञानिकों के सामने अपनी टेक्नोलॉजी पेश कर रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में यह उत्तर प्रदेश के अटल आवासीय विद्यालयों में संभव हो रहा है। मजदूरों और कोविड काल में अनाथ हुए बच्चों के लिए शुरू किए गए इन विद्यालयों ने महज शिक्षा नहीं, बल्कि नवाचार और आत्मविश्वास की नींव रख दी है।

प्रदेश के 17 मंडलों में अटल आव-ासीय विद्यालय संचालित हैं। मुरादाबाद में इसका उद्घाटन होना है। वर्तमान में इन विद्यालयों में 10,947 छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं। खास बात यह है कि यहां लड़कों और लड़कियों का समान अनुपात (50:50) सुनिश्चित किया गया है जो महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक मिसाल है। ये विद्यालय बीओ-सीडब्ल्यू बोर्ड से पंजीकृत श्रमिकों के बच्चों और कोविड-19 में निराश्रित हुए बच्चों के लिए समर्पित हैं।

अटल विद्यालय सिर्फ किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं हैं। यहां एआई, ड्रोन और स्पेस टेक्नोलॉजी की पढ़ाई हो रही है। छात्र-छात्राएं न केवल टेक्नोलॉजी सीख रहे हैं, बल्कि उसका अभिनव प्रयोग भी कर रहे हैं। इसका सबसे बड़ा प्रमाण है 25 जनवरी 2025 को आयोजित स्पेसटेक एक्सपो 2025 में,

जो अटल आवासीय विद्यालय, लखनऊ में हुआ। इस आयोजन में प्रदेश के सभी मंडलों के विद्यालयों ने भाग लिया और बच्चों ने अपने प्रोजेक्ट्स से सबको चौंका दिया। बच्चों की इस प्रतिभा प्रदर्शन को सराहने स्वयं इसरो (एसएसी) के निदेशक अटल विद्यालय लखनऊ पहुंचे। उन्होंने बच्चों को सम्मानित किया और विद्यालय की व्यवस्था की खुले मन से प्रशंसा की। इससे पहले कई मेधावी छात्र-छात्राओं को इसरो भ्रमण पर भी भेजा गया था, जिससे उनका आत्मविश्वास और जिज्ञासा दोनों को नई उड़ान मिली।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बीते मार्च में बरेली में अटल आवासीय विद्यालय के उद्घाटन के अवसर पर अटल विद्यालयों को शिक्षा का मॉडल बताते हुए कहा कि यह एक ऐसा इंटीग्रेटेड परिसर है, जहां छात्रों को शिक्षा के साथ रहने, भोजन, खेल, लाइब्रेरी और कौशल विकास के सभी अवसर समान रूप से मिलते हैं।सीएम योगी ने कहा कि पहले इस सेस का दुरुपयोग होता था, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी जी के निर्देश पर इसे बच्चों के भविष्य निर्माण में लगाया जा रहा है।

श्रमिक वर्ग के जिन बच्चों को पहले मुख्यधारा से बाहर माना जाता था, वही आज तकनीकी दुनिया में नई पहचान बना रहे हैं। इन विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों का आत्मविश्वास, उनके विचार और उनका कौशल दर्शाता है कि यदि सही दिशा और संसाधन मिलें, तो वे राष्ट्र निर्माण के सशक्त वाहक बन सकते हैं। उत्तर प्रदेश में अटल आवासीय विद्यालय अब केवल स्कूल नहीं, बल्कि टैलेंट की प्रयोगशाला बन चुके हैं, जहां हर बच्चा अपने भीतर एक वैज्ञानिक, इंजीनियर या राष्ट्रसेवक का सपना संजो रहा है, और उसे पूरा भी कर रहा है। इन विद्यालयों में प्रवेश परीक्षा के माध्यम से चयनित बच्चों को सीबीएसई पाठ्यक्रम के तहत गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जा रही है। शिक्षकों के लिए नियमित प्रशिक्षण और ओरियंटेशन कोर्स आयोजित किए जाते हैं, ताकि बच्चों की शिक्षा और रुचि के अनुसार पाठ्यक्रम को सरल और प्रभावी बनाया जा सके।

सरकार का उद्देश्य मजदूरों के सिर्फ सम्मान तक ही सीमित नहीं हैं, सरकार की योजनाएं और इसके सफलता के आंकड़े खुद ही सरकार की श्रमिकों के प्रति मंशा को जाहिर कर रहें हैं। कोविड-19 महामारी के दौरान जिन बच्चों ने अपने माता-पिता को खोया, उनके लिए योगी सरकार ने संवेदनशी-लता का परिचय देते हुए एक अभिनव कदम उठाया।

पंजीकृत श्रमिकों के बच्चों एवं कोविड काल में निराश्रित हुए बच्चों के व्यवस्थित पठन-पाठन के लिए प्रदेश के सभी मंडलों में सर्व सुविधायुक्त अटल आवासीय विद्यालयों का संचालन किया जा रहा है। अटल आवासीय विद्यालय, मुरादाबाद का लोकार्पण कराया जाना प्रस्तावित है

जून से शुरू होगा इंटरनेशनल फिल्म सिटी का निर्माण

यमुना एक्सप्रेस-वे पर 1000 एकड़ में बन रही है फिल्म सिटी

लखनऊ/ग्रेटर नोएडा, 24 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ड्रीम प्रोजेक्ट इंटरनेशनल फिल्म सिटी का निर्माण कार्य इस माह के अंत तक या फिर अगले माह से शुरू हो सकता है। निर्माण कार्य के लिए चयनित निर्माता बोनी कपूर की कंपनी बेव्यू प्रोजेक्ट्स एलएलपी ने तैयारी पूरी कर ली है। जिस भूमि पर निर्माण होना है उसका जियो-टेक्निकल सर्वे लगभग पूर्ण हो चुका है और कंपनी आने वाले दो-तीन दिनों में अपना बिल्डिंग प्लान सबमिट कर देगी। इस बीच भूमि को समतल करने का कार्य जारी है और सड़क निर्माण सहित अन्य विकास कार्य भी तीव्र गति से प्रगति पर हैं। साफ-सफाई का काम लगभग पूरा हो चुका है। सभी अप्रूवल मिलते ही निर्माण कार्य का शुभारंभ हो जाएगा। इसका शिलान्यास मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कर कमलो से कराया जाएगा। उल्लेखनीय है कि योगी सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) क्षेत्र में यह इंटरनेशनल फिल्म सिटी स्थापित की जा रही है, जिसका उद्देश्य राज्य को फिल्म निर्माण, मीडिया, मनोरंजन और पर्यटन के क्षेत्र में नई पहचान दिलाना है।

बेव्यू प्रोजेक्ट्स एलएलपी के जीएम राजीव अरोड़ा के अनुसार, जैसे ही बिल्डिंग प्लान को मंजूरी मिलती है, निर्माण कार्य

औपचारिक रूप से शुरू कर दिया जाएगा। पहले चरण (फेज-1) में कंपनी 13 से 14 अत्याधुनिक फिल्म साउंड स्टूडियो और लगभग 3 लाख वर्ग मीटर में फैला फिल्म इंस्टीट्यूट स्थापित करेगी। इस पूरी परियोजना का निर्माण तीन चरणों में 8 वर्षों के भीतर किया जाएगा। राजीव अरोड़ा ने कहा, हम ऐसी फिल्म सिटी बनाएंगे, जो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सपनों को साकार करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि फिल्म सिटी के शिलान्यास का कार्य स्वयं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा किया जाएगा, जिसके लिए मुख्यमंत्री कार्यालय से समय निर्धारित करने की प्रक्रिया चल रही है।

यीडा क्षेत्र में विकसित होने जा रही फिल्म सिटी के निर्माण को लेकर यीडा भी काफी उत्साहित है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर यीडा इस प्रोजेक्ट को जल्द से जल्द शुरू करने को तैयार है। इसके बीच में आने वाली हर तरह की अड़चन को दूर किया जा रहा है। भूमि अधिग्रहण से लेकर किसानों को मुआवजे तक की प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता के साथ की जा रही है। यह परियोजना न केवल उत्तर प्रदेश को एक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय फिल्म निर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करेगी, बल्कि राज्य में रोजगार सृजन, निवेश आकर्षण और सांस्कृतिक विरासत के प्रचार-प्रसार में भी अहम भूमिका निभाएगी। योगी सरकार का यह ड्रीम प्रोजेक्ट उत्तर प्रदेश की छवि को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है।

फिल्म सिटी परियोजना को यमुना एक्सप्रेस-वे पर स्थित सेक्टर-21 में विकसित किया जा रहा है, जिसका कुल क्षेत्रफल 1000 एकड़ है। परियोजना के पहले चरण (फेज-1) में 230 एकड़ भूमि पर काम शुरू किया जाएगा, जिसकी अनुमानित लागत 1510 करोड़ है। सर्वाधिक 18 प्रतिशत ग्रॉस रेवेन्यू शेयर का प्रस्ताव देकर हाईएस्ट बिडर के रूप में चयनित बेव्यू प्रोजेक्ट्स एलएलपी को लेटर ऑफ अवार्ड विगत वर्ष ही जारी किया जा चुका है। 27 जून 2024 को यीडा और कंसेशनेयर प्रतिनिधि बोनी कपूर के बीच कंसेशन एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर भी हो चुके हैं, जिसके अनुरूप, 27 फरवरी 2025 को साइट का राइट ऑफ वे कंसेशनेयर को हस्तांतरित कर दिया गया है। इस परियोजना के तहत फिल्म सिटी का मास्टर प्लान 30 जनवरी 2025 को अनुमोदित किया गया। भविष्य में शेष 770 एकड़ भूमि पर फेज-2 और फेज-3 के अंतर्गत विस्तार किया जाएगा।

योगी सरकार की सुपोषण पहल

यूपी में 347 नई टीएचआर इकाइयां स्थापित होंगी

लखनऊ, 24 मई (एजेंसियां)। योगी सरकार की उत्तर प्रदेश में कुपोषण के खिलाफ जंग तेज हो रही है। वर्तमान में 43 जनपदों में 204 टेक होम राशन (टीएचआर) इकाइयों से 288 परियोजनाओं को आपूर्ति हो रही है और अब 2026-27 तक 347 नई टीएचआर इकाइयों की स्थापना का लक्ष्य रखा गया है। इस योजना के लिए 273.50 करोड़ रुपए की धनराशि आवंटित की गई है, जिससे बच्चों, गर्भवती महिलाओं और धात्री माताओं तक पौष्टिक आहार सुनिश्चित होगा।

उत्तर प्रदेश सरकार ने टीएचआर उत्पादन इकाइयों को विकेंद्रीकृत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। पहले चरण में 43 जनपदों में 204 इकाइयां कार्यरत हैं, जो 288 परियोजनाओं को पौष्टिक राशन उपलब्ध करा रही हैं। इन इकाइयों के माध्यम से बच्चों, गर्भवती और धात्री माताओं को गुणवत्तापूर्ण पोषण समय पर मिल रहा है। सरकार ने अब दूसरे चरण में 2026-27 तक 347 नई इकाइयों की स्थापना का लक्ष्य तय किया है, जिससे हर जिले में टीएचआर इकाइयां स्थापित हो सकें। योजना के तहत विकेंद्रीकृत भुगतान व्यवस्था लागू की गई है, जिसके लिए कुल 273.50 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। संतकबीर नगर, अंबेडकरनगर, बस्ती, सिद्धार्थनगर, अलीगढ़, बांदा, इटावा, प्रतापगढ़, ललितपुर, औरैया और महोबा जैसे जनपदों ने शत-प्रतिशत भुगतान पूरा कर लिया है, जो इस योजना की सफलता को दर्शाता है।

भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम के सहायक कोच नियुक्त हुए बिरेन्द्र लाकड़ा

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)।

हॉकी इंडिया ने शनिवार को भारतीय पुरुष हॉकी टीम के पूर्व स्टार खिलाड़ी बिरेन्द्र लाकड़ा को भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम का सहायक कोच नियुक्त किया है। 35 वर्षीय अनुभवी डिफेंडर अब टीम के मुख्य कोच पीआर श्रीजेश के साथ मिलकर युवा खिलाड़ियों को प्रशिक्षण देंगे।

खिलाड़ी से कोच बनने की इस नई भूमिका में लाकड़ा का अनुभव टीम की डिफेंस संरचना और मैच टेम्परामेंट को मजबूत करने में सहायक होगा। यह नियुक्ति खास तौर पर एफआईएच जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप 2025 को ध्यान में रखते हुए की गई है, जो 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक चेन्नई और मदुरै में आयोजित होगा।

बिरेन्द्र लाकड़ा ने 2010 में भारतीय सीनियर टीम के लिए डेब्यू किया और जल्द ही देश के सबसे भरोसेमंद डिफेंडर्स में शुमार हो गए। उन्होंने लंदन 2012 और टोक्यो 2020 ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया।

अपने शानदार करियर में उन्होंने एशियन गेम्स 2014 में गोल्ड, 2018 में ब्रॉन्ज, एशिया कप 2013 में सिल्वर, कॉमनवेल्थ गेम्स 2014 में सिल्वर, चैम्पियंस ट्रॉफी 2018 में सिल्वर जैसे कई महत्वपूर्ण पदक भारत को दिलाए। ओडिशा के रहने वाले लाकड़ा हाल ही में हीरो हॉकी इंडिया लीग 2024-25 में टीम गोणासिका की ओर से खेले, जिससे उनकी फिटनेस और हॉकी के प्रति जुनून झलकता है।

नई भूमिका को लेकर बिरेन्द्र लाकड़ा ने कहा, इस महत्वपूर्ण समय में भारतीय जूनियर टीम का हिस्सा बनना मेरे लिए बहुत गर्व की बात है। मैंने भारत की जर्सी पहनने की कीमत को समझा है और अब मैं अगली पीढ़ी को इसके लिए तैयार करने के लिए उत्सुक हूं।

श्रीजेश के साथ काम करना, जो मेरे साथी और प्रेरणा रहे हैं, एक रोमांचक चुनौती है। हम एक ऐसी टीम बनाना चाहते हैं जो निडर होकर खेल सके और देश को गर्व महसूस करा सके। टीम के कोच पीआर श्रीजेश ने कहा, बिरेन्द्र का टीम से जुड़ना हमारे लिए बहुत बड़ा फायदा है। उनके पास जबरदस्त अनुभव, रणनीतिक समझ और शांत नेतृत्व है, जो इन युवा खिलाड़ियों के लिए बेहद मूल्यवान होगा। हमने मैदान पर कई मुकाबले एक साथ खेले हैं और अब कोच की भूमिका में भी वही जोश और समर्पण लेकर आएंगे। हमारा लक्ष्य एक ऐसी टीम बनाना है जो आने वाले टूर्नामेंट्स, खासकर जूनियर वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन करे।

न्यूज़ ब्रीफ

मलेशिया मास्टर्स: किदांबी श्रीकांत ने तीन साल बाद किसी फाइनल में बनाई जगह

नई दिल्ली। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत ने मलेशिया मास्टर्स सुपर 500 टूर्नामेंट के पुरुष एकल फाइनल में जगह बना ली है। उन्होंने शनिवार को जापान के युशी तनाका को सीधे गेमों में हराकर यह सफलता हासिल की। 2021 वर्ल्ड चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता 32 वर्षीय श्रीकांत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पुराने अंदाज़ की झलक दिखाई। तेज़ नेट प्ले और आक्रामक शॉट्स के दम पर उन्होंने विश्व नंबर 23 तनाका को 21-18, 24-22 से हराया। यह श्रीकांत की छह साल में बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर पर पहली फाइनल एंट्री है। इससे पहले वह 2019 इंडिया ओपन में उपविजेता रहे थे। श्रीकांत ने आखिरी बार 2017 में चार खिताब अपने नाम किए थे। एक समय के विश्व नंबर 1 रह चुके श्रीकांत की मौजूदा रैंकिंग 65वीं है। बीते कुछ सालों में वह फॉर्म और फिटनेस के कारण संघर्ष करते रहे हैं, लेकिन इस प्रदर्शन से उन्होंने वापसी के संकेत दिए हैं।

आईपीएल 2025: क्रुणाल पांड्या हिट विकेट होने वाले दूसरे बल्लेबाज़ बने

नई दिल्ली। लखनऊ में शुक्रवार को खेले गए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के मुकाबले में एक अनोखा और दुर्भाग्यपूर्ण विकेट देखने को मिला। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की ओर से बल्लेबाजी कर रहे क्रुणाल पांड्या हिट विकेट होकर आउट हुए। आईपीएल 2025 में यह दूसरा मौका है जब कोई बल्लेबाज़ इस अंदाज़ में आउट हुआ है। क्रुणाल पांड्या इस सीज़न हिट विकेट आउट होने वाले दूसरे बल्लेबाज़ बने हैं। इससे पहले अभिनव मनोहर को इसी तरह का अजीबो-गरीब आउट देखा गया था। पूरे आईपीएल इतिहास की बात करें तो पांड्या अब इस तरह आउट होने वाले 17वें बल्लेबाज़ हैं। यह घटना दूसरे इनिंग्स के 19वें ओवर में घटी जब पांड्या पैट कमिंस की गेंद का सामना कर रहे थे। वह यॉर्कर गेंद को खेलने के लिए क्रीज़ में काफी पीछे चले गए, लेकिन शॉट खेलते वक्त उनका बल्ला स्टंप्स से टकरा गया। गेंद बल्ले से नहीं लगी, लेकिन बल्ले से लगी गिल्लियां ज़रूर गिर गईं। इसके बाद पांड्या सिर हिलाते हुए मात्र 6 गेंदों में 8 रन बनाकर पवेलियन लौटे। आईपीएल में सबसे पहले हिट विकेट का शिकार मुसाविर खोते बने थे। यह घटना 2008 में लीग के पहले सीज़न में हुई थी। तब से अब तक 17 खिलाड़ी इस तरीके से आउट हो चुके हैं। इस मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट पर 231 रन बनाए। जवाब में आरसीबी की टीम 19 ओवर में 189 रन पर ही ढेर हो गई।

जानुष कुसोचिंस्की मेमोरियल 2025 दूसरे स्थान पर रहे नीरज चोपड़ा, 22वीं बार टॉप-2 में खत्म किया मुकाबला

नई दिल्ली। पोलैंड में शुक्रवार को हुए जानुष कुसोचिंस्की मेमोरियल 2025 जैवलिन थ्रो इवेंट में भारत के स्टार

एथलीट नीरज चोपड़ा ने दमदार वापसी करते हुए आखिरी प्रयास में 84.14 मीटर का थ्रो फेंककर दूसरा स्थान हासिल किया। इस प्रतियोगिता में जर्मनी के जूलियन वेबर ने 86.12 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ पहला स्थान हासिल किया, जो उन्होंने दूसरे राउंड में फेंका। वहीं, ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स 83.24 मीटर के थ्रो के साथ तीसरे नंबर पर रहे। नीरज ने अपने आखिरी प्रयास में बाज़ी मारते हुए पीटर्स को पीछे धकेला। ओलंपिक चैंपियन नीरज की शुरुआत इस बार फीकी रही। उन्होंने पहला प्रयास फाउल किया, जबकि दूसरे राउंड में 81.28 मीटर का थ्रो फेंका। तीसरे और चौथे प्रयास में भी वे फाउल कर बैठे। हालांकि, पांचवें राउंड में उन्होंने खुद को बेहतर करते हुए 81.80 मीटर तक पहुंचे और आखिरी प्रयास में 84.14 मीटर की दूरी तय कर टॉप-2 में अपनी जगह सुनिश्चित की। नीरज चोपड़ा के लिए यह लगातार 22वां इवेंट रहा, जिसमें उन्होंने टॉप-2 में जगह बनाई है। आखिरी बार वे 26 जून 2021 को फिनलैंड में हुए कूओर्तान गेम्स में टॉप-2 से बाहर रहे थे। नीरज चोपड़ा अब 24 जून को चेक गणराज्य में होने वाले ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक मीट में हिस्सा लेंगे, जहां वे एक बार फिर पोडियम फिनिश की कोशिश करेंगे।

दिल्ली ने पंजाब को छह विकेट से हराया

समीर रिजवी का अर्धशतक, नायर ने बनाए 44 रन

जयपुर, 24 मई (एजेंसियां)।

आईपीएल 2025 के प्लेऑफ में पहुंच चुकी टीमों के हार का सिलसिला जारी है। गुजरात टाइटंस और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बाद पंजाब किंग्स को भी हार झेलनी पड़ी है। दिल्ली कैपिटल्स ने सवाई मान सिंह स्टेडियम पर पंजाब किंग्स को 6 विकेट से हराया। पहले खेलते हुए पंजाब किंग्स ने 8 विकेट पर 206 रन बनाए थे। दिल्ली कैपिटल्स ने आखिरी ओवर में मुकाबला अपने नाम कर लिया। बल्ले से दिल्ली के लिए समीर रिजवी और करुण नायर हीरो रहे। यह सीजन में दिल्ली का आखिरी मुकाबला था। 15 पॉइंट के साथ टीम टेबल में 5वें स्थान पर रही।

युवा बल्लेबाज समीर रिजवी ने आईपीएल में अपनी पहली फिफ्टी लगाई। 22 गेंदों पर रिजवी फिफ्टी तक पहुंचे। वह 25 गेंद पर 58 रन बनाकर नाबाद रहे। अपनी पारी में रिजवी ने 3 चौके और 5 छक्के लगाए। उन्होंने मार्कस स्टोइनिस की गेंद पर छक्का लगाकर मैच फिनिश किया। करुण नायर के बल्ले से 27 गेंद पर 44 रनों की पारी निकली। उन्होंने 5 चौके और 2 छक्के मारे।

पंजाब किंग्स के लिए मार्कस स्टोइनिस के 16 गेंद में नाबाद 44 रन और श्रेयस अय्यर ने 34 गेंद में 53 रन बनाये। स्टोइनिस ने अपनी पारी में चार छक्के और तीन चौके जड़कर पंजाब को 200 रन के पार पहुंचाया। दिल्ली को पहली सफलता जल्दी ही मिली जब प्रियांश आर्य (छह) ने मुस्तफिजुर रहमान की शॉर्ट गेंद पर विकेटकीपर ट्रिस्टन स्टब्स को कैच थमा दिया। जोश इंगलिस ने मुकेश कुमार को दो चौके लगाकर शुरुआत की जबकि प्रभसिमरन सिंह ने मुस्तफिजुर को चौका लगाया।प्रभसिमरन ने मोहित शर्मा को दो चौके लगाये। पावरप्ले के आखिरी ओवर में विराज निगम को इंगलिस ने एक छक्का और एक चौका लगाया लेकिन फिर गुगली पर चकमा खा गए और स्टब्स ने कुशल स्टम्पिंग का नमूना पेश करके उन्हें पवेलियन भेजा। उन्होंने 12 गेंद पर 32 रन ठोके। इसके बाद पंजाब के कप्तान अय्यर क्रीज पर आये और चौके के साथ खाता खोला। इस बीच प्रभसिमरन ने कुलदीप यादव की पहली ही गेंद पर छक्का लगाया और फिर निगम को भी नहीं बख्शा। निगम ने हालांकि उनकी पारी का नौवे ओवर में अंत किया।

इसके बावजूद अय्यर विचलित नहीं हुए और कुलदीप को स्लॉग स्वीप पर डीप मिडविकेट में छक्का लगाया।

जिनेवा ओपन: जोकोविच 100वें एटीपी खिताब के एक कदम दूर, सेमीफाइनल में नॉरी को हराया

जिनेवा, 24 मई (एजेंसियां)।

दुनिया के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने शुक्रवार को कैमरन नॉरी को हराकर जिनेवा ओपन के फाइनल में जगह बना ली है। इस जीत के साथ वह अपने करियर के 100वें खिताब से महज एक कदम दूर पहुंच गए हैं।

24 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता जोकोविच ने सेमीफाइनल मुकाबले में ब्रिटेन के नॉरी को 6-4, 6-7 (6/8), 6-1 से हराया। पहला सेट जोकोविच ने सातवें गेम में ब्रेक हासिल कर 6-4 से अपने नाम किया। हालांकि, दूसरे सेट में वह 5-2 से पिछड़ने के बावजूद टाईब्रेक तक मुकाबला ले गए, लेकिन एक मैच पॉइंट गंवाकर सेट 6-7 से गंवा दिया।

निर्णायक सेट में जोकोविच पूरी तरह हावी नजर आए। उन्होंने शुरुआती तीन गेम लगातार जीतते हुए 3-0 की बढ़त बनाई और अंतत: दूसरा मैच पॉइंट भुनाते हुए मुकाबला अपने नाम किया।

अब फाइनल में जोकोविच का सामना पोलैंड के ह्यूबर्ट हर्काज से होगा। अगर वह यह खिताब जीतते हैं, तो एटीपी टूर में 100 खिताब जीतने वाले जिमी कोनर्स और रोजर फेडरर के बाद तीसरे खिलाड़ी बन जाएंगे।

38 वर्षीय जोकोविच का यह इस सीजन में पहला फाइनल है। उन्होंने पिछले साल पेरिस ओलंपिक में गोल्ड मेडल जीता था, लेकिन उसके बाद से कोई खिताब नहीं जीता। यह टूर्नामेंट उन्होंने फ्रेंच ओपन की तैयारी के लिए चुना है।

जोकोविच अब रविवार से शुरू हो रहे फ्रेंच ओपन में उतरेंगे, जहां उनका पहला मुकाबला अमेरिका के मैकेंज़ी मैकडॉनल्ड से होगा। वह इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में चौथी बार खिताब जीतकर अपना 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब हासिल करना चाहेंगे।

मिक्स डबल्स बैडमिंटन क्वार्टरफाइनल

क्वालालंपुर में मिक्स डबल्स बैडमिंटन क्वार्टरफाइनल में खेलती हुई थाईलैंड की जोड़ी।

इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड्स चैंपियनशिप: उद्घाटन मुकाबले में इंडियन वॉरियर्स से भिड़ेंगे अफ्रीकन लायंस

ग्रेटर नोएडा, 24 मई (एजेंसियां)।

शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स ग्रेटर नोएडा में 27 मई से शुरू हो रही इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड्स चैंपियनशिप (आईएलसी) का उद्घाटन मुकाबला इंडियन वॉरियर्स और अफ्रीकन लायंस के बीच 27 मई को शाम खेला जाएगा। इसके बाद 28 मई से प्रतिदिन डबल हेडर मुकाबले देखने को मिलेंगे। दिन का पहला मैच दोपहर 3:30 बजे से, जबकि दूसरा मुकाबला शाम 7:30 बजे शुरू होगा। लीग चरण 3 जून को समाप्त होगा, जिसके बाद सेमीफाइनल मुकाबले 4 जून को क्रमश: दोपहर 3:30 बजे और शाम 7:30 बजे से खेले जाएंगे। इसके बाद 5 जून को भव्य समापन समारोह के साथ ग्रैंड फिनाले मुकाबला खेला जाना तय है। आईएलसी के संस्थापक और निदेशक प्रदीप सांगवान ने

कार्यक्रम की घोषणा करते हुए कहा, यह सिर्फ लीग नहीं बल्कि, 6 महाद्वीपों का समागम है, जो दर्शकों को रोमांच और पुरानी यादों का बेहतरीन मेल देने जा रहा है। शेड्यूल को इस तरह से तैयार किया गया है कि रोमांच बना रहे और दुनियाभर के दर्शक हर दिन स्क्रीन से जुड़े रहें। जहां पूर्व दक्षिण अफ्रीकी धाकड़ बल्लेबाज हर्शल गिब्स अफ्रीकन लायंस की कप्तानी करेंगे, तो वहीं एशियन किंग्स की अगुवाई सुरेश रैना के हाथों में है।

एशिया की इस टीम में रैना के साथ पूर्व श्रीलंकाई दिग्गज तिलकरत्ने दिलशान और अफगानिस्तान के पूर्व कप्तान असगर अफगान भी जलवा बिखेरते नजर आएंगे। छह महाद्वीपों की 6 टीमों के बीच खेली जा रही इस चैंपियनशिप का मजा दर्शक सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर लाइव ले सकेंगे। एमवीपी क्रेस्ट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा आयोजित और 100 स्पोर्ट्स द्वारा प्रबंधित इस लीग का लेखा-जोखा जिस तरह से तैयार किया गया है, निश्चित तौर पर यह क्रिकेट के नए इतिहास की इबारत लिखने जा रहा है।

हरमनप्रीत की कप्तानी में एफआईएच हॉकी प्रो लीग में उतरेगी भारतीय हॉकी टीम

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)।

अनुभवी ड्रैगफ्लिकर हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी में भारतीय पुरुष हॉकी टीम नीदरलैंड के एम्सटेलीवन और बेल्जियम के एंटवर्प में 7 से 22 जून तक होने वाली एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024-25 के यूरोपीय चरण में उतरेगी। हॉकी इंडिया ने इसके लिए 24 सदस्यीय भारतीय टीम की उपकप्तानी मिडफील्डर हार्दिक सिंह को दी है।

भारतीय टीम अपने यूरोपीय चरण की शुरुआत में सात और नौ जून को नीदरलैंड के खिलाफ दो-दो मैचों खेलेंगा। इसके बाद 11 और 12 जून को एम्स्टेलवीन में अर्जेंटीना से उसके दो मैच होंगे। भारतीय टीम टीम 14 और 15 जून को एंटवर्प जाएगी और फिर 21 और 22 जून को मेजबान बेल्जियम के खिलाफ उतरेगी। टीम में दो गोलकीपर कृष्ण बहादुर पाठक और सूरज करकेरा को शामिल किया गया है। वहीं सुमित, अमित रोहिदास, जुगराज सिंह, नीलम संजीप जेस, कप्तान हरमनप्रीत सिंह, जरमनप्रीत सिंह, संजय और यशदीप सिवाच रक्षा पंक्ति की जिम्मेदारी संभालेंगे। मिडफील्ड में राज कुमार पाल, नीलकांत शर्मा, उप कप्तान हार्दिक सिंह, युवा प्रतिभावान राजिंदर सिंह, मनप्रीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद और शमशेर सिंह को शामिल किया गया है। फॉरवर्ड के तौर पर गुरजंत सिंह, अभिषेक, शिलानंद लाकड़ा, मंदीप सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, दिलप्रीत सिंह और सुखजीत सिंह रहेंगे। टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने टीम चयन पर खुशी जतायी ओर कहा कि टीम को प्रयास बेहतर प्रदर्शन कर जीत हासिल करना रहेगा।

आरबीसी के खिलाफ सबसे अधिक छक्के लगाने वाले क्लब में पहुंचे ईशान

मुम्बई । सनराजर्स हैदराबाद की ओर से खेलते हुए बल्लेबाज ईशान किशन ने आईपीएल में एक नया रिकार्ड बनाया है। ईशान रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के खिलाफ सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों के क्लब में शामिल हो गये हैं। आरसीबी के खिलाफ सबसे अधिक छक्के लगाने के मामले में चेन्नई सुपरकिंग्स के महेंद्र सिंह धोनी शीर्ष पर हैं। धोनी ने आरसीबी के खिलाफ अब तक सबसे अधिक 50 छक्के लगाए हैं, जो इस मामले में रिकॉर्ड है। उनके बाद ऑस्ट्रेलिया के डेविड वार्नर 44 छक्कों के साथ दूसरे और दिल्ली कैपिटलस के केएल राहुल 43 छक्कों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। वहीं आंद्रे रसेल और रोहित शर्मा ने संयुक्त रूप से 38-38 छक्के लगाए हैं। अब इस सूची में ईशान भी शामिल हो गये हैं। ईशान के नाम 32 छक्के हैं। ईशान ने 14 मैच में ही ये आंकड़ा हासिल किया है। इसके साथ ही उन्होंने जोस बटलर और कीरोन पोलार्ड के रिकॉर्ड की भी बराबरी कर ली है। बटलर और कीरोन पोलार्ड ने भी 32-32 छक्के लगाये हैं। ईशान किशन ने कहा कि जब आप पारी की शुरुआत के के लिए पहले बल्लेबाजी करने उतरते हैं तो यह आपकी जिम्मेदारी होती है कि आप रन गति बनाए रखें। जिस क्षण मैंने अभिषेक और हेड को इस तरह से खेल की शुरुआत करते देखा, मुझे लगा कि यह बहुत अच्छा विकेट है और हमें कम से कम 200 रन बनाने होंगे।

पीयूष गोयल ने यूरोपीय संघ के आयुक्त मारोस सेफकोविक से मुलाकात की, एफटीए पर हुई चर्चा

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने ब्रुसेल्स में यूरोपीय व्यापार आयुक्त मारोस सेफकोविक से मुलाकात की। यह दोनों नेताओं की एक महीने के भीतर दूसरी मुलाकात थी, जिसमें भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर चर्चा की गई।

गोयल ने इस महीने की शुरुआत में अपने यूरोपीय संघ समकक्ष के साथ बैठक की थी।

यूरोपीय व्यापार आयुक्त मारोस सेफकोविक और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने 'एक्स' पोस्ट पर इस मुलाकात और बातचीत की जानकारी दी है। यूरोपीय संघ के अधिकारी मारोस सेफकोविक ने शुक्रवार को एक्स पोस्ट के माध्यम से कहा, अपने मित्र और समकक्ष पीयूष गोयल का स्वागत करते हुए मुझे खुशी हो रही है। हम लगातार प्रगति कर रहे हैं। आइए, हम कड़ी मेहनत और स्पष्ट फोकस के साथ गति बनाए रखें। मैं जल्द ही हमारी अगली बैठक की प्रतीक्षा कर रहा हूं।

वहीं, केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को मारोस सेफकोविक के पोस्ट के जवाब में 'एक्स' पर लिखा है, मेरे मित्र, गर्मजोशी से स्वागत के लिए धन्यवाद। हम भारत और यूरोपीय संघ की साझा समृद्धि के लिए प्रतिबद्ध हैं। आइए, हम इस गति को जारी रखें!

अमेरिका के दौरे पर गए वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल 23 मई को वाशिंगटन से ब्रुसेल्स पहुंचे, जबकि भारत के मुख्य वार्ताकार एल. सत्य श्रीनिवास और उनकी टीम भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर वार्ता के लिए पहले से ही यूरोपीय संघ मुख्यालय में मौजूद हैं। दोनों नेताओं के बीच यह बैठक ऐसे समय में हुई है, जब दोनों पक्ष जुलाई तक अर्ली हार्वेस्ट व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने का लक्ष्य बना रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि यूरोपीय संघ के अनुसार ईयू-भारत व्यापार वार्ता गति पकड़ रही है, दोनों पक्षों का लक्ष्य 2025 के अंत तक एक समझौते को पूरा करना है। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर बातचीत में तेजी लाने के लिए डच समर्थन भी मांगा, जिसे भारत 2025 के अंत तक पूरा करने की उम्मीद करता है। दोनों पक्षों के अधिकारियों ने हाल ही में 16 मई को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में ग्यारहवें दौर की वार्ता पूरी की है।

न्यूज़ ब्रीफ

बैंक निष्क्रिय बैंक खातों को सक्रिय करने केवाईसी सुविधा उपलब्ध कराएः आरबीआई

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक ने हाल ही में जारी परिपत्र में कहा कि बैंक सभी गैर प्रमुख शाखाओं सहित सभी शाखाओं में निष्क्रिय खातों या बिना दावे वाली रकम के लिए अनिवार्य रूप से जानें अपने ग्राहक (केवाईसी) के विवरण को दुरुस्त करने की सुविधा मुहैया करवाएं। इसके अलावा बैंकों को वीडियो उपभोक्ता पहचान प्रक्रिया (वी-सीआईपी) उपलब्ध होने की स्थिति में खातेधारक की मांग पर यह सुविधा मुहैया करवानी चाहिए। रिजर्व बैंक ने यह भी कहा कि निष्क्रिय बैंक खातों को सक्रिय करने के लिए अधिकृत बिजनेस कॉरस्पोंडेंट की मदद भी ली जा सकती है। रिजर्व बैंक ने इस प्रारूप परिपत्र पर साझेदारों की टिप्पणी 6 जून तक मांगी है। रिजर्व बैंक ने जनवरी में बिना दावे वाली रकम और निष्क्रिय खातों के लिए नए दिशानिर्देश जारी किए थे। इसके तहत ग्राहक के खाते की जानकारी या चेक बुक का अन्नुरोध शामिल करने सहित गैर वित्तीय गतिविधियां या कोई वित्तीय लेन देन दो वर्ष तक नहीं होने की स्थिति में ऐसे खातों को 'निष्क्रिय' श्रेणी में रखा जाएगा। ग्राहकों को अपने खाते सक्रिय करने के लिए अतिरिक्त समय भी दिया जाएगा इसके अलावा रिजर्व बैंक ने बैंकों को निर्देश दिया कि वह एक साल की अवधि से अधिक समय से उपभोक्ता की बिना लेन देन की पहल वाले खातों की सालाना समीक्षा करे। ग्राहकों को निष्क्रिय होने वाले बैंक खातों की स्थिति के बारे में पत्रों, ईमेल या एसएमएस के जरिये अधिसूचित किया जाएगा। ग्राहकों को अपने खाते सक्रिय करने के लिए अतिरिक्त समय भी दिया जाएगा।

अब बेंगलुरु मेट्रो रेल पर शौचालय सुविधा के लिए देने होंगे पैसे

बेंगलुरु। बेंगलुरु के मेट्रो यात्रियों को अब शौचालय सेवाओं का उपयोग करने के लिए पैसे देने होंगे, इस अपवादपूर्ण निर्णय से समाज में उत्पन्न विवाद का हुआ आयोजन। बेंगलुरु मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीएमआरसीएल) ने 12 स्टेशनों पर शौचालय से संबंधित सुविधाओं के लिए सुलभ इंटरनेशनल को भेजा किया है। इसके साथ ही यात्रियों से यूरिन के लिए 2 रुपये और शौचालय उपयोग के लिए 5 रुपये वसूले जाएंगे। इस निर्णय को लेकर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र की कड़ी आलोचना हुई है, जिन्होंने इसे मानवीय ज़रूरतों का व्यवसायीकरण बताया। मेट्रो यात्रियों को 12 स्टेशनों पर चुकानी पड़ेगी कीमत सरकार को मिल रही आलोचना का मुख्य कारण यह है कि पहले ही मेट्रो किरायों में 71 फीसदी की वृद्धि की गई थी। सुविधाओं के लिए अत्यधिक पैसे वसूलने पर सामाजिक संगठनों और जनता में कई उतार-चढ़ाव देखा गया है।

27 मई को चीन में लॉन्च होंगे वनप्लस एसीई 5 रेसिंग और अल्ट्रा एडिशन

नई दिल्ली। स्मार्टफोन बनाने वाली कंपनी वनप्लस द्वारा वनप्लस एसीई 5 रेसिंग एडिशन और वनप्लस एसीई 5 अल्ट्रा एडिशन 27 मई को चीन में लॉन्च किए जाएंगे। एसीई 5 रेसिंग एडिशन, मीडियाटेक डायमेंसिटी 9400ई प्रोसेसर के साथ आने वाला पहला फोन होगा। अब कंपनी ने यह भी साफ कर दिया है कि वनप्लस एसीई 5 अल्ट्रा एडिशन में मीडियाटेक डायमेंसिटी 9400 प्लस प्रोसेसर और खास फेंगची गेमिंग कोर देखने को मिलेगा।वनप्लस एसीई 5 अल्ट्रा एडिशन को पांच वेरिएंट में पेश किया जाएगा, जिनमें 12जीबी + 256जीबी, 16जीबी + 256जीबी, 12जीबी + 512जीबी, 16जीबी + 512जीबी और 16जीबी + 1टीबी शामिल हैं। यह फोन तीन रंगों फैंटम ब्लैक, ब्रीज ब्लू और टाइटेनियम गोल्ड में उपलब्ध होगा। वहीं एसीई 5 रेसिंग एडिशन चार वेरिएंट्स 12जीबी + 256जीबी, 16जीबी + 256जीबी, 12जीबी + 512जीबी और 16जीबी+ 512जीबी में आएगा और यह रॉक ब्लैक, वाइट और विल्डरनेस ग्रीन कलर में मिलेगा। फीचर्स की बात करें तो एसीई 5 रेसिंग एडिशन में 6.77 इंच का 1.5के एलटीपीएस ओलेड डिस्प्ले दिया जा सकता है, जो 144एचझेड रिफ्रेश रेट को सपोर्ट करेगा। इस फोन में 7000 एमएएच की बैटरी होगी, जो 100डब्ल्यू फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करेगी। दोनों फोन में 50 मेगापिक्सल का मेन कैमरा और गेमिंग को बेहतर बनाने के लिए कस्टमाइजेबल मैजिक क्यूब फीचर भी मिलेगा।

फोर्ड की नई कॉम्पैक्ट क्रॉस ओवर लॉन्च करने की तैयारी

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)।

लग्जरी कार निर्माण क्षेत्र की कंपनी फोर्ड यूरोप में एक नई कॉम्पैक्ट क्रॉसओवर लॉन्च करने की तैयारी कर रही है। नई एसयूवी में स्पोर्टी और बोल्ड डिजाइन होगा, जो फोर्ड की लेटेस्ट डिजाइन भाषा का अनुसरण करेगा, जैसा कि टेरिटरी मॉडल में देखा गया था।

इस कार में होरिजोंटल स्लैट्स, शार्प एलईडी डीआरएलएस और एक बड़ा ग्रिल प्रमुख रूप से देखने को मिलेगा। यह मस्कुलर प्रोफाइल और कर्वी बॉडी पैनलिंग के साथ आएगी। आकार में यह फोर्ड प्यूमा से थोड़ी छोटी होगी, जिसकी लंबाई लगभग 4,000एमएम से 4,100 एमएम के बीच हो सकती है। नई क्रॉसओवर मल्टी-एनर्जी आर्किटेक्चर पर आधारित होगी, जो माइल्ड हाइब्रिड, प्लग-इन हाइब्रिड, फुल हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वर्जन को सपोर्ट करेगी। इसका मतलब यह है कि यह भविष्य की मांगों के अनुरूप एक आधुनिक और पर्यावरण के अनुकूल वाहन होगा। उत्पादन स्पेन के अल्मुसफेस प्लांट में होगा। फोर्ड का यह नया मॉडल यूरोपीय बाजार के लिए खासतौर पर तैयार किया गया है, जहां कॉम्पैक्ट एसयूवी की डिमांड काफी अधिक है। यह लगभग 20,000 से 24,000 यूरो (करीब 19.18 लाख से 23 लाख रुपए) के बीच कीमत पर उपलब्ध होगा और डेसिया डस्टर, रेनो कैप्चर और वोक्सवैगन टी-क्रॉस जैसी कारों को टक्कर देगा। भारत में इकोस्पोर्ट 2013 में लॉन्च हुई थी और 4 मीटर एसयूवी सेगमेंट में लोकप्रिय रही, लेकिन बढ़ती प्रतिस्पर्धा और कम बिक्री के कारण 2022 में इसे बंद कर दिया गया। फोर्ड ने भारत में अपने चेन्नई प्लांट की गतिविधियां भी 2022 में बंद कर दी थीं, लेकिन अब एक्सपोर्ट के लिए उत्पादन फिर से शुरू करने पर विचार चल रहा है, जिससे रोजगार के नए अवसर पैदा हो सकते हैं। बता दें कि इकोस्पोर्ट, जो कभी भारतीय बाजार में काफी पसंद की जाती थी, अब बंद हो चुकी है, लेकिन इसके स्थान पर आने वाली नई एसयूवी फोर्ड की बंद हो चुकी फिएस्टा और फोकस जैसी कारों की कमी भी पूरी करेगी।

महिंद्रा ने बोलेरो और बोलेरो नियो को किया अपडेट

नई दिल्ली। अपनी लोकप्रिय एसयूवीएस बोलेरो और बोलेरो नियो को महिंद्रा ने अपडेट कर दिया है। यह अपडेट मॉडल डीलर-लेवल एक्सेसरीज पैक के साथ बोल्ड एडिशन के रूप में उपलब्ध हैं, जिनकी कीमत 20,500 रुपए से लेकर 40,000 रुपए तक जाती है। इस नई पेशकश में मुख्य रूप से कॉस्मेटिक बदलाव किए गए हैं, जबकि मैकेनिकल स्पेसिफिकेशन में कोई बदलाव नहीं हुआ है। बोलेरो के बोल्ड एडिशन में हेडलाइट्स के ऊपर डार्क क्रोम फिनिश, फ्रंट ग्रिल, डोर हैंडल और रियर फेंडर पर वेंटिलेटर दिए गए हैं। इसके साथ ही ब्लैक-आउट फॉग लाइट सराउंड और फ्रंट बंपर पर भी नए एलिमेंट्स देखे जा सकते हैं। इंटीरियर में नई सीट और स्टीयरिंग अपहोल्स्ट्री के साथ बेज हाइलाइट्स दिए गए हैं। इस एडिशन में नए डोर सिल प्लेट और मैट भी शामिल हैं। बोलेरो बोल्ड एडिशन की कीमत 10.02 लाख रुपए से लेकर 11.14 लाख रुपए तक है, जबकि एक्सेसरीज पैक की कीमत 20,500 रुपए है। वहीं, बोलेरो नियो बोल्ड एडिशन में हेडलाइट्स, नोज और डोर हैंडल पर डार्क क्रोम एलिमेंट्स, ब्लैक-आउट रूफ रेल्स, फ्रंट फॉग लाइट सराउंड और व्हील आर्च जैसे बदलाव किए गए हैं। इसके केबिन में नई ब्लैक सीट और स्टीयरिंग अपहोल्स्ट्री के साथ नेक कुशन और नए मैट्स भी जोड़े गए हैं। सबसे खास फीचर इस मॉडल में रियर कैमरा का जुड़ना है। बोलेरो नियो बोल्ड एडिशन की कीमत 11.90 लाख रुपए से 12.58 लाख रुपए तक है, और एक्सेसरी पैक की कीमत 40,000 रुपए है।

स्कोडा ट्यूब्स का आईपीओ 28 मई को खुलेगा

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)।

मूल्य दायरा 130-140 रुपये प्रति शेयर

स्टेनलेस स्टील ट्यूब और पाइप विनिर्माता स्कोडा ट्यूब्स का 220 करोड़ रुपये का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 28 मई को खुलेगा। कंपनी ने इसके लिए मूल्य दायरा 130-140 रुपये प्रति शेयर तय किया। आईपीओ 30 मई को बंद होगा। गुजरात की कंपनी ने एक बयान में कहा कि एंकर (बड़े) निवेशक 27 मई को बोली लगा सकेंगे।

स्कोडा ट्यूब्स का आईपीओ पूर्णतः इक्विटी शेयरों का ताजा निर्गम है, जिसकी कुल राशि 220 करोड़ रुपये है, जिसमें बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल नहीं है। इस निर्गम से प्राप्त राशि का उपयोग ट्यूब और पाइप के उत्पादन की क्षमता बढ़ाने, कार्यशील पूंजी जरूरतों और सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। कंपनी ने कहा कि मूल्य दायरे के ऊपरी छोर पर कंपनी का मूल्य लगभग 840 करोड़ रुपये है। निर्गम आकार का आधा हिस्सा पात्र संस्थागत खरीदारों के लिए, 35 प्रतिशत खुदरा निवेशकों के लिए तथा शेष 15 प्रतिशत गैर-संस्थागत निवेशकों के लिए आरक्षित किया गया है।

भारत और बांग्लादेश के बीच व्यापार में आ रही कमी

नई दिल्ली। कोलकाता से 80 किलोमीटर दूर, पेट्रापोल लैंड पोर्ट उचित व्यवसायिक गतिविधियों के लिए एक महत्वपूर्ण स्थान है जो भारत और बांग्लादेश के बीच सीमा पार व्यापार के लिए प्रमुख सड़क परिवहन सेवा उपलब्ध कराता है। मगर हाल ही में दोनों देशों के बीच राजनितिक तनाव और माल ढुलाई में गिरावट के कारण व्यापारिक गतिविधियों में कमी आई है। पेट्रापोल भारत एवं बांग्लादेश के बीच व्यापार और यात्रियों की आवाजाही के लिए सबसे महत्त्वपूर्ण भूमि बॉर्डर क्रॉसिंग है। भारत और बांग्लादेश के बीच भूमि मार्ग से होने वाला करीब 70 फीसदी व्यापार (मूल्य के लिहाज से) इसी लैंड पोर्ट के जरिये होता है। बिल्कुल सीमा पर अपने मेहराबों के साथ खड़ा यहां का विशाल कार्गो गेट दोनों देशों के बीच व्यापार में संभावित उछाल का प्रतीक है। मैत्री द्वार की क्षमता रोजाना करीब 2,000 ट्रकों को संभालने की है। यह आधुनिक सुविधाओं से लैस है जहां नंबर प्लेट की स्वचालित पहचान से लेकर बूम बैरियर, फेशियल रिकॉग्निशन मशीन, प्रवेश एवं निकास के लिए ऐक्सेस कंट्रोल आदि लगे हैं। मगर सवाल यह है कि दोनों तरफ से लगाए गए व्यापार प्रतिबंधों कारण यह प्रवेश द्वार अपनी वास्तविक क्षमता को कब महसूस करेगा।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

विकसित भारत...

किया जा सके। प्रधानमंत्री ने कहा, हमें इस तरह से काम करना चाहिए कि लागू की गयी नीतियां आम नागरिकों के जीवन में बदलाव लायें। जब लोग बदलाव महसूस करते हैं, तभी यह बदलाव को मजबूत करता है और बदलाव को एक आंदोलन में बदल देता है।

उन्होंने कहा, एक टीम के रूप में हमारे पास 140 करोड़ लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने का एक शानदार अवसर है। हमें इस लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए कि 2047 तक भारत को विकसित बनाना। हमारा लक्ष्य होना चाहिए कि हर राज्य विकसित हो, हर शहर विकसित हो, हर नगर पालिका विकसित हो और हर गांव विकसित हो।

उन्होंने कहा, अगर हम इन सभी दिशाओं में मिल कर काम करेंगे, तो हमें विकसित भारत बनने के लिए 2047 तक इंतजार नहीं करना पड़ेगा।

उन्होंने पर्यटन क्षेत्र के विकास के लाभ को भी रेखांकित किया और एक राज्यः एक वैश्विक गंतव्य का नारा दिया। उन्होंने कहा कि राज्यों को वैश्विक मानकों के अनुरूप और सभी सुविधायें और बुनियादी ढांचा प्रदान करके हर राज्य में कम से कम एक पर्यटन स्थल विकसित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस रणनीति से पर्यटन स्थल के आस पास के शहरों का पर्यटन स्थल के रूप में विकास भी होगा।

उन्होंने कहा, भारत में तेजी से शहरीकरण हो रहा है। हमें भविष्य के लिए तैयार शहरों की दिशा में काम करना चाहिए। विकास, नवाचार और स्थिरता हमारे शहरों के विकास का इंजन होना चाहिए।

नीति आयोग के अनुसार आज की बैठक का मुख्य विषय है- 'विकसित भारत के लिए विकसित राज्यएट 2047।' राजधानी के भारत मंडपम में आयोजित इस बैठक में भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए राज्यों के विकास पर विशेष चर्चा हो रही है।

आयोग का मानना है कि राज्यों को मानव विकास, आर्थिक विकास, स्थिरता, प्रौद्योगिकी और शासन सुधारों पर ध्यान केंद्रित करते हुए अपने अद्वितीय भौगोलिक और जनसांख्यिकीय लाभों का लाभ उठाना चाहिए।

बैठक में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्री और उप राज्यपाल, केंद्रीय मंत्री और नीति आयोग के उपाध्यक्ष, सदस्य और मुख्य अधिशासी अधिकारी (सीईओ) भाग ले रहे हैं।

हंसी ठहाके...

इस दौरान वह चाय की चुस्की का आनंद लेते हुए भी नजर आए। विपक्ष शासित मुख्यमंत्रियों के साथ प्रधानमंत्री की हंसते-मुस्कुराते फोटो सामने आईं। कई तस्वीरें ऐसी भी आई जिसमें पीएम मोदी गर्मजोशी से विपक्षी मुख्यमंत्री से मिल रहे हैं।

तस्वीरों में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पीएम मोदी पीठ थप-थपाते हुए भी नजर आ रहे हैं। वही भगवंत मान के साथ उनके अच्छी चर्चा भी दिख रही है। हालांकि, सभी मुलाकातों में एक सामान्य चीज यह रही कि प्रधानमंत्री के साथ हमेशा चंद्रबाबू नायडू भी मौजूद रहे। हाल में देखें तो केंद्र और तमिलनाडु सरकार के बीच तनातनी की स्थिति देखने को मिली। आज एमके स्टालिन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बॉन्डिंग भी अच्छी लगी जब दोनों आपस में बातचीत कर रहे थे। ऑपरेशन सिंदूर और पाकिस्तान के साथ भारत की शत्रुता के बाद प्रधानमंत्री की राज्य के मुख्यमंत्रियों के साथ यह पहली बैठक थी।

इस बैठक में पुडुचेरी, कर्नाटक और केरल के दक्षिणी मुख्यमंत्रियों ने भाग नहीं लिया। आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और तेलंगाना के मुख्यमंत्री - एन चंद्रबाबू नायडू, एमके स्टालिन और रेवंत रेड्डी - मौजूद थे। जम्मू-कश्मीर के उमर अब्दुल्ला और हिमाचल प्रदेश के सुखविंदर सुखू भी बैठक में शामिल हुए।

सिर्फ 50 लाख में ...

पूर्व विधायक अली शब्बीर ने भी 20 लाख रुपये का दान दिया, जबकि तत्कालीन तेलंगाना कांग्रेस के कोषाध्यक्ष पी सुदर्शन ने 15 लाख रुपये दिए। कथित तौर पर सबसे अधिक एकल दान, 25 लाख रुपये, तेलंगाना कांग्रेस के तत्कालीन कार्यकारी अध्यक्ष से आया था। ये सभी योगदान एक महीने के भीतर किए गए थे। ईडी की जांच में कर्नाटक और पंजाब में भी इसी तरह के दान पैटर्न का पता चला है। सूत्रों के मुताबिक, दिग्गज कांग्रेस नेता पवन बंसल ने कथित तौर पर कर्नाटक कांग्रेस के अध्यक्ष डीके शिवकुमार और उनके भाई, सांसद डीके सुरेश को अप्रैल 2022 में 25-25 लाख रुपये दान करने का निर्देश दिया था। उसी महीने, शिवकुमार से जुड़े एक ट्रस्ट, नेशनल एजुकेशन ट्रस्ट ने यंग इंडियन को 2 करोड़ रुपये का महत्वपूर्ण योगदान दिया।

भारत के पास...

सभी ने भारत और पाकिस्तान के बीच स्थायी शांति लाने के प्रयास किए हैं। उन्होंने कहा कि हमने हमेशा ही इस दिशा में पहल की है, लेकिन दुर्भाग्य से, जब भी शांति वार्ता चल रही होती है, तो भारत के विभिन्न हिस्सों में आतंकवादी हमलों के कारण हमें भी नुकसान उठाना पड़ता है, और हर बार इसका संबंध पाकिस्तान से ही होता है। आखिरकार, अब समय आ गया है कि हम किसी भी बहाने को स्वीकार न करें और सच को सच कहें। प्रधानमंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा कि आतंकवाद और आतंकवाद को प्रायोजित करना दो अलग-अलग चीजें नहीं हैं।

सांसद कनिमोझी करुणानिधि (डीएमके), राजीव राय (एसपी), कैप्टन बृजेश चौटा (बीजेपी), प्रेम चंद गुप्ता (आरजेडी), डॉ. अशोक कुमार मित्तल (आप) और पूर्व राजदूत मंजीव एस पुरी सहित एक प्रतिनिधिमंडल ने मॉस्को में भारतीय दूतावास में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। रूसी संघ में भारतीय राजदूत विनय कुमार ने प्रतिनिधिमंडल का गर्मजोशी से स्वागत किया।

अगर आतंकवाद ...

मैंने सार्वजनिक रूप से कहा है कि पाकिस्तान को उसकी भाषा में सबक सिखाया जाना चाहिए। अभिषेक बनर्जी ने साफ तौर पर कहा कि अगर आतंकवाद एक पागल कुत्ता है, तो पाकिस्तान एक दुष्ट संचालक है। हमें सबसे पहले इस जंगली संचालक से निपटने के लिए दुनिया को एक साथ लाने की जरूरत है। अन्यथा, यह जंगली संचालक और अधिक पागल कुत्तों को पालेगा और बड़ा करेगा। बनर्जी ने कहा कि भारत ने पाकिस्तान के साथ संघर्ष को जिम्मेदारी से संभाला है और यह सुनिश्चित किया है कि उनकी कार्रवाई सटीक तथा तनाव बढ़ाने वाली प्रकृति की न हो।

भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था, जिसके तहत पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) में आतंकी बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया गया था। टीएमसी सांसद ने कहा कि भारत ने जापान से संपर्क किया था क्योंकि वह एक रणनीतिक साझेदार है और उसने देश को आतंकवाद को बढ़ावा देने में पाकिस्तान की संलिप्तता के बारे में चेतावनी दी थी। उन्होंने कहा, हम अलग-अलग पार्टियों से यहां आए हैं और आतंकवाद के खिलाफ अपनी लड़ाई में एकजुट हैं। हम सबूतों के साथ आए हैं। आज यह भारत है, कल यह कोई और देश होगा।

पाक ने किया ...

भारत का सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल 33 देशों की यात्रा कर रहा है. इसके लिए 7 दल बनाए गए हैं, जिनमें सांसदों के अलावा कई राजनयिक और पूर्व केंद्रीय मंत्री भी शामिल हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बावजूद सरकार को चालू वित्त वर्ष के लिए कोई अतिरिक्त रक्षा बजट की आवंटन की आवश्यकता नहीं दिख रही है। सूत्रों के मुताबिक सरकार ने रक्षा बजट पर्याप्त रखा है।

मुश्किल में ...

एमएलए कोर्ट में ट्रांसफर कर दिया गया था। इस मामले का रिकॉर्ड फिर से चाईबासा की एमपी एमएलए कोर्ट में भेजा गया। यहा न्यायिक दंडाधिकारी ने मामले का संज्ञान लिया था। इसके बाद राहुल गांधी को समन जारी किया गया था।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, रविवार, 25 मई, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

टेरेस गार्डन लोकार्पण एवं 2 नए लिफ्ट का उद्घाटन आज

कच्छी भवन में वास्तु पूजन सम्पन्न

हैदराबाद, 24 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। कच्छी समाज की प्रमुख संस्था श्री कच्छी मित्र मंडल द्वारा रामकोट स्थित श्री कच्छी भवन में वास्तु पूजन कार्याम मंगलमय वातावरण में सम्पन्न हुआ।

आज यहाँ जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में श्री कच्छी मित्र मंडल के मानद् मंत्री पंकज सावला एवं प्रचार संयोजक रिद्धीश जागीरदार ने बताया कि आज शुक्रवार दि. 23-5-2025 को प्रातः 8.30 बजे से रामकोट स्थित कच्छी भवन में आगामी रविवार दि. 25 मई 2025 को सायं 6 बजे से आयोजित टेरेस गार्डन लोकार्पण एवं 2 नये लिफट्स के उद्घाटन से पूर्व आज वास्तु पूजन का कार्याम रखा गया। वास्तू पूज्य श्री गुण गुलाब महिला मंडल की बहनो द्वारा पढाई गयी।मंडल के अध्यक्ष सुशील कापडीया ने पधारे सभी सदस्यों का स्वागत किया एवं अपना संदेश दिया । इस अवसर पर कहा कि श्री कच्छी मित्र मंडल की स्थापना आज से लगभग 75 वर्ष पूर्व हुई थी। संघ की स्थापना से लेकर आज तक विभिन्न प्रकार के सामाजीक व धार्मिक कार्यामो का आयोजन करती आ रही है जिसफें स्वास्थय केम्प, आई केम्प, शिक्षण सहायता, मेडीकल रिलिफ, आयुर्वेदीक, होमीयोपेथी एवं

एलोपेथी सार्वजनीक दवाखाना चलाया जा रहा है।

उन्होने आगे बताया कि कच्छ भवन को 2008 में पुनः नवीनीकृत करवाया गया यह भवन शुद्ध शाखाहारी भवन के रूप में विख्यात है जिसमें आधुनिक सुविधा से युक्त वातानुकूलित 20 गेस्ट हाउस रूम और 4 बड़े विशाल एसी हाल है। इस भवन में छोटे से छोटा व बड़े से बड़ा कार्याम किया जा सकता है। आज जहाँ पर शादी ब्याह के लिए गार्ड़नों या भवन में लाखों रूपये लिये जाते हैं वहीं उन सबसे हटकर रियायती दरों पर भवन उपलब्ध करवाया जाता है। भवन में इनहाउस सेवा उपलब्ध हैं।

मंडल के मेनेजींग ट्रस्टी नीतीन धरोड ने कहा कि विगत 2 वर्षो में कच्छी भवन में गेस्ट हाऊस में 10 नये वार्तानुकुलीत रूम बनाये गये, जिनफें दिपक गेस्ट हाउस के दाता नीशाबेन नीतिन धरोड, 10 रूमो के दाता मातुश्री पानबाई पासुभाई वालजी सावला परिवार, श्रीमती सरला किर्ती नानजी गाला परिवार, मातुश्री भाग्यवती अमृतलाल शाह परिवार, श्रीमती दीना विनोद धरोड परिवार, मातुश्री भानुमती जेठालाल गाला परिवार, श्रीमती जयवंती नेमजी कानजी धरोड परिवार, श्रीमती हिरावंती धनपत मोता परिवार, श्रीमती मीना भरत धरोड परिवार, श्रीमती मंजुला उत्तमचंद मोमाया परिवार एवं श्रीमती हंसाबेन लहेरचंद लोडाया परिवार, श्रीमती शांताबेन रसीकभाई गाला परिवार एवं श्रीमती तृप्ती नरेश गाला परिवार थे। वहीं मुख्य भवन बिलडींग में द्वितीय माले पर सभी आधुनीक सुवीधाओ के साथ रसोई गृह (नये किचन) का उद्घाटन रविवार दि. 5-01-2025 को किया गया, जिसके श्रीमती जसवंतीबेन देवचंद गाला परिवार, श्री शांतिलाल खीमजी मामणिया, श्रीमती कुसुमबेन सुरेशचंद्र हीरजी गोसर परिवार, श्रीमती स्मिता हरेश हेमराज देढिया परिवार थे। गत वर्ष रविवार दि. 16-06-2024 नूतन यश अम्रीत बोर्ड रूम का उद्घाटन किया गया। वहीं भवन में बन रहे नूतन बोर्ड रूम के दाता मातुश्री यशवंतीबेन अमृतलाल निशर परिवार थे।

वहीं आगामी रविवार दि. 25-5-2025 को ब्लु स्टार टेरेस गार्डन का उद्घाटन एवं 2 नये लिफ्ट्स का उद्घाटन भी किया जायेगा। टेरेस गार्डन का उद्घाटन शांतिलाल खिमजी मामणीया परिवार, प्रथम लिफ्ट दाता श्री प्रताप जीलुभाई जाडेजा परिवार, द्वितीय लिफ्ट दाता श्री प्रेमलक्ष्मी परिवार द्वारा किया जायेगा।

कार्याम में मुख्य रूप से श्री कच्छी मित्र मंडल के मेनेजींग ट्रस्टी नीतिन धरोड, ट्रस्टीगण कल्पना सुशील कापडिया, प्रदीप संघवी, रतिलाल छेडा, दिर्गेष निशर, निलेश छेडा, अध्यक्ष सुशील कापडिया, मंत्री पंकज सावला, कार्यकारीणी सदस्यगण केशवजीभाई छेडा, लहेरचंद लोडाया, दिनेश गोसर, मनोज नागडा, पराग मारू, राजीव मामणीया, रिद्धीश जागीरदार आदि उपस्थित थे।अवसर पर पूनम प्रदीप संघवी, प्रीति पंकज सावला, जया मनोज नागडा, प्रिती राजीव मामणिया, हेमाली विरल मामणिया, गुण गुलाब महिला मंडल की लक्ष्मीबेन नागडा, भानुबेन गाला, विमला भेदा, कुसुम रांभिया, कुसुम गडा, जया जागीरदार, प्रभा वोरा, जयवंति वोरा, यशवंती, चारुबेन, प्रवीणा मारू वहीं एवं बडी संख्या में समाज बंधुओ ने भाग लिया।

बीईएल, हैदराबाद में पूर्ण दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन

हैदराबाद, 24 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। औद्योगिक परिसर, नाचारम, हैदराबाद में स्थित रक्षा मंत्रालय का सार्वजनिक उपक्रम भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड में, 24 मई शनिवार, को पूर्ण दिवसीय कार्यशाला का भव्य आयोजन किया गया। हिंदी में दैनिक काम काज को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यशाला का नगर स्थित हिंदी शिक्षण योजना कार्यालय के सहायक निदेशक श्री एस रवि चंद्र राव द्वारा संचालन किया गया । वरिष्ठ अधिकारियों के लिए आयोजित इस कार्यशाला में लगभग 55 कर्मचारी उपस्थित हुए और हिंदी से जुड़े अनेक नए पहलुओं की जानकारी प्राप्त की। राजभाषा अधिनियम, राजभाषा नियम, राजभाषा कार्यान्वयन वार्षिक कार्यक्रम के लक्ष्य, हिंदी व्याकरण एवं भाषा संबंधी अनेक संदेह की पुष्टि करते हुए कार्यक्रम में उपस्थित सभी कर्मचारी इस कार्यशाला से लाभान्वित हुए। राजभाषा टीम, बीईएल, ने सभी को कार्यक्रम में भाग लेने पर सराहना व्यक्त की और हिंदी के प्रगामी प्रगति में सभी का दायित्व एवं सहयोग की अपेक्षा जताई।

बकरीद को गौ इद न बनाएं : जसराज श्रीश्रीमाल

हैदराबाद, 24 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय प्राणी मित्र संघ के अध्यक्ष जसराज श्रीश्रीमाल ने शुक्रवार को एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए तेलंगाना सरकार से माँग की कि आने वाली बकरीद जो 7 या 8 जून 2025 को मनाई जाएगी, उसमें लगभग 8 से 10 हजार से ज्यादा गौ माताएं एवं गौवश की कुरबानी की जाएगी। उसे तुरंत रोका जाए। अभी तक चोरी छुपे कई हजार गौ वंश हैदराबाद नगर निगम की परिधि में प्रवेश कर चुके हैं। सरकार तेलंगाना गौवध निषेध कानून को अपनी आत्मा से लागू कर पुरा पुलिस बन्दोबस्त करते हुए,धर्म और राजनीतिक रहित भावनाओं से ऊपर उठकर इस बेजुबान गौ वंशा को कत्ल होने से रोके। श्रीश्रीमाल ने कहा कि मुस्लीम समुदाय से अपील है कि बकरीद को गौ इद न बनाये। भारतीय संविधान की धारा 48 का पालन कर राज्य द्वारा बनाये गये गौ वंश वध निषेध अधिनियम 1977 का दिल से पालन करे। हिन्दु समाज की भावनाओं को ठेस न पहुंचाये। गौ वंश भारत के कृषि की रीढ है, हमारी अर्थव्यवस्था की लाइफ लाइन है, गौ वंश ने शताब्दियों तक सदियों से मानव समाज की सेवा की है।

संघ के उपाध्यक्ष जसमत पटेल ने इस अवसर पर कहा कि हमने दो दिन पहले पुलिस आयुक्त सीवी आनन्द के साथ गौवंश हत्या विरोध पर बैठक की। उन्हने कहा कि पुलिस जगह-जगह पर चेक पोस्ट लगाकर गौ वंश हैदराबाद में प्रवेश नहीं करने के निर्देश दिये हैं किन्तु चेक पोस्ट पर पुलिस वाले आधी टाइम नींद लेते रहते हैं और गौ वंश वाहनों द्वारा पुराने शहर एवं अन्य स्थानों पर प्रवेश कर लेते हैं। इसमें मिलीभगत भी होती है। पुलिस की निगरानी सख्त नहीं होने से गौ वंश तस्कर और कई तरीको से, छोटी गलीयो द्वारा शहर में आ जाते हैं।

संघ के मंत्री महेश अग्रवाल ने बताया कि हम हर वर्ष सरकार को ज्ञापन देते हैं किन्तु इस पर आवश्यक एवं पूर्ण कार्यवाही नहीं होती है। हमारे कार्यकर्ता पुलिस को शहर में कटने के लिए आये हुए गौ वंश के बारे में जानकारी देते हैं किन्तु पुलिस द्वारा संज्ञान नहीं लिया जाता ।

संघ के सहमंत्री रिद्धेश जागीदार ने संवाददाताओं से निवेदन किया कि आप स्वंय पुराने शहर जाकर निरीक्षण करे और देखे के कितने गौ वंश कटने के लिये आये हुए हैं। गौ तस्कर खुले आम बोर्ड लगाकर गौ वंश की कीमत लिखते हैं। बेचने के लिए कई तरीके अपनाते हैं। हमारे कार्यकर्ताओं को 2004 में पहचान पत्र सीपी ने दिये थे वो अभी पुराने हो चुके हैं। नये कार्यकर्ताओं को पहचान पत्र देकर पुलिस को सहयोग दिया जा सकता है। गौ वंश की सूचना समय-समय पर देकर गौ वंश को बाचाया जा सकता है।

बेगमपेट स्थित तनिष्क शोरूम में खास आभूषण संग्रह जो खासकर महिलाओं के लिए डिजाइन किया गया है। इस अवसर पर शोरूम की ओर से भाजपा नेता सपना गुप्ता अन्य महिलाओं का सम्मान किया गया। इस मौके पर मैनेजर असलम, को-मैनेजर किरन, जगदीश, राघिका बालाजी,अमीन पाशा, कार्तिक रेड्डी, मुरली कृष्णा,साईं राज व अन्य उपस्थित थे।

श्रृंग ऋषि भवन दालमंडी हैदराबाद में सिखवाल प्रगति समाज के अध्यक्ष नंदकिशोर व्यास बिलाल एवं समस्त कार्यकारिणी को श्रृंग ऋषि मंदिर पुष्कर के जिनोद्वार का सामूहिक निमंत्रण देते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजमल पांडिया, राष्ट्रीय महिला अध्यक्षा प्रेमलता व्यास, राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष रंगलाल ओझा, राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष मनोहरलाल सुखवाल एवं अन्य।

राधे राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान के अंतर्गत शनिवार को द्वारा नामपल्ली स्थित पाब्लिक गार्डन, पिलर नं. ए1265 के समीप जरूरतमंद लोगों में अल्पाहार सेवा की गई। इस अवसर पर भीषण अग्नि दुर्घटना में अग्रवाल समाज की आरुषि जैन के असामयिक निधन पर नर्स स्कूल फ्रेंड्स ग्रुप की ओर से भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर सुहानी, पहल, परी, रोशनी, सुरभि, चारुश्री, कंगन, मिशेल, मारिया एवं राधे राधे ग्रुप के सदस्य एवं अन्य उपस्थित थे।

श्री पहाड़ी श्याम मन्दिर, महेन्द्रा हिल्स में अपरा एकादशी के उपलक्ष्य में सांवरे के बावरे के द्वारा आयोजित 'आशीर्वाद मेरे श्याम का' भजन कार्यक्रम में भजन प्रस्तुत करते हुए सागर शर्मा, जयपुर एवं भजन गायिका सोमा श्री । अवसर पर भजन गायकों एवं सजावट लाभार्थी सुरेन्दर कच्छवाहा (दधीमती ट्रेडर्स) एवं साँवरे के बावरे के सदस्यों का सम्मान करते हुए मंदिर चेयरमैन अरुण डाकोतिया, ट्रस्टी अशोक सिंघानिया, प्रवीण अग्रवाल (नाचारम), साँवरे के बावरे के अमन सारडा, नितेश अग्रवाल, कपीश अग्रवाल, गोपाल त्रिवेदी एवं उपस्थित भक्तगण ।

मैढ़ क्षत्रिय स्वर्णकार शिक्षा सहायता के ट्रस्टियों का अभिनन्दन आज

हैदराबाद, 24 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। मैढ़ क्षत्रिय स्वर्णकार शिक्षा सहायता ट्रस्ट की प्रथम वार्षिक सभा एंव ट्रस्टियों के अभिनन्दन का कार्यक्रम सिदिअम्बर बाजार स्थित होटल तारा इंटरनेशनल में आगामी रविवार को शायं 6 बजे आयोजित किया जाएगा । ट्रस्ट के महामंत्री घनश्याम मायछ द्वारा जारी प्रेष विज्ञप्ति के अनुसार इस अवसर पर श्रीमान नरेन्द्र कुमार जी अग्रोया मुख्य अतिथि एंव श्रीमान शंकरलाल जी जवड़ा, श्रीमान श्रीनिवास जी बुट्टण, श्रीमान अजीत कुमार जी कडेल, श्रीमान बद्रीलाल जी तोषावड़ विशेष अतिथि के रुप में व मैढ़ समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष एंव ट्रस्ट कें संस्थापक श्रीमान जगदीश प्रसाद जी मायछ उपस्थित होंगे ।

ट्रस्ट के अध्यक्ष महावीर प्रसाद कडेल ने बताया कोषाध्यक्ष दामोदर जी ढल्ला ट्रस्ट के बीते वर्ष का लेखा जोखा प्रस्तुत करेंगे तत्पश्चात सभी ट्रस्टियों को जिनकी राशि प्राप्त हो चुकी है उन्हें सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया जाएगा ।

इस वर्ष शिक्षा सहायता हेतु प्राप्त समाज के छात्रों को छात्रवृत्ति 1 जून सुबह 10.30 बजे से दोपहर 2 बजे तक समाज भवन में आयोजित कार्यक्रम में दी जाएगी । कार्यक्रम की रुपरेखा बनाने के लिए एक मीटिंग का आयोजन आज सिकन्दराबाद में किया गया जिसमें समाज की और से चारमीनार अग्नि दुर्घटना में मारे गए मोदी परिवार के सदस्यों को दो मिनट का मौन रखकर श्रध्दांजलि अर्पित की गई । इस अवसर पर समाज के अध्यक्ष पवनकुमार मायछ, महामंत्री द्वारकाप्रसाद मायछ, कोषाध्यक्ष युगलकिशोर कडेल, अखिल भारतीय मैढ़ क्षत्रिय स्वर्णकार समाज के अध्यक्ष जगदीश प्रसाद जी मायछ, शिक्षा सहायता ट्रस्ट के अध्यक्ष महावीर प्रसाद कडेल, महामन्त्री घनश्याम मायछ, कोषाध्यक्ष दामोदर ढल्ला, चन्द्रशेखर रोड़ा, जीतेंद्र जालू, माणिक चन्द देवाल उपस्थित थे।

वी इवेंट्स द्वारा शाइनिंग एवार्ड्स का आयोजन जून में किया जाएगा। जिसका पोस्टर लॉन्च किया गया। इसअवसर पर दुर्गा प्रसाद फ़ाउंडर औफ एंटरप्रेंन्यर असोसिएशन,दिलसुख नगर स्थित जगदम्बा सारीस के सीइओ तथा वी-इवेंट्स के परामर्शदाता पंकज कुमार संघी, क्लाउड मीडिया के सीईओ ब्रह्मात्री कृष्णामाँ चारी, डॉ. वसंत रायलू,वूमेनस इंटर प्रीनियर असोसिएशन आँध्र प्रदेश,तेलंगाना के अध्यक्ष कविता रेड्डी तथा उूमा तथा डायरेक्टर राजेश्वरी, वी इवेंट्स के कौर्डिनेटर संध्या तथा शीरीशा रेड्डी तथा विष्णु आदि उपस्थित थे।

अग्रवाल समाज रानी सती दादी महिला शाखा घांसी बाजार की एक साधारण सभा अध्यक्ष रिंकू गर्ग के निवास स्थान पर सम्पन्न हुई। जिसमें मंत्री मोनिका अग्रवाल ने पूरा साल भर का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया और सर्वसम्मति से नए पदाधिकारी चयनित किये गये। जिसमें- अध्यक्ष रिंकू गर्ग, उपाध्यक्ष हेमाअग्रवाल , मंत्री मोनिका अग्रवाल, सह मंत्री सुशील केडिया, कोषाध्यक्ष सविता अग्रवाल, केंद्रीय समिति सदस्य कविता संघी, कविता गोयल, कार्यकारिणी सदस्य ममता अग्रवाल, सीमा अग्रवाल, पूनम तुलसियान, डॉली अग्रवाल शामिल हैं। अंत में सुशील केडिया ने सभी आभार प्रकट किया।

स्वास्थ्य मंत्री ने कोविड-19 मामलों की समीक्षा की, शांति की अपील की

गांधी अस्पताल में डिज़ाइन किए गए बेडों वाला एक समर्पित कोविड-19 वार्ड स्थापित किया गया

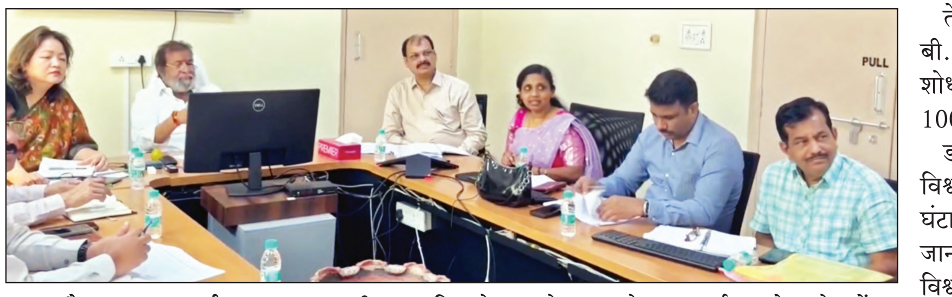

हैदराबाद, 24 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के स्वास्थ्य मंत्री सी दामोदर राजा नरसिम्हा को शनिवार 24 मई को महामारी विज्ञानियों सहित स्वास्थ्य अधिकारियों ने तेलंगाना और भारत में मौजूदा कोविड-19 मामलों के बारे में जानकारी दी।

अधिकारियों ने मंत्री को बताया, भारत में स्थिति स्थिर बनी हुई है। गछ.1 वैरिएंट के सीमित मामलों का पता चला है, यह वैरिएंट 2023 से प्रचलन में है और वर्तमान में कोई महत्वपूर्ण चिंता का विषय नहीं है। जबकि कुछ देशों में कोविड-19 मामलों में मामूली वृद्धि दर्ज की गई है, अस्पताल में भर्ती होने की दर काफी कम बनी हुई है।

महामारी विज्ञानियों ने बताया कि कोविड-19 लगभग तीन साल पहले स्थानिक अवस्था में पहुंच गया था, और मामलों की संख्या में समय-समय पर होने वाले उतार-चढ़ाव स्थानिक व्यवहार के अनुरूप हैं। उन्होंने यह भी कहा कि मौजूदा मौसम की स्थिति के कारण खांसी, जुकाम और बुखार जैसे श्वसन संक्रमणों में भी वृद्धि होने की उम्मीद है।उपलब्ध स्वास्थ्य कर्मियों और बुनियादी ढांचे के साथ कोविड-19 के छिटपुट मामलों को बहुत अच्छी तरह से प्रबंधित किया जा सकता है। अधिकारियों ने स्वास्थ्य मंत्री को जानकारी दी कि अस्पताल में भर्ती होने या संस्थागत रोगी देखभाल की कोई रिपोर्ट नहीं है, जब तक कि अन्य अंतर्निहित पुरानी बीमारियों के कारण सह-मौजूदा रुग्णता न हो।स्वास्थ्य अधिकारी सतर्क हैं, लेकिन डॉक्टरों का मानना है कि मौजूदा वैरिएंट हल्का है और इससे गंभीर बीमारी होने की संभावना नहीं है। डॉक्टर कथित तौर पर स्थिति पर करीब से नज़र रख रहे हैं, लेकिन शुरुआती आकलन से पता चलता है कि यह स्ट्रेन पिछले स्ट्रेन की तुलना में काफी कमज़ोर है।मंत्री नरसिम्हा ने जनता से आगामी मानसून के मौसम के दौरान सतर्क रहने और डेंगू, चिकनगुनिया और मलेरिया जैसी बीमारियों को रोकने के लिए आसपास की सफाई, स्थिर जल स्रोतों को हटाने जैसे उचित निवारक उपाय अपनाने की अपील की।उन्होंने ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में नागरिकों को बीमारियों की रोकथाम और पर्यावरण स्वच्छता के बारे में शिक्षित करने के लिए व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए।

नरसिम्हा ने स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिया कि वह तेलंगाना की सभी स्वास्थ्य सुविधाओं में मौसमी बीमारियों के उपचार के लिए आवश्यक दवाओं और अन्य आवश्यक उपभोग्य सामग्रियों का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध कराए।स्वास्थ्य मंत्री ने मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए अग्रिम योजना और रणनीति बनाने हेतु पंचायत राज एवं नगर प्रशासन तथा अन्य विभागों के साथ समन्वित प्रयास करने का आह्वान किया।

तेलंगाना में अंबेडकर अनुसंधान केंद्र की स्थापना के लिए 100 करोड़ मंजूर

हैदराबाद, 24 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना सरकार ने डॉ. बी.आर. अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय शोध केंद्र की स्थापना के लिए 100 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं।

डॉ. बीआर अंबेडकर ओपन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. घंटा चक्रपाणि ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने विश्वविद्यालय के निदेशकों, डीन, विभागाध्यक्षों और विभिन्न सेवा संघों के प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक बुलाई। उन्होंने कहा कि सरकार ने अनुसूचित जाति (एससी) उप योजना से धन आवंटित किया है और एक शोध केंद्र की आवश्यकता बतायी है।

भाकपा(मा-ले) ने कागर आपरेशन रोकने की मांग की

हैदराबाद, 24 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई एम-एल) की जनशक्ति केंद्रीय समिति ने मांग की है कि केंद्र सरकार छत्तीसगढ़ में बिना शर्त 'संघर्ष विराम' की घोषणा कर 'कागर ऑपरेशन' को रोक कर शांति वार्ता के लिए आगे बढ़े। शनिवार को यहां जारी एक बयान में समिति ने कहा कि केन्द्र सरकार राज्य के लोगों की मांगो पर ध्यान दे और बिना किसी शर्त के संघर्ष विराम लागू करे। वह कागर आपरेशन रोक कर शांति वार्ता की पहल करे।

तेरापंथ महिला मंडल, हैदराबाद द्वारा फिजियोथेरेपी कार्यशाला आयोजित

हैदराबाद, 24 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। शमशाबाद स्थित महाश्रमण वाटिका में साध्वी डॉक्टर गवेषणाश्री जी आदि ठाणा चार के सान्निध्य में तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में फिजियोथेरेपी कार्यशाला की गई।

राजेन्द्र बोथरा द्वारा जारी विज्ञप्ति अनुसार श्रीमती प्रभा दूगड़ ने पंच परमेष्ठी वंदन के साथ सभी का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की शुरुआत की। उपाध्यक्ष नमिता सिंघी ने मुख्य वक्ता डॉ सरिताजी कोठारी का परिचय दिया ।

डॉ. सरिता जी कोठारी पूना से समागत जिन्होंने पूना में फिजियोथेरेपी ग्रेजुएशन किया तथा मुंबई से मास्टर इन फिजियोथेरेपी कर पिछले सात वर्षों से फिजियोथेरेपी सेंटर चला रही हैं। आप अभी वर्तमान में ण.ड. में सेवाएं दे रही हैं ।

लगभग दो घंटे के कार्यशाला में डॉ सरिता कोठारी ने हेमोग्लोबिन बैलेंस, कैल्शियम बैलेंस, विटामिन डी बैलेंस, बी 12 और आयरन बैलेंसिंग के बारे में छोटे-छोटे टिप्स देकर सरल तरीके से समझाया । डॉ सरिताजी ने कहा कि प्रकृति ने हमें बहुत कुछ दिया है जरुरत है मैं उसे उसका सदुपयोग करने की हमें स्वयं के लिए भी कम से कम एक घंटे का समय निकालना चाहिए । प्राणायाम द्वारा हमारे शरीर को तथा अनुप्रेक्षा द्वारा हम अपनी बीमारियों को काफी हद तक ठीक कर सकते हैं।

वर्तमान लाइफ स्टाइल में वेरीकोवेंस जैसी बीमारी बहुत बढ़ रही हैं अतः हमें वॉकिंग और योग पर भी ध्यान देना चाहिए ।

साध्वी श्री डॉगवेषणाश्री जी ने भी जीवन को सही ढंग से चलाने के लिए शुद्ध खानपान और

सही लाइफ स्टाइल अपनाने के बारे में जोर दिया । बहिनों की अच्छी उपस्थिति रही।अंत में श्रीमती जुली बैद ने आभार ज्ञापन किया ।

गंभीर संक्रमण से निजात पाकर हैदराबाद से छत्तीसगढ़ पहुंचे जुड़वा बच्चे

हैदराबाद, 24 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर से एयर लिफ्ट करके इलाज के लिए हैदराबाद लाये गये जुड़वा बच्चे ठीक होकर अपने घर पहुंच गये हैं।हैदराबाद के कोंडापुर में किम्स कडल्स अस्पताल की ओर से शनिवार को यह जानकारी दी गयी। समय से पहले जन्मे जुड़वा बच्चों (जिनका वजन सिर्फ 1.4 किलोग्राम और 1.5 किलोग्राम था) हैदराबाद के कोंडापुर में किम्स कडल्स अस्पताल में भर्ती कराया गया था।किम्स कडल्स में नियोनेटोलॉजी की क्लिनिकल डायरेक्टर और एनआईसीयू की प्रमुख डॉ अपर्णा सी ने इस असाधारण मामले का विवरण साझा किया। स्थानांतरण के दौरान एक जुड़वां गंभीर रूप से बीमार था, जो फंगल संक्रमण और दवा प्रतिरोधी जीवाणु संक्रमण (क्लेबसिएला) दोनों से पीड़ित था, जिसके कारण कई अंग विफल हो गए थे। उसे तुरंत वेंटिलेटर पर रखा गया और रक्तचाप समर्थन सहित कई दवाएं दी गईं। उसकी किडनी ने काम करना बंद कर दिया था और 24 घंटे तक उसका पेशाब नहीं निकला था। दूसरे जुड़वां को फंगल सेप्सिस का पता चला और उसे सीपीएपी (निरंतर सकारात्मक वायुमार्ग दबाव) सहायता की आवश्यकता थी। दोनों शिशुओं में प्लेटलेट काउंट बेहद कम था और उन्हें कई बार रक्त और प्लेटलेट आधान की आवश्यकता थी। लगभग एक महीने की गहन देखभाल के बाद, दोनों शिशुओं में उल्लेखनीय सुधार दिखा।

शोषण के आरोपों के चलते मिस इंग्लैंड मिल्ला मैगी ने मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता छोड़ी

हैदराबाद, 24 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। मिस इंग्लैंड की मौजूदा 24 वर्षीया मिला मैगी ने हैदराबाद, भारत में आयोजित मिस वर्ल्ड 2025 सौंदर्य प्रतियोगिता को सनसनीखेज तरीके से छोड़ दिया है। शुरुआत में उन्होंने अपने जाने का कारण व्यक्तिगत कारण बताया, लेकिन बाद में मैगी ने प्रतियोगिता में प्रतिभागियों के साथ किए जाने वाले व्यवहार को लेकर गंभीर चिंता जताई और आयोजकों पर आरोप लगाया कि वे उन्हें वेश्या जैसा महसूस करा रहे हैं।

मैगी ने 74 साल के इतिहास में प्रतियोगिता से हटने वाली पहली मिस इंग्लैंड बनकर इतिहास रच दिया। कॉर्नवाल के लाइफगार्ड ने इस आयोजन को पुराना और अतीत में अटका हुआ बताया, उन्होंने कहा कि प्रतियोगियों को अमीर पुरुष प्रायोजकों का मनोरंजन करने के लिए प्रदर्शन करने वाले बंदरों की तरह काम करने के लिए मजबूर

किया गया था।

मैगी के अनुसार, प्रतियोगियों से अपेक्षा की जाती थी कि वे दिन-रात भारी मेकअप और शाम के गाउन पहनें ताकि वे प्रतियोगिता में भाग लेने वाले धनी संरक्षकों को आकर्षित कर सकें। उन्होंने खुलासा किया कि उन्हें छह पुरुष मेहमानों के साथ हर टेबल पर दो लड़कियों को बैठाया गया था और उन्हें पूरी शाम उनका मनोरंजन करना था, एक ऐसा अनुभव जिसे उन्होंने अपमानजनक और अस्वीकार्य पाया। मैगी ने द सन को बताया कि जिन मुद्दों का वह समर्थन करती हैं, उनके प्रति जागरूकता बढ़ाने के उनके इरादे के बावजूद, पुरुष प्रायोजकों ने इन चर्चाओं में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई। नैतिक रूप से समझौता महसूस करते हुए, उन्होंने कहा, मिस वर्ल्ड के भी यही मूल्य होने चाहिए, लेकिन यह पुराना हो चुका है और अतीत में अटका हुआ है। उन्होंने मुझे वेश्या जैसा महसूस कराया।

मिस इंग्लैंड की निदेशक एंजी बेस्ले ने मैगी के निर्णय का समर्थन करते हुए एक बयान जारी किया, जिसमें कहा गया, हमें यह बताते हुए खेद है कि मिल्ला मैगी व्यक्तिगत कारणों से ब्रिटेन लौट आई हैं। हम उनके निर्णय के साथ पूरी तरह से खड़े हैं - स्वास्थ्य हमेशा पहले आना चाहिए।

मैगी के नाम वापस लेने के बाद, मिस इंग्लैंड की उपविजेता 25 वर्षीय चार्लोट ग्रांट, जो वर्तमान में मिस लिवरपूल हैं, अब मिस वर्ल्ड फाइनल में इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व करेंगी। यह कार्यक्रम अगले सप्ताह 180 से अधिक देशों में प्रसारित होने वाला है। मैगी ने यह भी खुलासा किया कि अधिकारियों ने 109 फाइनलिस्टों की उबाऊ होने के लिए कड़ी आलोचना की थी, उन्होंने इस व्यवहार को अपमानजनक बताया और याद दिलाया कि वयस्क महिलाओं के बजाय बच्चों के साथ कैसा व्यवहार किया जाता है। उन्होंने कहा कि यह घटना प्रतियोगियों के प्रति दिखाए गए सम्मान की कमी को दर्शाती है। मैगी के स्पष्ट खुलासों ने सौंदर्य प्रतियोगिताओं में सुधार और प्रतियोगियों के साथ गरिमा और सम्मान के साथ पेश आने की आवश्यकता पर चर्चा को जन्म दिया है।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि दुनिया के सभी मुकुट और पट्टे आपकी आवाज़ का उपयोग करने और दुनिया में बदलाव लाने की तुलना में कुछ भी मायने नहीं रखते हैं।

DAILY शुभ लाभ -Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, Service No.JC 732324L Sub Major BORKAR BALASAHEB LAHANU, R/o. Vill and PO: BhoyarePhatar, Teh and Dist: Ahmednagar, Maharashtra-414005 India hereby state that my daughter's name is to be changed from GAURI to GAURI BORKAR.

CHANGE OF NAME
I, KALA Spouse of T JOHN ISAAC, R/o.Vill:Kalakeri, P.O:Herur, Teh:Hangal, Dist:Haveri, Karnataka-587154 have changed my name from KALA to M KALA vide affidavit dt:24-5-2025 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, D HUSSANAIAH R/o.Vill and P.O:Balapanur, Teh:Nandyal, Dist:Kurnool, Andhra Pradesh-518112 hereby declare that my son name is to be changed from D USMAN to DUDEKULA USMAN vide affidavit dt:24-5-2025 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, D HUSSANAIAH R/o.Vill and P.O :Balapanur, Teh:Nandyal, Dist:Kurnool, Andhra Pradesh-518112 hereby declare that my daughter name is to be changed from JAHANAVEE to DUDEKULA JAHANAVEE vide affidavit dt:24-5-2025 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, HUSSAIN BEE Spouse of D HUSSANAIAH, R/o. Vill and P.O:Balapanur, Teh:Nandyal, Dist;Kurnool, Andhra Pradesh - 518112 have changed my name and DOB from HUSSAIN BEE, DOB:10-06-1987 to DUDEKULA HUSSAIN BEE, DOB:17-06-1987 vide affidavit dt:24-5-2025 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, PARIJATHA is legally wedded Spouse of Service No-JC-391856P Rank-Nb Sub, Name-P Mahadev Reddy Regsiding at H.No2-123,VTC -Pangal,PO-Pangal,Sub Dist-Pangal, Dist-Mahabub Nagar, PIN-509120, State-Telangana. I have changed my name from PARIJATHA to POTHULA PARIJATHA Affidavit dated 21 May 2025 before Notary C Samuel Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, Service No-JC-391856P, Rank-Nb Sub, Name-P Mahadev Reddy Regsiding at H.No2-123,VTC -Pangal, PO-Pangal, Sub Dist-Pangal, Dist-Mahabub Nagar, PIN-509120, State-Telangana. I have changed my Son name from P ABINAVA REDDY to POTHULA ABINAVA REDDY Affidavit dated 21 May 2025 before Notary C Samuel Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, JHUMA SARKAR is legally wedded Spouse of Service No-17037273Y, Rank-NK, Name-Amitkumar Sarkar, Regsiding at Vill & PO -Pestharjhar, Dist-Cooch Behar, PIN-736156, State-West Bengal. I have changed my name from JHUMA SARKAR to JHUMA SARKAR ROY Affidavit dated 21 May 2025 before Notary C Samuel Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, Service No-JC-391856P Rank-Nb Sub, Name-P Mahadev Reddy Regsiding at H.No2-123,VTC -Pangal,PO-Pangal,Sub Dist-Pangal, Dist-Mahabub Nagar, PIN-509120, State-Telangana. I have changed my Daughter name from P DEEPASREE to POTHULA DEEPA SRI Affidavit dated 21 May 2025 before Notary C Samuel Secunderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, Service No-17002412Y, Rank-NK, Name-Manoj Yadav Residing at Mau, Dubari, Uttar Pradesh, PIN-221601, I have changed my Father name from RAMSHANKAR YADAV to RAMASHANKAR and DOB also changed from 05/09/1959 to 01/01/1955 Affidavit dated 15 May 2025 before Notary C Samuel Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, SUGANTI DEVI is legal mother of No 15183899X, Rank- HAV(RST), DHARMENDRA KUMAR SAH, R/o. Vill & PO- Goasi, Teh- Krityanand Nagar, Dist: Purnia, Bihar, I have to change my Name - SUGANTI DEVI to SUKANTI DEVI for all purpose vide affidavit dated: 22/05/2025.

CHANGE OF NAME
I, No.15812845Y HAV MAKWANA HARSHD BHAI of Adm bn, Aoc Centre, Secunderabad, TS that my mother Name is changed from LAKSHMIBEN to LAXMIBEN MAKWANA and my father name is also changed from MULJIBHAI to MULAJIBHAI MAKAWANA

हैदराबाद में प्लास्टिक और पॉलिमर क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी अंतराल का आकलन करने के लिए बेंचमार्किंग अध्ययन पर कार्यशाला आयोजित

हैदराबाद, 24 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना सरकार के उद्योग विभाग ने केंद्रीय पेट्रोकेमिकल इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संस्थान (सीआईपीईटी) के सहयोग से, भारत सरकार के चडचए मंत्रालय की एमएसएमई प्रदर्शन को बढ़ाने और तेज करने (आरएएमची) योजना के तहत प्लास्टिक और पॉलिमर क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी अंतराल का आकलन करने के लिए बेंचमार्किंग अध्ययन पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्लास्टिक और पॉलिमर क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी अपनाने की वर्तमान स्थिति का मूल्यांकन करना और तेलंगाना में एमएसएमई की प्रतिस्पर्धात्मकता, नवाचार और सतत विकास को बढ़ाने के लिए हस्तक्षेप के लिए प्रमुख क्षेत्रों की पहचान करना था।कार्यशाला में मुख्य अतिथि उद्योग निदेशक डॉ. जी. मालसूर, विशिष्ट अतिथि उद्योग के अतिरिक्त निदेशक श्री राजकुमार ओहटकर, उद्योग के संयुक्त निदेशक श्री मधुकर बाबू, ढ--झच- के संयुक्त सचिव अरुण लाहोटी और उखझएढ के प्रधान निदेशक श्री बी रवि की उपस्थिति रही।तेलंगाना सरकार के उद्योग निदेशक डॉ. जी. मालसूर ने अपने उद्घाटन भाषण में हितधारकों को स्वच्छ और बेहतर उत्पादन तकनीक अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया और अपने दृष्टिकोण को राज्य के सतत और नवाचार आधारित औद्योगिक विकास के व्यापक एजेंडे के साथ जोड़ा।

उन्होंने एमएसएमई क्षेत्र को पुनर्जीवित करने में अनुप्रयुक्त अनुसंधान और सहयोगी पारिस्थितिकी तंत्र के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, भारत के पॉलिमर और प्लास्टिक उद्योग में वैश्विक नेता बनने की क्षमता है, बशर्ते हम संरचित आकलन और लक्षित हस्तक्षेप के माध्यम से मौजूदा प्रौद्योगिकी अंतराल को पाटें। यह कार्यशाला सही दिशा में एक कदम है।श्री राजकुमार ओहटकर ने एमएसएमई को वैश्विक मानकों को पूरा करने के लिए अत्याधुनिक तकनीक और कौशल से लैस करने के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, यह बेंचमार्किंग अध्ययन हमारे औद्योगिक समूहों को नवाचार अपनाने और निर्यात प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने में सक्षम बनाने के लिए एक समयबद्ध पहल है।

उद्योग के संयुक्त निदेशक श्री मधुकर बाबू ने डेटा-संचालित नीति निर्माण के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने जोर देते हुए कहा, इन बेंचमार्किंग अध्ययनों से प्राप्त निष्कर्ष एमएसएमई के लिए समर्थन तंत्र तैयार करने में सहायक होंगे। हमें केवल वृद्धिशील परिवर्तनों पर ही नहीं बल्कि परिवर्तनकारी समाधानों पर भी ध्यान केंद्रित करना चाहिए।तेलंगाना और आंध्र प्लास्टिक निर्माता संघ (टीएएपीएमए) के संयुक्त सचिव श्री अरुण लाहोटी ने टीए-एपीएमए पहलों के बारे में बताया और आरएएमपी जैसी योजनाओं के माध्यम से एमएसएमई के प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए तेलंगाना सरकार की पहलों की सराहना की। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि प्लास्टिक की प्रति व्यक्ति खपत 16 किलोग्राम है और प्लास्टिक उद्योग की वृद्धि वैश्विक स्तर पर तेजी से बढ़ रही है। उन्होंने उत्पादकता, दक्षता, गुणवत्ता और राजस्व में वृद्धि को सक्षम करने के लिए इस तरह के बेंचमार्किंग अध्ययन आयोजित करने के लिए तेलंगाना सरकार और सीआईपीईटी हैदराबाद की पहलों की सराहना की।

सीआईपीईटी के प्रधान निदेशक श्री बी रवि ने सभा को संबोधित किया और बाद में प्रशिक्षण, अनुसंधान और उद्योग सहायता सेवाओं सहित पेट्रोकेमिकल और पॉलिमर क्षेत्रों में सीआईपीईटी के योगदान पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी। उन्होंने सीआईपीईटी की राष्ट्रीय उपस्थिति और प्रौद्योगिकी अपनाने तथा कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए एमएसएमई तथा राज्य एजेंसियों के साथ साझेदारी करने की इसकी तत्परता के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा, सीआईपीईटी प्रौद्योगिकी अंतराल को पाटने तथा गतिशील वैश्विक बाजार की मांगों को पूरा करने वाली प्रतिभाओं को विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

कार्यशाला में तकनीकी सत्र शामिल थे, जिनमें शामिल थे: प्रौद्योगिकी उपयोग के बेंचमार्किंग के तरीके मशीनरी, प्रक्रिया स्वचालन तथा गुणवत्ता मानकों में अंतराल एमएसएमई के लिए सरकारी योजनाओं का उपयोग करके आधुनिकीकरण के अवसर परिपत्र अर्थव्यवस्था तथा हरित विनिर्माण में सर्वोत्तम अभ्यास कार्यक्रम के दौरान एक विचार-मंथन सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें भाग लेने वाले एमएसएमई तथा गणमान्य व्यक्तियों ने प्लास्टिक तथा संबद्ध क्षेत्र की उभरती हुई आवश्यकता पर चर्चा की। महत्वपूर्ण बिंदु सामने आए, जैसे मोल्ड तथा डाई बनाने की सुविधा की आवश्यकता, मौजूदा तथा नए उद्यमियों को कम लागत पर सुविधा का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए सामान्य सुविधा केंद्र।राज्य परियोजना कार्यान्वयन इकाई जीटी भारत एलएलपी के सलाहकार और टीजीटीपीसी, सीआईटीडी, एलेप, वीहब, रिच के अन्य प्रतिनिधि इस कार्यक्रम में भाग ले रहे हैं। उद्योग विभाग ने तेलंगाना में एमएसएमई के लिए एक सक्षम पारिस्थितिकी तंत्र बनाने, ज्ञान साझेदारी और संस्थागत संबंधों का लाभ उठाने के लिए सतत औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

सीताक्का ने केटीआर की टिप्पणी को लेकर आलोचना की

हैदराबाद, 24 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना की मंत्री सीताक्का ने बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष कलवकुंतला तारक रामा राव (केटीआर) की हालिया टिप्पणियों का कड़ा विरोध किया और उनकी बयानबाजी की तुलना नाजी प्रचारक गोएबल्स से की। उन्होंने केटीआर पर झूठ पर आधारित अभियान चलाने और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बारे में बोलने की हैसियत न होने का आरोप लगाया।

शनिवार को मीडिया से बात करते हुए, सीथक्का ने कांग्रेस सरकार के खिलाफ केटीआर के हालिया हमलों का मज़ाक उड़ाते हुए कहा, केटीआर कविता का भूत है। उसका छोटा दिमाग 'बहन के वार' से फट गया। अगर वह इतना ईमानदार है, तो कलेश्वरम आयोग के सामने पेश होने से क्यों डरता है? उन्होंने आरोप लगाया कि बीआरएस पार्टी गलत सूचना और भ्रष्टाचार की नींव पर बनी है।

मंत्री सीताक्का ने पूर्व आदिलाबाद और वारंगल जिलों में वन क्षेत्रों के पास के गांवों में रहने वाले लोगों की मौजूदा समस्याओं पर भी बात की। वन विभाग के सख्त नियमों के कारण स्थानीय लोगों को बुनियादी ढांचे तक पहुंच के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है।

इस समस्या के समाधान के लिए, सीताक्का ने वन विभाग, पंचायती राज, ग्रामीण विकास, सड़क एवं भवन, तथा आईटीडीए विभागों के अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय समन्वय बैठक बुलाई।

सीताक्का ने कहा, वन विभाग को लोगों की समस्याओं को मानवीय दृष्टिकोण से देखना चाहिए। प्रशासनिक लालफीताशाही के कारण ग्रामीणों को परेशानी झेलनी पड़े, यह अस्वीकार्य है। हमें आवश्यक सुविधाएँ प्रदान करके वन क्षेत्रों का विकास सुनिश्चित करने की आवश्यकता है।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कांग्रेस सरकार अंतर-विभागीय सहयोग के माध्यम से इन दीर्घकालिक मुद्दों को हल करने के लिए प्रतिबद्ध है और उन्होंने अधिकारियों से सार्थक विकास के लिए मिलकर काम करने का आग्रह किया।

पाकिस्तान क्यों प्यासा रहेगा? विदेश सचिव विक्रम मिसरी बोले

पाक ने किया सिंधु जल समझौते के सिद्धांतों का उल्लंघन

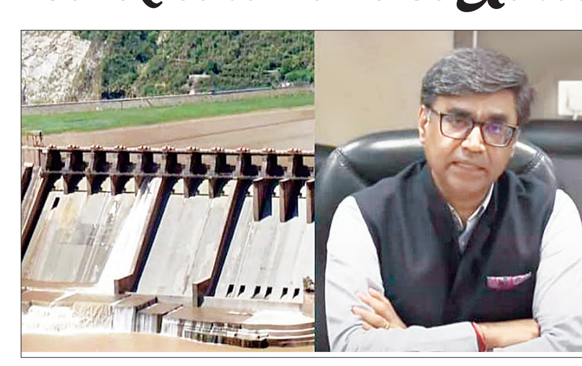

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)। विदेश मंत्रालय ने शनिवार को संसदीय समिति को बताया कि सिंधु जल संधि को स्थगित करने का भारत का फैसला, मित्रता और सद्भावना सहित समझौते को दिशा-निर्देशित करने वाले सिद्धांतों को पाकिस्तान की ओर से स्थगित किए जाने का स्वाभाविक नतीजा है। विदेश मंत्रालय ने बताया कि इंजीनियरिंग तकनीक, जलवायु परिवर्तन और ग्लेशियरों के पिघलने सहित जमीनी हालात में हुए बदलावों ने संधि की शर्तों पर फिर से बातचीत करना अनिवार्य बना दिया है। सूत्रों ने बताया कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद समझौते को स्थगित करने के भारत के निर्णय का बचाव करते हुए दुनिया की राजधानियों का दौरा करने वाले प्रतिनिधिमंडल भी इसी दिशा में आगे बढ़ेंगे।

इसके अलावा विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने अपनी ब्रीफिंग में कहा है कि 1960 की संधि की प्रस्तावना में कहा गया है कि इसे सद्भावना और मित्रता की भावना के तहत संपन्न किया गया है। उन्होंने कहा कि वास्तव में पाकिस्तान ने इन सभी सिद्धांतों को स्थगित कर दिया है।

पाकिस्तानी सांसद सैयद अली जफर ने शुक्रवार (23 मई, 2025) को सिंधु जल समझौता स्थगित होने को लेकर कहा कि हम अगर पानी का ये मुद्दा हल नहीं करेंगे तो हम भूखे मर सकते हैं. उसकी वजह ये है कि इंडस बेसिन जो हमारी लाइफलाइन है। तीन चौथाई पानी बाहर से आता है। हमारी 90 फीसदी फसलें इसी पानी पर निर्भर हैं।

भारत का सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल 33 देशों की यात्रा कर रहा है. इसके लिए 7 दल बनाए गए हैं, जिनमें सांसदों के अलावा कई राजनयिक और पूर्व केंद्रीय मंत्री भी शामिल हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बावजूद सरकार को चालू वित्त वर्ष के लिए कोई अतिरिक्त रक्षा बजट की आवंटन की आवश्यकता नहीं दिख रही है। सूत्रों के मुताबिक सरकार ने रक्षा बजट पर्याप्त रखा है।

संयुक्त राष्ट्र में गरजा भारत

मुंह छिपाकर भागा पाकिस्तान

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)। सिंधु जल संधि पर संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के दुष्प्रचार की धज्जियाँ उड़ाते हुए भारत ने कहा कि इस्लामाबाद ने भारत पर तीन युद्ध और हज़ारों आतंकी हमले करके अपनी भावना का उल्लंघन किया है, जिसका उद्देश्य नागरिकों के जीवन, धार्मिक सद्भाव और आर्थिक समृद्धि को बंधक बनाना है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि, राजदूत पार्वथानेनी हरीश ने कहा कि हम सिंधु जल संधि के बारे में पाकिस्तान के प्रतिनिधिमंडल द्वारा किए जा रहे दुष्प्रचार का जवाब देने के लिए बाध्य हैं। भारत ने हमेशा एक ऊपरी तटवर्ती राज्य के रूप में जिम्मेदारी से काम किया है। हरीश स्लोवेनिया के स्थायी मिशन द्वारा 'सशस्त्र संघर्ष में जल की रक्षा - नागरिक जीवन की रक्षा' पर आयोजित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा

परिषद अरिया फॉर्मूला बैठक को संबोधित कर रहे थे। जम्मू-कश्मीर में 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए भयावह हमले के बाद, जिसमें 26 नागरिक मारे गए थे, भारत ने फैसला किया था कि 1960 की सिंधु जल संधि को तत्काल प्रभाव से स्थगित रखा जाएगा, जब तक कि पाकिस्तान विश्वसनीय और अपरिवर्तनीय रूप से सीमा पार आतंकवाद के लिए अपने समर्थन को त्याग नहीं देता।

हरीश ने संयुक्त राष्ट्र की बैठक में कहा कि भारत ने 65 साल पहले सद्भावना के साथ सिंधु जल संधि में प्रवेश किया था। इस बात पर गौर करते हुए कि संधि की प्रस्तावना में वर्णित है कि इसे 'सद्भावना और मित्रता की भावना' में संपन्न किया गया था, हरीश ने इन साढ़े छह दशकों के दौरान कहा कि पाकिस्तान ने भारत पर तीन युद्ध और हजारों आतंकवादी हमले करके संधि की भावना का उल्लंघन किया है।

तेलंगाना डीजीपी ने राज्य भर में बंदूक लाइसेंसों की समीक्षा के आदेश दिए

हैदराबाद, 24 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) डॉ. जितेंद्र ने शुक्रवार 23 मई को राज्य भर में बंदूक लाइसेंसों की समीक्षा के आदेश दिए। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, तेलंगाना में 9294 आग्नेयास्त्रों के उपयोग के लिए 7125 बंदूक लाइसेंस जारी किए गए हैं। कुल लाइसेंसों में से 510 पिछले तीन वर्षों में जारी किए गए हैं। डीजीपी ने अधिकारियों को प्रतिकूल नोटिस के तहत लोगों के लाइसेंसों की विशेष रूप से समीक्षा करने का निर्देश दिया। डीजीपी ने पुलिस आयुक्त और पुलिस अधीक्षकों से कहा कि वे प्रतिकूल नोटिस के तहत आने वाले लोगों को नोटिस जारी करें। लाइसेंसधारकों को हथियार रखने के कारण बताने होंगे। लाइसेंस का नवीनीकरण तभी किया जाना चाहिए जब लोग वास्तविक कारण बताएं।जितेंद्र ने कहा, जिन लोगों के पास हथियार हैं, लेकिन वे तेलंगाना में नहीं रहते हैं, उन्हें उचित पुलिस अधिकार क्षेत्र के तहत फिर से पंजीकरण कराना होगा। अगर उनके ठिकाने का पता नहीं है, तो उनके अंतिम ज्ञात पते पर नोटिस भेजा जाना चाहिए।उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि शस्त्र लाइसेंसों का नवीनीकरण और अनुमोदन शस्त्र (संशोधन) अधिनियम, 2019 के अनुसार किया जाना चाहिए। लाइसेंस जारी करते समय पुलिस को आवेदक की हथियार की आवश्यकता की वैधता का सत्यापन करना चाहिए।

60 लाख का 20 क्विंटल सरकारी प्रतिबंधित नकली कपास बीज जब्त

कुमरमभीम/ आसिफाबाद, 24 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला एसपी ने कहा कि जिले में नकली कपास के बीज बेचने और सप्लाई करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।जिला एसपी ने भारी मात्रा में नकली कपास के बीज जब्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए टास्क फोर्स के अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई दी।जिला एसपी डीवी श्रीनिवास राव आईपीएस ने कागजनगर ग्रामीण पुलिस स्टेशन में आयोजित एक प्रेस वार्ता में बताया कि जिला टास्क फोर्स टीम ने कोमाराम भीम आसिफाबाद जिले के कागजनगर ग्रामीण पुलिस स्टेशन की सीमा के अंतर्गत 60 लाख रुपये मूल्य के 20 क्विंटल नकली कपास के बीज जब्त किए हैं। प्रेस वार्ता में एसपी द्वारा दी गई।

कोमुराम भीम आसिफाबाद जिला टास्क फोर्स पुलिस ने विश्वसनीय सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए आज सुबह पेद्दावगु के पास संदिग्ध रूप से घूम रही एक आयशर वैन एपी 39 टीवाई 9741 को रोका और उसकी जांच की। सूचना के आधार पर पता चला कि कागजनगर निवासी कोथापल्ली सदाशिव नामक व्यक्ति जिले में नकली बीटी बीज बेच रहा है। वहां से 20 क्विंटल (लगभग 60 लाख रुपये मूल्य के) सरकारी प्रतिबंधित नकली बीटी 3 बीज जब्त किए गए। जब कोथापल्ली सदाशिव को गिरफ्तार कर पूछताछ की गई तो करीमनगर जिले के मर्रिगड्डा निवासी वेणुगोपाल रेड्डी नामक व्यक्ति ने उन्हें बताया कि वे लोग संतोष के माध्यम से एक वाहन में आ रहे थे।जब सदाशिव नकली बीज लेने नहीं गया तो टास्क फोर्स के सीआई राणा प्रताप और एसआई वेंकटेश ने अपने स्टाफ के साथ आयशर वैन को रोका और उसकी जांच की। इसमें सरकार द्वारा प्रतिबंधित नकली बीटी बीज जब्त किए गए। ड्राइवर पुप्पाला लक्ष्मण (कुरनूल जिला) और वेणुगोपाल रेड्डी तथा संतोष को जिला टास्क फोर्स टीम ने उस समय गिरफ्तार कर लिया, जब वे वेणुगोपाल रेड्डी के आदेश पर कागज नगर में बीज एकत्र कर रहे थे।

आरोपी का विवरण

-1: कोठापल्ली सदाशिव, कागज़ नगर, कापू वाडा

-2: पुप्पला लक्ष्मण (ड्राइवर), आंध्र प्रदेश, कुरनूल जिला, अदोनी

उत्तर 3: संतोष किशोर, महाराष्ट्र, अहेरी..., उपरोक्त तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है।-4: एसपी ने कहा कि वेणुगोपाल रेड्डी (राजन्ना सिरसिला जिला, चंदुरथी मंडल, मैरिगड्डा) फरार है और जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा। जिला पुलिस अधीक्षक ने जिला टास्क फोर्स के अधिकारियों व कर्मचारियों को इतनी बड़ी मात्रा में नकली कपास बीज जब्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए विशेष रूप से बधाई दी।

एसपी ने चेतावनी दी कि जिला पुलिस विभाग जिले में नकली कपास के बीज या किसी भी नकली बीज की आपूर्ति करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगा। कागजनगर डीएसपी रामानुजम, टास्क स्पोर्ट इंस्पेक्टर राणा प्रताप, कागजनगर ग्रामीण सीआई श्रीनिवास राव, टास्क फोर्स एस.आई वेंकटेश, कागजनगर ग्रामीण एसआई संदीप, टास्क फोर्स कर्मी मधु, रमेश, मोहम्मद, देवेंद्र, संजीव, होमगार्ड शेखर और अन्य पुलिस कर्मियों ने भाग लिया।

गोदावरी जल मोड़ पर राज्य की निष्क्रियता पर सवाल : हरीश राव

मंचेरियाल,24 मई (शुभ लाभ ब्यूरो) । राज्य की कांग्रेस सरकार और मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी पर तेलंगाना के जल अधिकारों की रक्षा करने में विफल रहने का आरोप लगाते हुए बीआरएस नेता और पूर्व मंत्री टी हरीश राव ने कहा कि विवादास्पद बनकचर्ला परियोजना के माध्यम से गोदावरी नदी के पानी को मोड़ने के लिए आंध्र प्रदेश सरकार का कदम राज्य के लिए महंगा साबित होगा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उन्होंने तेलंगाना सरकार की निष्क्रियता की आलोचना की और केंद्र की भाजपा सरकार पर आंध्र प्रदेश का पक्ष लेने और तेलंगाना के हितों को कमज़ोर करने का आरोप लगाया राव ने इस बात पर प्रकाश डाला कि आंध्र प्रदेश की प्रस्तावित गोदावरी बनकाचारला लिंक परियोजना जिसकी अनुमानित लागत 80,000 करोड़ रुपये है का उद्देश्य गोदावरी नदी प्रबंधन बोर्ड (जीआरएमबी) या सीडब्ल्यूसी से आवश्यक मंज़ूरी के बिना गोदावरी के 200 टीएमसी से अधिक पानी को मोड़ना है उन्होंने कहा कि इस परियोजना को आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम 2014 का उल्लंघन करके क्रियान्वित करने की कोशिश की जा रही है उन्होंने बताया कि अधिनियम में कृष्णा या गोदावरी नदियों पर किसी भी नई परियोजना के लिए नदी प्रबंधन बोर्डों से मंजूरी लेना अनिवार्य किया गया है जिसकी आंध्र प्रदेश ने कथित तौर पर अनदेखी की है राव ने कहा आंध्र प्रदेश सरकार पुनर्गठन अधिनियम के प्रावधानों को रौंद रही है और हस्तक्षेप करने के बजाय केंद्र सरकार धनराशि मंजूर करके उनकी सहायता कर रही है उन्होंने एफआरबीएम सीमा से परे ऋण के माध्यम से परियोजना के वित्तपोषण का 50% सुरक्षित करने के लिए आंध्र प्रदेश को अनुमति देने के लिए केंद्र की आलोचना की इसे अन्यायपूर्ण और अनैतिक बताते हुए राव ने कहा कि जब तेलंगाना ने कालेश्वरम परियोजना के लिए पावर फाइनेंस कॉरप-ोरेशन से ऋण मांगा तो एफआरबीएम मानदंडों के तहत वसूली लागू की गई उन्होंने केंद्र या आंध्र प्रदेश को चुनौती देने में विफल रहने के लिए कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा उन्होंने आरोप लगाया कि जबकि संयुक्त आंध्र के शासकों ने पोथिरेड्डीपाडु के माध्यम से कृष्णा जल को अवैध रूप से मोड़ने की योजना बनाई थी आज के कांग्रेस नेता बनकाचार्ला के माध्यम से गोदावरी जल की लूट को सक्षम बना रहे है उन्होंने चेतावनी दी कि राज्य सरकार की कार्रवाई करने में विफलता के कारण तेलंगाना के हित दांव पर हैं पूर्व मंत्री ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से आगामी नीति आयोग की बैठक में आंध्र प्रदेश के कथित जल मोड़ का मुद्दा उठाने और अवैध बनकाचार्ला परियोजना को रोकने के लिए कार्रवाई की मांग करने का भी आह्वान किया राव ने सवाल किया तेलंगाना से दो केंद्रीय मंत्री आठ भाजपा सांसद और आठ कांग्रेस सांसद होने के बावजूद राज्य को अपने अधिकारों के लिए लड़ने से कौन रोक रहा है? उन्होंने कांग्रेस सरकार पर अपनी सुस्ती के कारण तेलंगाना को पीड़ित होने देने का आरोप लगाया।

भाकपा ने नायडू से की माओवादियों के शवों को उनके पैतृक स्थान लाने के लिए हस्तक्षेप की मांग

विजयवाड़ा, 24 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के राष्ट्रीय परिषद सचिव के. नारायण ने शनिवार को आंध्र प्रदेश सरकार से छत्तीसगढ़ से दो माओवादियों के शवों को श्रीकाकुलम जिले में उनके पैतृक स्थान पर लाने के लिए हस्तक्षेप करने का आग्रह किया।मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू को लिखे अपने पत्र में श्री नारायण ने उनसे अनुरोध किया कि हस्तक्षेप कर छत्तीसगढ़ के बस्तर में मारे गए नंबाला केशव राव और सज्जा नागेश्वर राव के शवों को आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम में उनके पैतृक स्थान टेकली लाया जाए।

रेवंत ने अवसंरचना, रक्षा, सेमीकंडक्टर परियोजनाओं के लिए मोदी से मांगा समर्थन

नई दिल्ली/हैदराबाद, 24 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने शनिवार को नयी दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की और राज्य के विकास के लिए महत्वपूर्ण कई रणनीतिक अवसंरचना और औद्योगिक परियोजनाओं के लिए तत्काल समर्थन मांगा, जिनमें हैदराबाद मेट्रो रेल चरण-खख, क्षेत्रीय रिंग रोड, सेमीकंडक्टर और रक्षा क्षेत्रों से जुड़े प्रस्ताव शामिल हैं।

रेड्डी ने प्रधानमंत्री को हैदराबाद के मेट्रो रेल नेटवर्क के विस्तार की तत्काल आवश्यकता से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि पहले चरण में तीन गलियारों में 69 किलोमीटर की दूरी तय की गई है और 22,000 करोड़ रुपये की लागत से इसका निर्माण किया गया है, लेकिन पिछले 10 वर्षों में इसका कोई विस्तार नहीं हुआ है। तेलंगाना सरकार ने अब चरण-खख विस्तार के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत किया है, जो पांच गलियारों में 76.4 किलोमीटर की दूरी तय करेगा, जिसकी अनुमानित परियोजना लागत 24,269 करोड़ रुपये है। मानक वित्तपोषण पैटर्न के अनुसार, केंद्र का हिस्सा 18 प्रतिशत (4,230 करोड़ रुपये), राज्य का हिस्सा 30 प्रतिशत (7,313 करोड़ रुपये) और शेष 48 प्रतिशत (11,693 करोड़ रुपये) ऋण के रूप में होने की उम्मीद है। चेन्नई और बैंगलोर मेट्रो परियोजनाओं के लिए हाल ही में कैबिनेट की मंजूरी का उल्लेख करते हुए, रेड्डी ने हैदराबाद के मेट्रो चरण-खख के लिए आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय और केंद्रीय मंत्रिमंडल से तत्काल मंजूरी का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने हैदराबाद के आईटी, फार्मा और लॉजिस्टिक्स क्षेत्रों में तेजी से हो रहे विकास को पूरा करने के लिए क्षेत्रीय रिंग रोड (आरआरआर) परियोजना में तेजी लाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने बताया कि आरआरआर का उत्तरी भाग तेलंगाना सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण लागत का 50 प्रतिशत साझा करने के साथ प्रगति पर है, जबकि दक्षिणी भाग को समानांतर मंजूरी की आवश्यकता है। उन्होंने चेतावनी दी कि किसी भी देरी से न केवल भूमि अधिग्रहण और निर्माण लागत बढ़ेगी, बल्कि परियोजना की समग्र दक्षता भी कम होगी। उन्होंने दोहराया कि तेलंगाना दक्षिणी भाग के लिए भूमि अधिग्रहण लागत का 50 प्रतिशत साझा करने के लिए तैयार है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने क्षेत्रीय संपर्क में भारी सुधार के लिए आरआरआर के समानांतर 370 किलोमीटर लंबी रेलवे लाइन बिछाने का प्रस्ताव रखा। फार्मा क्षेत्र में तेलंगाना के योगदान पर प्रकाश डालते हुए - जो भारत के उत्पादन का 35 प्रतिशत है - मुख्यमंत्री ने हैदराबाद के पास ड्राई पोर्ट से बंदर पोर्ट तक प्रस्तावित ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे के लिए केंद्रीय समर्थन का भी अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि इस गलियारे के साथ समानांतर रेलवे लाइन रणनीतिक औद्योगिक संपर्क को और बढ़ाएगी, रसद लागत को कम करेगी और रोजगार के अवसर पैदा करेगी। बैठक के दौरान, रेड्डी ने हैदराबाद के मजबूत मौजूदा पारिस्थितिकी तंत्र का हवाला देते हुए भारत के सेमीकंडक्टर मिशन (आईएसएम) में तेलंगाना को शामिल करने की जोरदार वकालत की, जिसमें एएमडी, क्वालकॉम, एनवीआईडीआईए, फॉक्सकॉन और केनेस जैसी वैश्विक कंपनियां पहले से ही राज्य में काम कर रही हैं। उन्होंने बताया कि तेलंगाना भूकंपीय सुरक्षा, कुशल कार्यबल और मजबूत बुनियादी ढाँचा प्रदान करता है, और आईएसएम परियोजना की मंजूरी हासिल करने के लिए पीएम के हस्तक्षेप का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि इससे निवेशकों का विश्वास बढ़ेगा, उच्च मूल्य वाले विनिर्माण को आकर्षित किया जा सकेगा और 2030 तक इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन में 500 बिलियन डॉलर हासिल करने की भारत की महत्वाकांक्षा के साथ तालमेल बिठाया जा सकेगा। इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने तेलंगाना में सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्र की कंपनियों से जुड़ी रक्षा परियोजनाओं के लिए तेजी से मंजूरी देने का आग्रह किया।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने केंद्र से हैदराबाद के लिए 800 और ईवी बसें मांगी

नई दिल्ली, 24 मई (शुभ लाभ ब्यूरो) तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री एच डी कुमारस्वामी से पीएम-ई ड्राइव योजना के तहत हैदराबाद को अतिरिक्त 800 इलेक्ट्रिक बसें (ईवी) आवंटित करने का अनुरोध किया है। यह अनुरोध शहर की बढ़ती सार्वजनिक परिवहन आवश्यकताओं के मद्देनजर किया गया है।

शनिवार को दिल्ली में आयोजित एक बैठक में, सीएम रेवंत रेड्डी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि हैदराबाद के लिए 2,000 ईवी बसें पहले ही स्वीकृत की जा चुकी हैं। हालांकि, बढ़ती शहरी मांग को देखते हुए, उन्होंने केंद्र से 800 और बसों के आवंटन को बढ़ाने का आग्रह किया।

मुख्यमंत्री ने यह सुनिश्चित करने के लिए एक हाइब्रिड ग्रॉस कॉस्ट कॉन्ट्रैक्ट (जीसीसी) मॉडल अपनाने का भी प्रस्ताव रखा कि तेलंगाना आरटीसी ड्राइवर और मैकेनिक इन बसों के संचालन और रखरखाव में शामिल हों, जिससे स्थानीय रोजगार को संरक्षित किया जा सके।

रेवंत रेड्डी ने हैदराबाद में एक डीजल आरटीसी बस के सफल रेट्रोफिटिंग की ओर भी इशारा किया, जो पहले से ही इलेक्ट्रिक पावर पर चल रही है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि उन्होंने केंद्रीय मंत्री से अधिकाधिक मौजूदा डीजल बसों को इलेक्ट्रिक वाहनों में बदलने का समर्थन करने की अपील की, जिससे स्थायित्व और लागत दक्षता दोनों को बढ़ावा मिलेगा।

बीआरएस का लालच और कुशासन ने कालेश्वरम को ध्वस्त कर दिया : उत्तम कुमार रेड्डी

हैदराबाद, 24 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के सिंचाई और नागरिक आपूर्ति मंत्री कैप्टन एन उत्तम कुमार रेड्डी ने पिछली बीआरएस सरकार पर तीखा हमला करते हुए उसे कालेश्वरम परियोजना के पतन और राज्य पर बढ़ते वित्तीय बोझ के लिए जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने पिछली सरकार पर राजनीतिक ईर्ष्या के कारण कांग्रेस द्वारा परिकल्पित तुम्मिडीहट्टी परियोजना को रद्द करने और कमीशन कमाने के लिए कालेश्वरम को चुनने का आरोप लगाया। हुजूरनगर और कोडाद में विकास कार्यों की समीक्षा करने के बाद मीडिया से बात करते हुए उत्तम ने कहा कि कालेश्वरम परियोजना की लागत बिना किसी औचित्य के 38,000 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 1.2 लाख करोड़ रुपये कर दी गई और इसका पतन अहंकार और भ्रष्टाचार का सीधा परिणाम है। उन्होंने कहा कि बीआरएस सरकार की दोषपूर्ण निर्णय-प्रक्रिया ने तेलंगाना को 16,000 करोड़ रुपये के वार्षिक ऋण चुकौती बोझ में डाल दिया है, जो आने वाली पीढ़ियों को परेशान करेगा। राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण की रिपोर्ट का मजाक उड़ाने के लिए बीआरएस की आलोचना करते हुए उन्होंने सत्ता में रहने के दौरान कार्रवाई करने में उनकी विफलता पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि कमीशन बनाने की कोशिश में इंजीनियरों और विशेषज्ञों की कई चेतावनियों को नजरअंदाज कर दिया गया। मंत्री ने कांग्रेस के समय की परियोजनाओं के नाम मिटाने के लिए बीआरएस की भी निंदा की और इसे इंदिरा गांधी और डॉ. बी.आर. अंबेडकर जैसे राष्ट्रीय प्रतीकों का अपमान बताया। उत्तम ने लंबित परियोजनाओं के पुनरुद्धार और जिम्मेदार खर्च सहित सिंचाई क्षेत्र में सुधारों के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। कांग्रेस सरकार के तहत उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने रिकॉर्ड धान खरीद और बढ़िया चावल किसानों के लिए ऐतिहासिक बोनस की ओर इशारा किया और जोर देकर कहा कि नया प्रशासन अपने वादों को पूरा कर रहा है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.